रांची, मंगलवार
10.12.2024
वर्ष : 10, अंक : 10 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने सोनिया गांधी को जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सह राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी को जन्मदिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। मरांग बुरु आपको सदैव उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन प्रदान करें, यही कामना करता हूं।

पूर्व डीसी छवि रंजन की बेल पर 12 दिसंबर को फैसला

रांची: सेना के कब्जे वाली जमीन की फर्जी दस्तावेजों के सहारे खरीद-बिक्री से जुड़े लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की बेल पर कोर्ट अब 12 दिसंबर को फैसला सुनाएगा. रांची प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की स्पेशल कोर्ट में सोमवार को उनकी याचिका पर सुनवाई हुई. ईडी ने इस संबंध में कांड संख्या 01/2023 दर्ज किया है. दरअसल लैंड स्कैम की अब तक की जांच में अमित अग्रवाल, दिलीप घोष ,रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर चुकी है. सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं.

धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस तथा इंडिया समूह राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार कर रहा है। कांग्रेस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया है कि विपक्ष राज्यसभा की कार्यवाही के संचालन में सभापति के कथित पक्षपातपूर्ण व्यवहार से क्षुब्ध है। सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस के साथ-साथ इंडिया समूह के दल भी इस मामले में एकजुट नजर आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार राज्यसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 67 सदस्यों की आवश्यकता है और इस मुद्दे पर इंडिया समूह के 70 से अधिक सदस्य प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। उनका कहना है कि पूरे गठबंधन में अविश्वास प्रस्ताव लाने का मन बन गया है।

झारखंड विस सत्र

80 विधायकों ने ली शपथ

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र सोमवार से शुरू हो गया. सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले से पहले स्पीकर कक्ष में प्रोटेम स्पीकर प्रो स्टीफन मरांडी का सीएम हेमंत सोरेन ने अभिवादन किया. इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने प्रोटेम स्पीकर का अभिवादन किया. दिन के 11 बजकर 15 मिनट में सदन की कार्यवाही शुरू हुई. सत्र के पहले दिन प्रोटेम स्पीकर स्टीफन मरांडी ने ने 80 नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई. सबसे पहले मंत्रियों को शपथ दिलाई गयी. इसके बाद नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली. स्टीफन मरांडी मंगलवार को शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार को दिन के 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी.

मुख्यमंत्री और बरहेट विधायक हेमंत सोरेन ने सबसे पहले ली शपथ

स्टीफन मरांडी ने सबसे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री और बरहेट विधायक हेमंत सोरेन को शपथ दिलायी. इसके बाद राधाकृष्ण किशोर, दीपक बिरुवा, चमरा लिंडा, संजय प्रसाद यादव, रामदास सोरेन, इरफान अंसारी, हफीजूल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य कुमार सोनू, शिल्पी नेहा तिर्की, राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन, बोरियो विधायक धनजंय सोरेन, लिट्टिपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू, पाकुड विधायक निसात आलम, शिकारीपाड़ा विधायक आलोक कुमार सोरेन, नाला विधायक रविंद्र नाथ महतो, दुमका विधायक बसंत सोरेन समेत 80 विधायकों ने झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली.

सदन में दिखे 21 नये चेहरे

इस बार सदन में 21 नये चेहर दिखे. जो पहली बार विधायक बने हैं. सदन में पहली बार पहुंचने वाले विधायकों में रौशन लाल चौधरी, शुत्रध्न महतो, प्रदीप प्रसाद, मंजू कुमारी, कुमार उज्जवल, रागिनी सिंह, रामसूर्या मुंडा, मो ताजउद्दीन, आलोक सोरेन, सुदीप गुड़िया, धनंजय सोरेन, श्वेता सिंह, सुरेश बैठा, निशत आलम, नरेश प्रसाद सिंह, चंद्रदेव महतो, निर्मल महतो, जयराम महतो और पूर्णिमा साहू शामिल हैं. वहीं 18 ऐसे सदस्य हैं, जो पहले विधायक रह चुके हैं. इसमें सबसे अधिक आठ भाजपा के हैं, जबकि छह झामुमो, तीन कांग्रेस के हैं. वहीं राजद, माले, आजसू व जेएलकेएम के एक-एक विधायक शामिल हैं. पूर्व सीएम चंपाई सोरेन व सीपी सिंह लगातार सातवीं बार तो प्रदीप यादव लगातार छठी बार विधानसभा पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया.

अलग-अलग भाषाओं में विधायकों ने ली शपथ

हेमलाल मुर्मू ने संताली, एमटी राजा ने उर्दू, जयराम महतो ने कुरमाली, अरूप चटर्जी ने बांग्ला और ममता देवी ने खोरठा भाषा में शपथ ली. इसके अलावा चंपाई सोरेन, मथुरा महतो सहित कई विधायकों ने भी स्थानीय भाषा में शपथ ली. वहीं कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल और श्वेता सिंह ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर शपथ ली. जबकि पूर्णिमा साहू ने दोनों हाथ जोड़कर झारखंड विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली.

स्पीकर का आज होगा आज

स्पीकर का चयन 10 दिसंबर को किया जायेगा. रविवार को हुई इंडी गठबंधन की बैठक में स्पीकर के लिए रवींद्र नाथ महतो के नाम पर सहमति बन चुकी है. 11 दिसंबर को दिन के 11:30 बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा. इसके बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जायेगा. 12 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद, सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जायेगी.

स्पीकर के लिए रवींद्रनाथ महतो का नाम प्रस्तावित : मुख्यमंत्री

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मंत्रियों और विधायकों के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। स्पीकर के लिए रवींद्रनाथ महतो का नाम प्रस्तावित है। वे सर्वसम्मति से स्पीकर चुने जायेंगे। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें लिखा है कि झारखंड विधानसभा में परिवार के साथ। मुख्यमंत्री पत्नी कल्पना सोरेन के साथ सोमवार को विधानसभा पहुंचे थे।

जयराम की सदन में नंगे पांव इंट्री

झारखंड विधानसभा सत्र में पहली बार शामिल हो रहे जयराम महतो ने अनोखे अंदाज में इंट्री ली. उन्होंने सबसे पहले धरती को प्रणाम किया. इसके बाद सदन के अंदर नंगे पांव घुसे. शपथ लेने के बाद जयराम महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधायक मथुरा महतो और मंत्री दीपिका पांडेय के पैर छूकर आशीर्वाद लिया. वहीं जयराम महतो के हाथ में मौजूद लाल डायरी ने भी सबका ध्यान खींचा. जयराम ने कहा कि इस डायरी में मैं वह शपथ लिखूंगा, जो मैं विधानसभा में लूंगा. यह मेरे लिए लोकतंत्र के प्रति मेरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है.

दस विधायक तीसरी बार पहुंचे सदन

सदन पहुंचनेवाले विधायकों में दस ऐसे विधायक शामिल हैं, जिन्होंने जीत की हैट्रिक लगायी है. इनमें स्टीफन मरांडी, इरफान अंसारी, डॉ नीरा यादव, राज सिन्हा, सरयू राय, विकास सिंह मुंडा, आलोक कुमार चौरसिया, रवींद्रनाथ महतो, निरल पूर्ति व दशरथ गगराई शामिल है. पिछले विधानसभा के 42 विधायक फिर से विधानसभा पहुंचे हैं. स्टीफन मरांडी सबसे सीनियर विधायक हैं. जो नौ बार जीत हासिल कर चुके हैं. चार विधायकों ने चौथी बार जीत हासिल की. जीत का चौका लगानेवालों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री दीपक विरुआ, चमरा लिंडा, और विधायक नवीन जायसवाल शामिल हैं.

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कामकाज संभाला

सप्लाई चेन सिस्टम को करेंगे दुरुस्त: शिल्पी

बिभा संवाददाता

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को नेपाल हाउस स्थित विभागीय कार्यालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद कृषि मंत्री ने कहा कि पहले तीन चीजों पर फोकस किया जाएगा। सप्लाई चेन सिस्टम को दुरुस्त करने के साथ कोल्ड स्टोरेज की उपयोगिता पर काम होगा। एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी को दुरूस्त किया जाएगा ताकि किसानों के हित में अधिक से अधिक काम हो सके। सहकारी समितियों का संचालन ठीक किया जाएगा। विचौलियों की भूमिका को खत्म किया जाएगा। कृषि विभाग रेवेन्यू जेनरेट करने की कोशिश करेगा।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने निर्देश दिया है कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में चलायी जा रही हेमंत सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की सभी कल्याणकारी एवं लाभकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत सफलतापूर्वक कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिये सभी विभागीय पदाधिकारी पूर्ण समर्पित होकर पूरे सामंजस्य के साथ अपनी भूमिका निभायें।

उन्होंने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए कहा कि झारखण्ड मिल्क फेडरेशन मेधा से सम्बंधित दुग्ध उत्पादक किसानों को वित्तीय वर्ष 2024-24 में तीन रुपये की बजाय पांच रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि देने सम्बंधित संचिका पर सहमति दे दी। हालांकि, इस सबंध में पूर्व में कैबिनेट की बैठक में पहले ही सहमति प्राप्त हो गयी थी।

मंत्री ने विभागीय सचिव एवं अन्य सभी पदाधिकारियों के साथ पहली बैठक में कहा कि किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की कोताही सामूहिक विफलता का कारण बन सकती है। इसलिये सभी को सतर्क एवं सावधान रहने की जरूरत है। तिर्की ने सभी योजनाओं की समीक्षा की और इस सन्दर्भ में विभागीय कार्यकलापों के मामले में विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

झारखंड में बढ़ेगी ठंड, लुढ़केगा पांच डिग्री पारा

रांची: झारखंड में नौ दिसंबर को हुई बारिश ने कड़ाके की ठंड पड़ने की चेतावनी दे दी है. मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर कहा है कि आने वाले तीन दिनों में पांच डिग्री सेल्सियस तापमान में गिरावट आने की संभावना है. जिसके कारण कड़ाके की ठंड पड़ेगी. मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के एक दर्जन से अधिक जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा. इसमें गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़, सरायकेला-खरसांवा, पश्चिमी सिंहभूम और पूर्वी सिंहभूम शामिल हैं. विभाग के अनुसार, साइक्लोनिक सरकुलेशन के कारण झारखंड में इसका असर दिख रहा है. गिरिडीह में सबसे अधिक 14.2 मिलीमीटर बारिश हुई. वहीं सबसे अधिक तापमान सरायकेला खरसांवा में और सबसे कम तापमान बोकारो में दर्ज किया गया. सरायकेला में अधिक तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रहा. जबकि बोकारो का न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा. रांची का अधिकतम 25.8 और न्यूनतम 14.5 डिग्री सेल्सियस रहा.

कार्य में शिथिलता बर्दाश्त नहीं राजस्व संग्रहण पर दें जोर:बिरुआ

बिभा संवाददाता

रांची : राजस्व, भूमि सुधार एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने विधानसभा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद सोमवार को एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने विभागीय मंत्री के तौर पर पद ग्रहण करने के बाद अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए।

दीपक बिरुआ ने पदभार ग्रहण करने के उपरांत सबसे पहले भू-राजस्व और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ कार्यों की समीक्षा की।उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में कार्य में शिथिलता नहीं बरती जाए। दीपक बिरुआ ने विभागीय पदाधिकारियों को राजस्व संग्रहण बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दिसंबर के बाद भू-राजस्व के संदर्भ में सभी प्रमंडलीय आयुक्तों के साथ बैठक आयोजित करें। तत्पश्चात जिला स्तर में कार्यों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने परिवहन सचिव और भू-राजस्व विभाग के सचिव को इसके लिए स्पष्ट निर्देश दिया।

दुनिया के विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश को लेकर उत्साहित हैं : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत में कारोबारी माहौल से कारोबारी विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते भारत ने जो विकास किया है वो हर क्षेत्र में नजर आ रहा है।

प्रधानमंत्री राजस्थान के जयपुर में जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट- 2024 और राजस्थान वैश्विक व्यापार एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपने कुशल कार्यबल और विस्तारित बाजार के कारण निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था, जबकि पिछले एक दशक में ही

भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था और निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। 2014 से पहले के दशक की तुलना में पिछले दशक में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी दो गुना से अधिक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत का बुनियादी ढांचा व्यय लगभग 2 ट्रिलियन रुपये से बढ़कर 11 ट्रिलियन रुपये हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सफलता लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, डिजिटल डेटा और डिलीवरी की असली ताकत को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता और सशक्तिकरण अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आने वाले कई वर्षों में भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक होगा और भारत में युवाओं की सबसे बड़ी संख्या के साथ-साथ सबसे बड़ा कुशल युवा समूह भी होगा।

आज की दुनिया में हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डेटा के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि यह सदी तकनीक-संचालित और डेटा-संचालित है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत में इंटरनेट उपयोगकताओं की संख्या में लगभग 4 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और डेटा की अपनी वास्तविक शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। मोदी ने कहा, ह्लभारत ने दिखाया है कि कैसे डिजिटल तकनीक का लोकतंत्रीकरण हर क्षेत्र और समुदाय को लाभान्वित कर रहा हैह्व। यूपीआई, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सिस्टम, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम), ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीवीसी) जैसी भारत की विभिन्न डिजिटल पहलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कई प्लेटफॉर्म हैं जो डिजिटल इकोसिस्टम की शक्ति को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि इनका व्यापक प्रभाव राजस्थान में भी स्पष्ट होगा।

संजय मल्होत्रा आरबीआई के गवर्नर नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव, संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का अगला गवर्नर नियुक्त किया है। मल्होत्रा, बेनेगल रामा राव के सात साल से ज्यादा कार्यकाल के बाद दूसरे सबसे लंबे समय तक आरबीआई का गवर्नर रहने वाले शक्तिकांत दास की जगह लेंगे। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को 11 दिसंबर, 2024 से तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए रिजर्व बैंक का अगला गवर्नर नियुक्त किया गया है। राजस्थान कैडर के 1990 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी संजय मल्होत्रा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर से कंप्यूटर विज्ञान में इंजीनियरिंग स्नातक हैं, उन्होंने प्रिंसटन विश्वविद्यालय, यूएसए से सार्वजनिक नीति में मास्टर डिग्री हासिल की है।

मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी में बने मंत्रियों के आवास का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को स्मार्ट सिटी, रांची में राज्य सरकार के मंत्रियों के लिए बने नवनिर्मित आवास सहित पूरे आवासीय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित आवास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर कई दिशा-निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नवनिर्मित आवास और पूरे आवासीय परिसर के सभी कार्य 15 जनवरी, 2025 तक पूर्ण कर लिए जाएं ताकि मंत्रियों को आवास आवंटित की जा सके। मुख्यमंत्री ने आवासीय परिसर में बने क्लब हाउस, बैडमिंटन कोर्ट तथा पुलिस बैरेक इत्यादि का निरीक्षण कर सभी सुविधाओं से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आवासीय परिसर में बच्चों के खेलने की व्यवस्था और झूला इत्यादि लगाने के भी निर्देश दिए।

इस मौके पर विधायक कल्पना सोरेन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव नगर विकास विभाग सुनील कुमार, सचिव भवन निर्माण विभाग अरवा राजकमल, सीईओ स्मार्ट सिटी अमित कुमार और जीएम स्मार्ट सिटी राकेश नंदकुलियार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

ठंड को देखते हुए सभी ठंड से अपना बचाव करें: उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री

रांची/बिभा संवाददाता। उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा रांची जिला में बढ़ती ठंड को देखते हुए, रांची शहर अंतर्गत एवं सभी प्रखंडो सभी जगह अलाव की व्यवस्था कराने को लेकर सम्बंधित सभी पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिसको लेकर जिला प्रशासन के तरफ से रांची के जिला के विभिन्न प्रखंडो के प्रमुख चौक चौराहो पर अलाव की व्यवस्था की गई है। उपायुक्त रांची, मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को ठंड को देखते हुए अलाव की व्यापक व्यवस्था कराने का निर्देश दिए गए है। ताकि ठंड से लोगों का बचाव हो सकें। साथ ही उन्होंने सभी जिला वासियों से अपील करते कहा की ठंड को देखते हुए सभी ठंड से अपना बचाव करें।

छात्रावास में भोजन, सुरक्षा एवं साफ सफाई की व्यवस्था का प्रमुखता से निरीक्षण

रांची/बिभा संवाददाता। उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार जिला अंतर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा निर्मित छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं की जांच की गई। जिलास्तरीय पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न छात्रावासों का निरीक्षण किया गया और छात्रावास में चेक लिस्ट अनुसार विभिन्न बिंदुओं की जांच की गई। विशेष कर छात्रावास भवन, चहारदीवारी, रसोई, शौचालय की स्थिति, पेयजल, भोजन बनाने हेतु बर्तन, विद्युत, बेड, गद्दा, बेडशीट, कुर्सी टेबल आदि की उपलब्धता एवं साफ-सफाई की जांच की गई। छात्रावास में सुविधाओं को लेकर पदाधिकारियों द्वारा छात्र-छात्राओं से भी बात की गई। सभी पदाधिकारियों को चेक लिस्ट अनुसार प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा दिया गया है। आपको बताएं कि कल्याण विभाग द्वारा निर्मित विभिन्न छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं की जांच के लिए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जिलास्तरीय पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी, जिनके द्वारा आज छात्रावासों में बेहतर व्यवस्था हेतु स्थल भ्रमण कर जांच की गई।

दो दिवसीय इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक समापन

मांडर/बिभा संवाददाता। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रांची में सहोदया स्कूल काम्पलेक्स के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय इंटर स्कूल फुटबाल टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक समापन रविवार को हुआ। इस प्रतियोगिता में सी बी एस ई विद्यालयों के 19 टीम भाग लीं। टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच टेंडर हार्ट स्कूल रांची एवं आक्सब्रीज स्कूल मांडर के बीच खेला गया, जिसमें आक्सब्रीज स्कूल मांडर विजेता रहा। टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मैच डी.ए.वी.विवेकानंद स्कूल बेड़ो एवं संत जॉन स्कूल रांची के बीच खेला गया जिसमें संत जॉन स्कूल विजेता रहा। टूर्नामेंट का फाइनल मैच ऑक्सब्रिज स्कूल मांडर एवं संत जॉन स्कूल रांची के बीच खेला गया जिसमें संत जॉन स्कूल रांची विजेता रहा। दोनों टीमों के बीच बेहद ही रोमांचक मुकाबला हुआ। इस अवसर पर शालिनी विजय, ऑक्सब्रिज पब्लिक स्कूल मांडर के निदेशक मोहम्मद तौफीक आलम समेत अन्य लोग मौजूद थे।

39वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में झारखंड के एथलीटों ने अब तक जीते 03 कांस्य पदक

रांची/बिभा संवाददाता। भारतीय एथलेटिक संघ,नई दिल्ली एवम ओडिशा एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में उड़ीसा के भुनेश्वर शहर के कलिंगा स्टेडियम में 7 से 11 दिसंबर तक आयोजित 39वी राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में बालक अंडर 18 आयु वर्ग के 400 मीटर में रांची साईं के साकेत मिंज ने 48. 15 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता । वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण राजस्थान के गुजेंद्र सिंह ने 48.12 सेकेंड एवं रजत पदक बिहार के पीयूष राज 48.12 सेकेंड का समय लेते हुए जीता। वहीं बालिका अंडर 16 आयु वर्ग के जेवलिन थ्रो में रांची साईं की शिल्पा कुमारी ने 44.21 मीटर के साथ कांस्य पदक जीती एवम 28 फ़रवरी 2024 को शिवानी पटेल अहमदाबाद में बनाए गए 40.01 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया । वहीं स्वर्ण पदक मुस्कान ने 46.87 मीटर एवं रजत पदक निशा 44.24 मीटर दोनो हरियाणा ने जीती । झारखंड एथलेटिक्स संघ प्लानिंग कमिटी के चेयर मैन डॉ मधुकांत पाठक, जे. ए. अध्यक्ष सी. डी. सिंह,सचिव एस. के. पांडेय समेत संघ के पदाधिकारियों ने पदक साईं प्रशिक्षक बिनोद कुमार सिंह, कोच आशु भाटिया, योगेश यादव मैनेजर अनुभा खाखा समेत विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

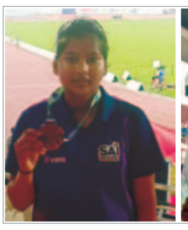

झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का अभिवादन एवं स्वागत करते हुए संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री योगेंद्र प्रसाद, मंत्रिमंडल समन्वय सचिवालय विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल एवं डीजीपी अनुराग गुप्ता

झारखंड विधानसभा सत्र का पहला दिन : नवनिर्वाचित विधायकों का दिखा अलग अंदाज

कोई दंडवत तो किसी ने नंगे पांव सदन में किया प्रवेश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा का सत्र सोमवार से शुरू हुआ.9 से 12 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में शामिल होने पहुंचे नवनिर्वाचित विधायकों और मंत्रियों में जबरदस्त उत्साह नजर आया.वहीं झारखंड विधानसभा सत्र के पहले दिन सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों ने राज्य में तेजी से विकास होने की उम्मीद जताती. मंत्रियों और विधायकों ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार हर वर्ग को ध्यान में रखकर काम करेगी.वहीं विपक्ष के विधायकों ने कहा कि वह सदन में जनता की आवाज बनेंगे.पूर्णिमा दास ने दंडवत सदन में किया प्रवेशसदन की कार्यवाही में भाग लेने पहली बार विधानसभा पहुंचीं जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा की विधायक पूर्णिमा दास ने सदन की सीढ़ी को दंडवत प्रणाम कर विधानसभा में प्रवेश किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र का विकास है. उन्होंने कहा कि वह अपने क्षेत्र की बुनियादी समस्या के समाधान की दिशा में उनके ससुर और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यों और प्रयासों को वह आगे बढ़ाएंगी. साथ ही उन्होंने कहा कि सदन में जमशेदपुर पूर्वी के लोगों की आवाज बनेंगी.

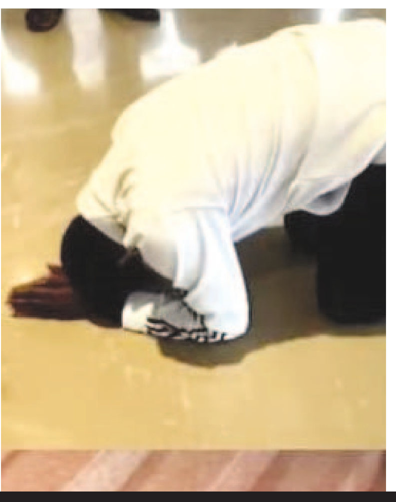

झारखंड विधानसभा सत्र में भाग लेने पहुंचे विधायक और मंत्रियों का बयान

उम्मीदों को खरा उतरने का होगा प्रयास: ममता

वहीं रामगढ़ से एक बार फिर विधायक बनने में सफल रहीं कांग्रेस नेत्री ममता देवी ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने उनपर दोबारा भरोसा जताया है. वह जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी.

हमारे राज्य में तेजी से विकास होगा: इरफान अंसारी

इस मौके पर स्वास्थ्य और खाद्य आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य में तेजी से विकास होगा. साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक चेंज दिखेगा. जनता ने हेमंत सोरेन और राहुल गांधी के प्रति जो उम्मीद जताई है उसे वह पूरा करने का काम करेंगे .मंत्री हफीजुल ने कही ये बातवहीं हेमंत मंत्रिमंडल में एक बार फिर मंत्री बनने में सफल रहे हफीजुल हसन ने कहा कि राज्य की जनता ने हेमंत सोरेन सरकार के प्रति जो विश्वास जताया है, उसे पूरा करने का काम यह सरकार करेगी.

शिक्षा व्यवस्था को करेंगे दुरुस्त : रामदास सोरेन

शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे रामदास सोरेन ने प्राथमिक शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सरकार और उनका विशेष फोकस शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने पर होगा .नंगे पांव विधानसभा में किया प्रवेश वहीं जेएलकेएम के प्रमुख जयराम महतो भी पहली बार झारखंड विधानसभा के सत्र में भाग लेने पहुंचे. इस दौरान उन्होंने नंगे पांव सदन में प्रवेश किया. उन्होंने कहा कि वे जनता के मुद्दे सदन में उठाने का काम करेंगे.

प्रोटेम स्पीकर ने दिलाई शपथ

आपको बता दें कि 12 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र के पहले दिन विधानसभा चुनाव में निर्वाचित सदस्यों को सदन में प्रोटेम स्पीकर डॉ. स्टीफन मरांडी ने शपथ दिलाई .ये भी पढ़ें-झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित, नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ।

नगर निकाय चुनाव में लिखी जाएगी विकास की नई गाथा: सुदिव्य कुमार

झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र, इस बार बदला-बदला होगा नजारा!

बुन्देलखण्ड परिक्षेत्र में तसर रेशम उद्योग को बढ़ावा देने पर चर्चा

बिभा संवाददाता

रांची। डॉ. एनवी चौधरी, निदेशक, केरेवो केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रॉची ने प्रेस-वार्ता के दौरान बुन्देलखण्ड परिक्षेत्र में तसर रेशम उद्योग को बढ़ावा देने हेतु कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा किया। इस चर्चा के दौरान निदेशक ने कहा कि बुन्देलखण्ड की जलवायु, मृदा एवं भौगोलिक स्थिति टसर रेशम कीटपालन के लिए उपयुक्त है। अतः इस उद्योग की व्यापक संभावनाएं है। तसर का पौधा कम पानी एवं बंजर भूमि में उगता है। इसका कीटपालन कम खर्च में शुरू किया जा सकता है। तसर कोसों के उत्पादन के विक्री की अच्छी सुविधा है। झॉसी एवं आस-पास के क्षेत्रों में वर्ष में तीन बार कीटपालन किया जा सकता है। तसर का कीटपालन बंजर/ऊसर जमीन को उपजाऊ बनाता है। तसर की खेती का पारंम्परिक ज्ञान जनजाति एवं अनुसूचित जाति के गरीब लोगों के पास है। महिलाओं को इससे जोड़कर धागाकरण का कार्य प्रदान किया जा सकता है। तसर रेशम कीटपालन के साथ अन्य खेती की फसलें उगाई जा सकती है। वन विभाग, राज्य रेशम विभाग, एग्रोफोरेस्ट्री संस्थान एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है। जिससे सभी के साथ मिलकर लगभग 1000 लोगों को रोजगार प्रदान कियाजा सकें। बुन्देलखण्ड के विभिन्न जनपदों में लगभग 285 एकड़ अर्जुन के पौधों का इकोनोमिक प्लान्टेशन उपलब्ध है। लाखों की संख्या में कोसों का उत्पादन इस परिक्षेत्र में होता है। इस परिक्षेत्र में कोसे के धागे -धागे से वस्त्र निर्माण की व्यापक आवश्यकता है। जिससे कृषकों कों मिट्टी से रेशम-कीडे. से कपडे. तक की सभी प्रक्रिया एक साथ हो सकें। बुन्देलखण्ड में तहत टसर रेशम का एक ब्राण्ड बनाने की आवश्यकता है। इस परिक्षेत्र में प्लान्टेशन (अर्जुन) की महती आवश्यकता है। जिससे पर्यावरण की रक्षा हो, रोजगार भी मिले, बंजर जमीर की उर्वरा शक्ति भी बढ़े। इस कार्यक्रम में सहायक निदेशक रेशम झॉसी श्री ए0के0राव एवं सहायक निदेशक सोनभद्र श्री रणवीर सिंह ने गहन मंथन किया एवं बुन्देलखण्ड परिक्षेत्र मे टसर की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा किया। टसर रेशम में उत्पादकता एवं उत्पादन बढ़ाने की दिशा में व्यापक पैकेज की आवश्यकता है। जिससे हजारों टसर कृषकों को लाभ हो। बुंदेलखंड में धागाकरण एवं कपड़े उत्पादन का महती आवश्यकता है। बुन्देलखण्ड में टसर रेशम ब्राण्ड विकसित करने का विचार है। तसर के अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों को विशेषकर जोड़ने का लक्ष्य है। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक डा जयप्रकाश पांडेय एवं डा जगदज्योति बी ने भी सहभागिता किया।

मानसिक रूप से बीमार लोगों को सहायता पहुंचाना ही उद्देश्य : दिवाकर

बिभा संवाददाता

रांची। माननीय झालसा, रांची के निर्देश पर माननीय नालसा के द्वारा नवसंचालित - मानसिक बीमारी और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं योजना - 2024 के अंतर्गत डालसा, रांची में नवगठित कानूनी सेवा युनिट के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ट्रेनिंग हॉल व्यवहार न्यायालय, रांची में सोमवार को किया गया। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्‌घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। स्वागत भाषण डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने दिया। इस अवसर पर माननीय न्यायायुक्त, दिवाकर पांडेय, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, रांची एस.एस. फातमी, अपर न्यायायुक्त-1, योगेश कुमार, अपर न्यायायुक्त-4-सह-पोक्सो जज, आसीफ ईकबाल, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश -2, अतिरिक्त कुटुम्ब न्यायालय, राजेश कुमार सिंह, सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बालमुकुंद रॉय, डालसा सचिव, कमलेश बेहरा, एलएडीसी चीफ, प्रवीण कुमार श्रीवास्तवा, डिपुटी, राजेश कुमार सिन्हा, सौरभ कुमार पांडेय, वीरेंद्र प्रताप, शिवानी सिंह, स्वीकृति विनया, कविता खाती, विधि के छात्र-छात्राएं मनीषा कुमारी, प्रिया दत्त, अनुपमा रानी, आध्या कश्यप, पल्लवी कुमारी, अनुष्का राज, प्रगति प्रसाद, डालसा, रांची के पीएलवी व कर्मचारी सहित नवगठित कानूनी सेवा युनिट के सदस्यों के साथ-साथ अन्य उपस्थित थे। दीप प्रज्वलन के पश्चात् माननीय न्यायायुक्त श्री दिवाकर पांडेय ने कहा कि मनोनयन कार्यक्रम वैसे लोगों को न्याय और सहायता प्रदान करना हैं, जो मानसिक रूप से विक्षिप्त है। माननीय नालसा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक रूप से बीमारी और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों को कानूनी सेवा प्रदान करना तथा उन्हें समुचित सहायता पहुचाना है। प्रथम सत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश -2, अतिरिक्त कुटुम्ब न्यायालय, राजेश कुमार सिंह ने उपस्थित सभी सदस्यों से मुखाबित हुए तथा उन्हें मानसिक बीमारी और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं योजना - 2024 सहित बच्चों से संबंधित विभिन्न कानूनी पहलुओं पर अपना मंतव्य रखा तथा प्रावधान के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया।

संक्षिप्त खबरें

बीएयू की बकरी शोध परियोजना के तहत 454 बकरियों का टीकाकरण

रांची/बिभा संवाददाता। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आईसीएआर के सहयोग से चल रही बकरी संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत पूर्वी सिंहभूम जिला के बाराबंकी में एन्टेरोटोक्सीमिया रोग से बचाव के लिए 454 बकरियों का टीकाकरण किया गया तथा किसान गोष्ठी में बकरीपालकों को

आधुनिक बकरी पालन की तकनीकी जानकारी दी गई। यह जानकारी देते हुए परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ नन्दनी कुमारी ने बताया कि बकरी क्षेत्र में विकास दर के मामले में देश में झारखंड पश्चिम बंगाल के बाद दूसरा प्रांत है। यहां पिछले 5 वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में लगभग 39% का विकास रहा। झारखंड में इस गतिविधि में ज्यादातर महिलाएं संलग्न हैं, जिन्हें इस सेक्टर के यथोचित विकास से आर्थिक रूप से ज्यादा सशक्त बनाया जा सकता है। पशु उत्पादन एवं प्रबंधन विशेषज्ञ तथा परियोजना के सह प्रधान अन्वेषक डॉ शैलेंद्र रजक ने किसान गोष्ठी एवं स्वास्थ्य शिविर का समन्वयन किया जिसमें 44 किसानों ने भाग लिया। उन्होंने बकरी पालकों को टीकाकरण के लाभ तथा एंटेरोटॉक्सेमिया के प्रकोप के बारे में जानकारी दी। पशु स्त्रैणिकी विशेषज्ञ डॉ दिलीप कुमार ने गर्भवती बकरियों की देखभाल तथा प्रसव संबंधी जानकारी दी। आयोजन में प्रमोद कुमार प्रमाणिक, मोहम्मद नईम तथा विनोद कुमार का भी सक्रिय सहयोग रहा।

अखिल भारतीय शौंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह कार्यक्रम की समीक्षा

रांची/बिभा संवाददाता। झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु ने बताया कि आज छत्तीसगढ़ प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिवरतन प्रसाद गुप्ता अपने संयुक्त सचिव आनंद प्रसाद गुप्ता, झारखंड प्रदेश शौंडिक

संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु के साथ सोमवार को रांची लालपुर स्थित होटल अप्सरा में एक भेंटवार्ता हुई जिसमें 11 जनवरी को रायपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय शौंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह के कार्यक्रम की पूरी तैयारी की समीक्षा कर झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ द्वारा पूर्व में किया गया राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह की सफल आयोजन के अनुभव का आदान प्रदान किया। प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु ने झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ द्वारा आयोजित सफल कार्यक्रम की तैयारी पर हर एक बिंदुओं पर सिलसिलेवार विस्तार से बताते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश शौंडिक संघ द्वारा रायपुर में होने वाली अखिल भारतीय शौंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह की तैयारी की समीक्षा करते हुए कहा कि चुकी हमारे पड़ोसी राज्य रायपुर छत्तीसगढ़ में कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है ये झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ का कर्तव्य बनता है कि कार्यक्रम की सफल आयोजन से पूरे सुंडी/ शौंडिक समाज गौरवान्वित एवं लाभान्वित होगा। रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय शौंडिक राष्ट्रीय सम्मेलन सह सम्मान समारोह की सफलता और वहां मौजूद प्रतिनिधियों के द्वारा पूरे राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर समाज के अंतिम छोर में बसे व्यक्ति तक एक साकारात्मक संदेश पहुंचेगा।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय कर्मी के निधन पर केशव महतो व कांग्रेस नेताओं ने दुःख व्यक्त किया

रांची/बिभा संवाददाता। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय कर्मी सागर राम के निधन पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश सहित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने दुःख व्यक्त किया। इस अवसर पर स्व. राम के पार्थिव शरीर पर कांग्रेस भवन में कांग्रेस का झंडा ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर कमलेश ने श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय

राम का जाना कांग्रेस के लिए क्षति है। 35 वर्षों तक अनवरत कांग्रेस की सेवा करने वाले निष्ठावान व्यक्ति की मृत्यु से हम सभी कांग्रेसजन व्यथित हैं। शोक संतप्त परिवार को ईश्वर इस दुखद घटना को सहने की शक्ति प्रदान करें।कांग्रेस के लिए कार्यालय में ही रहकर दिन-रात कार्य करते रहना स्वर्गीय राम की कर्मठता और कांग्रेस के प्रति उनकी अपार निष्ठा का परिचायक था। इस अवसर पर पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से जयप्रकाश गुप्ता, प्रदीप तुलस्यान, केएन त्रिपाठी, चंचल चटर्जी, सतीश पॉल मुजनी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

झारखंड रेडीमेड गारमेंट एसोसिएशन ने कॉन्क्लेव मीटिंग का आयोजन किया

रांची/बिभा संवाददाता। झारखंड रेडीमेड गारमेंट एसोसिएशन ने सफलतापूर्वक एक कॉन्क्लेव मीटिंग का आयोजन किया, जिसमें लगभग 34 डिस्ट्रीब्यूटर, एजेंट और गारमेंट उद्योग के हितधारक शामिल हुए। यह आयोजन 8 दिसंबर की शाम को होटल ले लैक सरोवर पोर्टिको में आयोजित किया गया

था, जिसका नेतृत्व इंटिमासिया के सीईओ यूसुफ दोहदवाल ने किया था। इस मीटिंग में झारखंड के व्यापारिक समुदाय को एकजुट करने और राज्य में बड़े पैमाने पर व्यवसाय से व्यवसाय और सहयोग के अवसरों की खोज पर चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि इंटिमासिया 24-26 फरवरी को दिल्ली के यशबूमि में दुनिया के सबसे बड़े बी2बी गारमेंट मेले का आयोजन करने जा रही है। इस आयोजन में प्रमुख भारतीय गारमेंट ब्रांड शामिल होंगे, और आयोजन के बारे में प्रतिभागियों को सूचित करने के लिए एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई थी। इस आयोजन की जानकारी जेआरजीए के अध्यक्ष, अभिताभ श्रीवास्तव ने मीडिया को दी।

गणित और विज्ञान के शिक्षक बनेंगे 'इनोवेशन चैंपियंस'

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के सरकारी स्कूलों के बच्चो को एसटीइएम के तकनीकों एवं नवीनतम शैक्षणिक उपकरणों का प्रयोग कर गणित एवं विज्ञान के प्रति उनकी रूचि विकसित करने के उद्देश्य से राज्य के विज्ञान एवं गणित शिक्षकों को एसटीइएम कार्यक्रम के तहत विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आइआरएसइ कार्यक्रम के चार स्ट्रैंड्स हैं और उनमें से एक 'टीचर डेवलपमेंट स्ट्रैंड' है, जिसके अन्तर्गत शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस परियोजना को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार), रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, ब्रिटिश काउंसिल, टाटा ट्रस्ट और टाटा टेक्नोलॉजीज द्वारा संचालित किया जा रहा है। आइआरएसइ कार्यक्रम के विभिन्न चरण हैं, जिसके प्रथम चरण में राज्य के चयनित शिक्षकों को 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात प्रथम चरण में प्रशिक्षित शिक्षकों में से कुछ शिक्षकों का चयन उनके कक्षा में की गयी गतिविधियों के आधार पर किया गया। दूसरे चरण के तहत अब चयनित शिक्षक 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के लिए भारतीय विज्ञान एवं शिक्षा अनुसंधान संस्थान (पुणे) जाएंगे। 10 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षकों को इनोवेशन चैंपियन के नाम से जाना जाएगा। उसके बाद तीसरा चरण शुरू होगा, जिसमे सभी इनोवेशन चैंपियन, आईआईएसईआर पुणे की सहायता से अपने संबन्धित जिले में दिवस आधारित कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी विद्यालयों को एक किट भी उपलब्ध कराया जाएगा, जो विद्यालय में गतिविधि कराने हेतु शिक्षकों के लिए काफी मददगार साबित होगा।

- आईआईएसईआर पुणे में मिलेगा विशेष प्रशिक्षण
- सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों में प्रयोगात्मक मानसिकता, नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में मिलेगी सहायता
- एसटीईएम के तकनीकों एवं नवीनतम शैक्षणिक उपकरणों का प्रयोग कर विद्यार्थियों में गणित एवं विज्ञान के प्रति रूचि विकसित करने के लिए चलाया जा रहा है आईआरएसई कार्यक्रम
- सरकारी स्कूलों के बच्चो के बीच इंस्पायर अवार्ड के लिए पंजीकरण को दिया जाएगा बढ़ावा
- आईआरएसई कार्यक्रम को आईआईएसईआर पुणे के सहयोग से कार्यान्वित करने वाला झारखंड देश का चौथा राज्य बना

वर्तमान में पांच जिलों के 74 शिक्षक चयनित

आइआरएसइ कार्यक्रम के अंतर्गत पांच जिलों के 74 शिक्षकों का प्रशिक्षण समाप्त हुआ। जिन पांच जिलों के शिक्षकों का चयन हुआ है उनमे गढवा, लातेहार, पलामू, गिरिडीह और हजारीबाग शामिल है। रांची में आयोजित इस कार्यशाला में चयनित शिक्षकों को राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक श्री शशि रंजन, निदेशक झारखण्ड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् और राज्य परियोजना अधिकारी श्री अभिनव कुमार का मार्गदर्शन मिला। इस कार्यशाला में आईआईएसईआर पुणे से राज्य समन्वयक शिवानी पल्स, अक्षय कुलकर्णी, वैष्णवी कुलकर्णी, जाहिदा शेख, शुभांगी वाघ और मोहम्मद तकी उपस्थित रहे। झारखंड बना चौथा राज्य, 'इंस्पायर अवार्ड' के लिए अधिक से अधिक पंजीकरण को मिलेगा बढ़ावा उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों और छात्रों में आलोचनात्मक सोच और प्रयोगात्मक मानसिकता को प्रोत्साहित कर नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ाना है।

पियरे फोरचर्ड अकेडमी ने दिया डॉक्टर अंशु साहू को फेलोशिप

बिभा संवाददाता

रांची। इंदौर के रेडिसन बलु होटल में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में पियरे फोरचर्ड अकेडमी की ओर से प्रोफेसर डॉक्टर अंशु साहू ऑर्थोडॉंटिस्ट को फेलोशिप प्रदान किया गया। यह सम्मान इस बार पूर्वी भारत के कुल 8 लोगो को दिया गया है। जिसमे 5 झारखंड के और 3 बिहार से थे। पियरे फोरचर्ड अकेडमी हर साल एक दीक्षांत समारोह और पुरस्कार समारोह का आयोजन कर दंत चिकित्सा पेशे में उनके योगदान के लिए योग्यता के आधार पर देश के योग्य दंत चिकित्सा पेशेवरों को एक फेलोशिप देता है। ज्ञात हो कि 1936 में स्थापित, पियरे फौचर्ड अकादमी एक अंतरराष्ट्रीय दंत चिकित्सा सम्मान संगठन है, जिसने दुनिया भर में 7000 से अधिक फेलो हैं। डॉक्टर अंशु साहू 22 साल से झारखंड में दंत चिकित्सा के आधुनिक, वैज्ञानिक उपचार प्रदान कर रहे हैं। साथ ही सकारात्मक सामाजिक गतिविधियां, और विभिन्न संस्थानों में भाषण -व्याख्यान देने का ख्याति प्राप्त है। देश विदेश के प्रसिद्ध दंत चिकित्सकों - संस्थानों ने डॉक्टर अंशु साहू को विभिन्न पुरस्कार से सम्मानित किया है। ज्ञात हो की डॉक्टर साहू के परिवार में अनेक डाक्टर्ज और सर्जन हैं जो कई देश में कार्यरत हैं। इनके पूर्वजों ने राँची का पहला नर्सिंग होम शुरू किया जो आज भी मानव सेवा परम धरम मानते हैं। इस उपलब्धि पर अखिल भारतीय शौण्डिक संघ, झारखंड प्रदेश शौण्डिक संघ, पंचपरगना सूंड़ी संघ झारखंड, छतीसगढ़ सूंड़ी समाज, सहित देश के और कई राज्यों के सामाजिक संगठनों ने डॉ अंशु साहू को मिल रहे सम्मान के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी है।

हर पंचायत में प्रज्ञा केंद्र का नियमित संचालन सुनिश्चित करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में सोमवार को ज़िला के सभी मुखियागण के साथ ऑनलाइन समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में अयोजित बैठक में सभी मुखिया से पंचायत भवन में मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए उपायुक्त द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने ज़िला के सभी प्रखंडों के पंचायत भवन में मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई। पीने का पानी, बिजली, जेनरेटर, कंप्यूटर, इंटरनेट, भवन की स्थिति, शौचालय, प्रज्ञा केंद्र, पहुंच पथ आदि की जानकारी लेते हुए उपायुक्त द्वारा सभी मुखियागण को संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं पंचायत सचिव से समन्वय स्थापित करते हुए 31 दिसंबर 2024 तक व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा गया।

हर पंचायत में प्रज्ञा केंद्र का संचालन सुनिश्चित करें- उपायुक्त बैठक के दौरान उपायुक्त, मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं एवं अन्य सेवाओं के लिए लोगों को प्रखंड/अंचल कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े इसलिये सभी पंचायत भवन में सुविधा उपलब्ध करायें। सभी पंचायतों में प्रज्ञा केंद्र एवं इंटरनेट की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि हर पंचायत में प्रज्ञा केंद्र का नियमित संचालन सुनिश्चित करें। उपायुक्त द्वारा बीएसएनएल के स्थानीय प्रबंधक से समन्वय स्थापित करते हुए शैडो एरिया में आने वाले पंचायतों में इंटरनेट की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश ज़िला पंचायती राज पदाधिकारी को दिया गया।

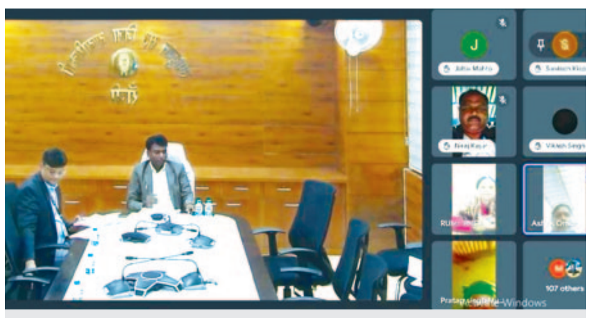

पंचायत का होगा औचक निरीक्षण, बेस्ट पंचायत को किया जाएगा सम्मानित

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि उनके द्वारा ज़िला के पंचायतों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही पंचायत भवन में व्यवस्था एवं संचालन के मानक के आधार पर हर प्रखंड के साथ-साथ जिला के सर्वोत्तम पंचायत को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। पंचायत के सुदृढ़ीकरण के लिए उपायुक्त द्वारा सभी मुखियागणों से प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने को कहा गया।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज, हो रही है बारिश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में सोमवार को मौसम का मिजाज बदल गया है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह रांची सहित प्रदेश भर के कई इलाकों में हल्की बारिश हो रही है। वहीं, कई इलाकों में बारिश की संभावना है।

रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि सोमवार को उत्तर-पश्चिमी झारखंड को छोड़कर प्रदेश के बाकी हिस्सों में बारिश के आसार हैं। विभाग ने गढ़वा, लातेहार, पलामू और चतरा में वज्रपात होने की संभावना जतायी है। इसको लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को भी अधिकतर समय बादल छाये हुए रहेंगे। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 12 डिग्री के आसपास होगा। सुबह-सुबह हल्का कोहरा रहेगा। हालांकि, मौसम विभाग ने कहा है कि 11 दिसंबर को मौसम साफ रहेगा। 10 दिसंबर को रांची सहित झारखंड के सभी जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ने वाली है।

बंगाल की खाड़ी में बने पश्चिमी विक्षोभ की वजह से एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन तैयार हुआ है। इसके असर से राजधानी रांची सहित कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। अब तापमान गिरेगा और कड़ाके की ठंड पड़ेगी।

इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने सोमवार को बताया कि मौसम में हो रहे बदलाव की वजह से ठंड में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक रविवार देर रात से लेकर सोमवार तक झारखंड के कई जिलों में बारिश हुई। गढ़वा जिले में रात में हल्की बारिश हुई। पलामू में अहले सुबह करीब तीन बजे से हल्की बारिश शुरू हुई, जो सुबह 5:15 बजे तक होती रही।

बैंक्वेट हॉल/विवाह भवन के संचालकों की बैठक

रांची। रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत स्थित बैंक्वेट हॉल/विवाह भवन से विवाह एवं अन्य समारोह में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग रात में किये जाने पर आमजनों को होने वाले परेशानियों को देखते हुए बैंक्वेट हॉल/विवाह भवन के संचालकों की एक बैठक आहूत की गई। बैठक में सभी बैंक्वेट हॉल / विवाह भवन को स्पष्ट निदेश दिया गया कि राज्य में लाउडस्पीकर एवं बैंड का उपयोग के संबंध में लागू प्रिवैलिंग अधिनियम के आलोक में लाउडस्पीकर एवं बैंड का उपयोग करना सुनिश्चित करेंगे। आवासीय क्षेत्र में ध्वनि की सीमा निर्धारित है एवं रात्रि 10.00 बजे से सुबह 6.00 तक इसे बजाना कानूनन प्रतिबंधित है। रात्रि 10.00 बजे के पश्चात लाउडस्पीकर/बैंड का उपयोग करने पर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में आमजनों को भी सूचित किया गया कि लाउडस्पीकर/बैंड से किसी प्रकार की समस्या होने पर 112 में डायल कर अपना शिकायत दर्ज किया जा सकता है।

24वी सब जूनियर नेशनल वुशु प्रतियोगिता सम्पन्न, झारखण्ड को 4 पदक

रांची। पंजाब के होशियारपुर - तरण तारण में चल रहें प्रतियोगिता में भाग लेकर झारखण्ड दल वापस लौट गया। यह प्रतियोगिता दिनांक 2 से 6 दिसंबर 2024 तक आयोजित हुई थी। झारखण्ड के सब जूनियर खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में चार कांस्य पदक जीते। झारखण्ड के गौरव कुमार ने 48 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक, प्राची कुमारी, सौम्या कुमारी और अर्पिता सिंह ने ताऊलु प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक जीते। झारखण्ड के खिलाड़ियों की इस सफलता पर झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ प्रदीप वर्मा (राज्य सभा सांसद)सहित डॉ कविता सिंह, मिथलेश साहू, डॉ अंशु साहू.चंचल भट्टाचार्य, कुमुद प्रसाद साहू, उदय साहू, शैलेन्द्र कुमार, मनोज कुमार महतो, मनोज साहू, शशिकांत पांडे, रज़ि अहमद, गोकुलनंद मिश्रा, वाहिद अली आदि ने बधाईया दी है।

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सरकार की मंशा नहीं : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभाग, जिनसे राज्य की नींव मजबूत होनी चाहिए, अब भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़े होकर भ्रष्टाचार का गढ़ बन गए हैं। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को पोस्ट में लिखा है कि सिर्फ 2024 में अब तक 39 अधिकारियों को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। ईडी ने 2024 में 39.28 करोड़ रुपये नकद जब्त किए, जो 2022 के आंकड़े से लगभग दोगुना है। यह स्थिति सरकार और प्रशासन की नाकामी को उजागर करती है। बार-बार रिश्वत में पकड़े जाने वाले कर्मचारियों पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं करना दर्शाता है कि

भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सरकार की मंशा ही नहीं है। यह कितना शर्मनाक है कि जिन विभागों का कार्य आम जनता को राहत देना है, वे जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने में लगे हैं। सरकार की लचर नीतियां और कमजोर व्यवस्था ने भ्रष्टाचारियों को खुली छूट दे रखी है। ऐसे में झारखंड का विकास एक सपना बनकर रह गया है।

झारखंड स्कॉय टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान, जीते 02 कांस्य पदक

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड स्कॉय टीम ने 07 से 09 दिसंबर तक आयोजित 25वीं कैडेट, सब-जूनियर एवं जूनियर स्कॉय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 02 कांस्य पदक अपने नाम किए। विदित हो कि झारखंड के पदक विजेता खिलाड़ी पहली बार राष्ट्रीय स्कॉय प्रतियोगिता में भाग लिए थे। पूर्वी सिंहभूम की चुमकी मुर्मू ने कैडेट कैटेगरी के अंडर 30 किलो भार वर्ग में और सिमडेगा की एलिन डांग ने सब-जूनियर कैटेगरी के अंडर 37 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर झारखंड को गौरवान्वित किया। ये दोनों खिलाड़ी झारखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहीं। झारखंड स्कॉय टीम की इस सफलता पर स्कॉय एसोसिएशन ऑफ झारखंड के डॉ. राजेश गुप्ता,

वेदांत कौस्तव, नीतीश सिंह, लाल मनीष नाथ शाहदेव, परवाज खान, मो. आमिर, रफिया नाज, रोहित यादव, नीरज वर्मा, ज्योत्सना केरकेट्टा, कीर्ति कुमार, अभिषेक झा, अंशुतोष कुमार, प्रशांत पाठक, और अभिषेक शुक्ला समेत कई पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी। वेदांत कौस्तव ने कहा, ₹चुमकी और एलिन की इस उपलब्धि से राज्य के अन्य खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। यह झारखंड की प्रतिभाओं का प्रमाण है, जिन्होंने अपने कठिन परिश्रम और लगन से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। झारखंड स्कॉय टीम के सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने इस सफलता को टीम वर्क और लगातार प्रयास का परिणाम बताया। स्कॉय एसोसिएशन ऑफ झारखंड ने भविष्य में राज्य के खिलाड़ियों को और बेहतर मंच देने का संकल्प लिया है।

मानवाधिकार दिवस अधिकारों का संरक्षण और संवर्धनः संजय सर्राफ

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता सह रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ ने कहा है कि मानवाधिकार दिवस हर वर्ष 10 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिवस मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने, उनके उल्लंघन के खिलाफ संघर्ष करने और मानवाधिकारों की रक्षा करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। मानवाधिकार उन मौलिक अधिकारों को कहते हैं जो प्रत्येक व्यक्ति को जन्म से ही प्राप्त होते हैं, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, भाषा या राष्ट्रीयता का हो। इनमें जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, श्रम का अधिकार, और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे महत्वपूर्ण अधिकार शामिल हैं। मानवाधिकारों का उल्लंघन न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता को खतरे में डालता है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास को भी बाधित करता है। 1948 में संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के बुनियादी अधिकारों को सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया। यह घोषणा एक अंतर्राष्ट्रीय मानक के रूप में सामने आई, जो दुनियाभर में मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए एक रोडमैप बनी। इस घोषणा में 30 अनुच्छेदों में विभिन्न प्रकार के अधिकारों का वर्णन किया गया है, जैसे कि जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, और शरण का अधिकार। मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विभिन्न संगठनों और देशों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन अधिकारों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करना होता है। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि मानवाधिकारों का संरक्षण और उनका उल्लंघन रोकना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। आज के समय में जब दुनिया भर में असमानताएँ, संघर्ष, और उत्पीड़न की स्थितियाँ उत्पन्न हो रही हैं, मानवाधिकारों की रक्षा और संरक्षण पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। हिंसा, शोषण, भेदभाव, और उत्पीड़न की घटनाएँ आज भी हमारे समाज में व्याप्त हैं, और इन पर रोक लगाना हमारे सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करता है। आजकल के डिजिटल युग में, सूचना की स्वतंत्रता, गोपनीयता और डिजिटल अधिकारों का उल्लंघन भी एक प्रमुख चिंता का विषय बन गया है। साइबर हमलों, डेटा चुराने और ऑनलाइन उत्पीड़न के कारण लोगों के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जिसके खिलाफ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। मानवाधिकार दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम समाज में समानता, न्याय और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए क्या कर सकते हैं। यह दिन हमें अपने कर्तव्यों का पालन करने, दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने और किसी भी प्रकार के भेदभाव या असमानता के खिलाफ खड़े होने का प्रेरणा देता है। केवल तभी हम एक समान और न्यायपूर्ण समाज की ओर कदम बढ़ा सकते हैं, जहाँ सभी को उनके अधिकार पूरी तरह से प्राप्त हों। मानवाधिकार किसी एक देश या समाज की नहीं, बल्कि समूची मानवता की समस्या है। जब तक दुनिया भर में हर व्यक्ति को उसके अधिकार नहीं मिलते, तब तक यह दिवस हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा और हमें सशक्त बनाएगा ताकि हम मानवाधिकारों की रक्षा और संवर्धन के लिए हर संभव प्रयास करें। यही असली उद्देश्य है मानवाधिकार दिवस का हर व्यक्ति को स्वतंत्रता, समानता, और न्याय का अधिकार प्रदान करना।

विश्व मानवाधिकार दिवस आज

अवैध रेलवे ई-टिकट बेचने के मामले में एक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन उपलब्ध के तहत रेलवे ई-टिकट के अवैध व्यवसाय पर कार्रवाई की है।

आरपीएफ के उपनिरीक्षक सूरज पांडे ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ ने पुंदाग ओपी पुलिस की सहायता से पुंदाग रोड के छोटी मस्जिद के समीप वसीर कॉम्प्लेक्स स्थित अरिशा कंप्यूटर सेवा नामक किराए की दुकान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दुकान की जांच करने पर 15 पास किये गए ई-टिकट बरामद किए गए, जो दो पर्सनल यूजर आईडी से बनाए गए थे। इन टिकटों की कुल कीमत 43 हजार 822 थी। पूछताछ में

आरोपित ने स्वीकार किया कि वह व्यक्तिगत लाभ के लिए इन आईडी का उपयोग कर रेलवे ई-टिकट बना रहा था और प्रत्येक टिकट पर यात्रियों से वास्तविक किराए के अतिरिक्त 50 रुपये लेता था। आरोपित दुकानदार जावेद अख्तर को रेलवे एक्ट की धारा 179(2) के तहत गिरफ्तार किया गया और धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम स्कूल के 9 खिलाड़ी एसजीएफआई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में परचम लहराने को तैयार

बोकारो(बिभा) : एम जी एम स्कूल बोकारो के पांच खिलाड़ी एस जी एफ आई राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में परचम लहराने को तैयार है पिछले दिनों 2 अक्टूबर को खेलगांव रांची में हुए राज्य स्तरीय खुली चयन प्रक्रिया के दौरान उनका चयन एस जी एफ आई अंडर-19 राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए हुआ है स्कूल के जूडो प्रशिक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 17 दिसंबर तक लुधियाना पंजाब में होगा उन्होंने कहा कि बोकारो से एस जी एफ आई अंडर-19 राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए बोकारो से कुल 9 खिलाड़ियों का चयन हुआ है जिसमें पांच खिलाड़ी एमजीएम स्कूल के है जिनके नाम है साक्षी श्रीवास्तव एवं प्राची कुमारी दोनों 12वीं कक्षा की छात्रा है,राजवीर सिंह एवं जयंत कुमार दोनों दसवीं कक्षा के छात्र है तथा प्रियदर्शनी सिंह सातवीं कक्षा की छात्रा है इन जूडो खिलाड़ियों के चयन पर स्कूल के प्राचार्य फादर डॉक्टर जोशी वर्गीस खुशी जताते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं भेंट की साथ ही साथ स्कूल के उप प्राचार्य श्रीमती रेखा बनर्जी, एकेडमिक डायरेक्टर जॉर्ज जोसेफ,हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी के साथ स्कूल के अन्य खेल शिक्षकों में श्री राजेश्वर सिंह,मीनाक्षी कुमारी, सौरभ कुमार एवं वंदना कुमारी ने खिलाड़ी छात्रों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में सोनिया गांधी का 78वां जन्मदिन मनाया गया

बोकारो(बिभा) : जिला कांग्रेस कार्यालय दुदीबाग में बोकारो कांग्रेस कार्यकताओं ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में नारी शक्ति की सशक्त आवाज पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, कांग्रेस संसदीय दल के चेयरपर्सन आदरणीय श्रीमति सोनिया गाँधी जी का 78 वा जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। कार्यकताओं ने केक काटकर और मिष्ठान वितरण कर उन्हें बधाई दिया। इस अवसर पर सैकड़ो असहाय, जरूरतमंदों लोगों के बीच कम्बल वितरण कर उनके दीघार्यु की कामना किया गया। मौके पर श्री गुप्ता ने सहृदय ईश्वर से कामना करते हुए कहा कि त्याग की प्रतिमूर्ति,नारी शक्ति की सशक्त आवाज, कांग्रेस संसदीय दल के चेयरपर्सन आदरणीय श्रीमति सोनिया गाँधी जी आप स्वस्थ रहे,दीघार्यु हो हम सभी का मार्गदर्शन बने रहे।इस मौके पर अशोक मिश्रा,कमरुल हसन,प्रेम पासवान, जीतेन्द्र यादव,नजीर अहमद, रेनू देवी आदि लोग मौजूद रहे।

सरकारी स्कूल से सेवानिवृत शिक्षकों का जनवरी में होगा सम्मान समारोह

बोकारो(बिभा) : जिला प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक सोमवार को प्रधान सचिव गौतम कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई । जिसमें सरकारी स्कूल से सेवा निवृत हुए शिक्षक व शिक्षिकाओं का सम्मान समारोह का आयोजन जनवरी माह में करने का निर्णय लिया गया। ग्रेड4 ग्रेड 3 और ग्रेड 7 में प्रोन्नति के लिए शिक्षक संघ का प्रतिनिधि जिला शिक्षा अधीक्षक व उपायुक्त बोकारो से मिलकर वार्ता करेंगे। जिले के सभी नवनिर्वाचित विधायकों का स्वागत उनके कार्यालय में जाकर संघ के सदस्यों की ओर से की जाएगी । सेवानिवृत शिक्षकों का पेंशन आदि का भुगतान कैंप लगाकर करने को लेकर वार्ता करने का निर्णय लिया गया। एसएमसी व एमडीएम का ऑडिट जिला स्तर पर ऑडिटर का कार्यक्रम बनाकर करने का निर्णय लिया गया। बैठक में गौतम कुमार सिंह के अलावा नंदकुमार रविदास ,दिनेश कुमार ,नरेश प्रसाद ,राधा मोहन सिंह, धनंजय सिंह, कामता रविदास ,अशोक कुमार राम ,मधुसूदन राम ,मनोज कुमार ,सुमित शिक्षक शामिल रहे।

महिला और उसकी नाबालिग बेटी को जूते की माला पहनाकर कॉलोनी में घुमाया, मामला दर्ज

बोकारो(बिभा) : गोमिया थाना क्षेत्र के स्वांग महावीर स्थान कॉलोनी में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है. रविवार की शाम को कॉलोनी के कुछ लोगों ने एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी को जूते की माला पहनाकर कॉलोनी में घुमाया. इस अमानवीय व्यवहार से आहत पीड़िता और उसकी बेटी ने अपना घर छोड़ दिया था. सोमवार को पीड़ित मां-बेटी गोमिया थाना पहुंचीं और आठ नामजद समेत 10-12 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है. महिला ने अपनी लिखित शिकायत में बताया कि आरोपियों ने झूठे आरोप लगाकर उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया. जब कॉलोनी के कुछ लोगों ने इस घटना का विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की. इस संबंध में गोमिया थाना प्रभारी नित्यानंद भोगता ने बताया कि इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है.आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा.

डुमरी विधायक ने विस में एंट्री से पहले टेका मत्था

विधानसभा में प्रवेश करने के वक्त भी उनके पाँव में चप्पल नहीं था

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड के सबसे युवा विधायक और युवाओं के दिल में अपनी जगह बनाने वाले टाइगर जयराम महतो बिना चप्पल-जूता पहने खाली पैर ही आज विधानसभा पहुंचे। अपने जबरदस्त अंदाज में मत्था टेकर सदन के प्रवेश द्वार को प्रमाण किया। मत्था टेकने के बाद ही जयराम महतो विधानसभा के अंदर घुसे। विधानसभा में प्रवेश करने के वक्त भी उनके पाँव में चप्पल नहीं था।

झारखंड के सबसे गरीब विधायक रहे जयराम महतो ने से समर्थकों को उम्मीद है कि वो अपने वादे के मुताबिक युवाओं की आवाज, रोजगार, स्थानीय नीति और झारखंड के हित के मुद्दे को भी जोर-शोर से उठाएंगे।

जयराम महतो आक्रमक भाषण शैली के कारण युवाओं में लोकप्रिय

लोकसभा और विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान गाड़ी के बोनट पर खड़े होकर भाषण देने वाले जयराम महतो आम युवाओं की तरह जींस और टी-शर्ट पहनते हैं। आक्रमक भाषण शैली के कारण युवाओं में खासे लोकप्रिय जयराम महतो विधायक के रूप में शपथ लेने के लिए सोमवार को विधानसभा भी उसी अंदाज में पहुंचे।

बचपन से अब तक का पूरा जीवन संघर्षों में बीता

झारखंड में 81 निर्वाचित विधायकों में जयराम महतो की संपत्ति सबसे कम है। वो खुद भी बताते हैं कि उनका जीवन संघर्षों भरा रहा है। जयराम महतो का संघर्ष मां के गर्भ से ही शुरू हो चुका था और जन्म के कुछ ही दिनों पर अंधविश्वास के कारण नानी उन्हें अपने साथ ले गईं। वो अपनी मां का दूध भी पी नहीं सके। जयराम बताते हैं कि उनके जन्म के पहले उनके दो बड़े भाईयों की जन्म के कुछ दिनों बाद हो गई थी, जिसके बाद गांव-घर के लोगों का मानना था कि जिस घर में वो रहते थे, उस घर में जरूर किसी न किसी का साया है, इसी कारण बच्चे की मौत हो रही है। इसी कारण जन्म के बाद नानी उन्हें अपने साथ ले गईं।

जेएलकेएम पार्टी से बीजेपी-आजसू को झटका

30 वर्षीय जयराम महतो ने पिछले कुछ दिनों में झारखंड की राजनीति में खलबली मचा रखी है। विधानसभा चुनाव परिणाम 2024 के बाद जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम ने सिर्फ एक सीट हासिल की, लेकिन उनकी पार्टी ने सबसे अधिक 71 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर करीब 12 लाख वोट हासिल किए। जयराम महतो की पार्टी के वोट के कारण ही बीजेपी और आजसू पार्टी समेत कई अन्य उम्मीदवारों का सियासी गणित गड़बड़ा गया। जेएलकेएम उम्मीदवारों के कारण बीजेपी को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

बोकारो विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक श्वेता सिंह ने झारखंड विधानसभा में ली शपथ

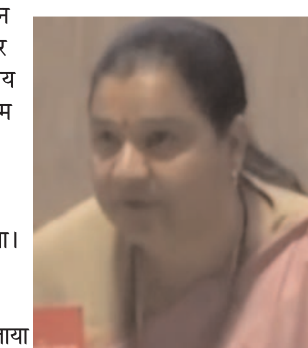

बोकारो : प्रथम सत्र के विधान सभा प्रारम्भ होने के अवसर पर झारखंड विधान सभा में माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं प्रोटेम स्पीकर प्रो० स्टीफन मरांडी के समक्ष बोकारो विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने शपथ ग्रहण किया। इस अवसर पर श्रीमती सिंह ने बोकारो विधानसभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता का आभार जताया और कहा कि जिस प्रकार आप सभी ने मिलकर मुझे सदन में पहुंचाया है मैं आजीवन यह प्रेम भूल नहीं सकती हूं और इसके लिए मैं ऋणी रहूंगी। मेरी प्राथमिकता हमेशा बोकारो परिवार के सुरक्षा और विकाश के प्रति समर्पित है। मुझे मेरे श्वसुर स्वर्गीय समरेश सिंह दादा से जन सेवा का संस्कार मिला है जिसे मैं बखूबी निभाने का प्रयास करूंगी।

चास नगर निगम क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था होगी दुरुस्तः अपर नगर आयुक्त

बिभा संवाददाता

बोकारो : नगर निगम कार्यालय के सभागार में अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार अध्यक्षता में नगर निगम के पदाधिकारी व कर्मियों के बीच शहर की बिजली व्यवस्था से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई । साथ ही बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने तथा शहर के स्ट्रीट लाइट को ठीक करने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। इसके लिए खराब पड़े बंद लाइटों की सूची उनकी मरम्मती तथा बेकार पड़े लाइटों के जगह नए लाइट लगाने का भी निर्देश दिया गया। स्ट्रीट लाइट से संबंधित एजेंसी को उसके रख - रखाव को दुरुस्त करने तथा तकनीति समस्या को अविलंब दूर करने का भी निर्देश जारी किया। अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार ने शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु निरंतर अभियान चलाने का निर्देश दिया है। इस संबंध में उन्होंने कहा कि शहरवासियों को अतिक्रमण मुक्त करना हमारी प्राथमिकता ही नहीं बल्कि हमारी जवाबदेही भी है और इसे निरंतर चलाना होगा । साथ ही शहर वासियों से अपील भी किया है कि शहर को स्वच्छ तथा कचरा मुक्त कराने हेतु वह उनका सहयोग करें । इस दौरान सहायक नगर आयुक्त सुश्री प्रियंका कुमारी, श्री जयपाल सिंह मुंडा, स्ट्रीट लाइट से जुड़े संबंधित अधिकारी नगर प्रबंधक, नगर मिशन प्रबंधक तथा अन्य सभी कर्मी मौजूद थे।

जांच अभियान में छह वाहनों से वसूला गया 49,500 जुर्माना

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः जिले के बहरागोड़ा एवं बरसोल में सोमवार को ओवर लोडिंग वाहनों के खिलाफ चलाए गए जांच अभियान में छह वाहनों से 49, 500 जुमार्ना वसूला गया जबकि एक बस को जब्त कर थाने को सौंप दिया गया. जांच अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय ने किया. अभियान में जिला मोटर यान निरीक्षक सूरज हेंब्रम भी शामिल थे.

जिला प्रशासन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार उपायुक्त अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार ओवर लोडिंग बसों के खिलाफ जांच अभियान चलाया गया. इस दौरान ओवरलोडिंग और वाहनों के कागजातों की जांच की गयी. इस दौरान 28 वाहनों के कागजातों की जांच-पड़ताल में एक वाहन का टैक्स बकाया होने पर जब्त किया गया. जब्त बस को थाने को सौंप दिया गया. जबकि छह बसों से लगभग 49, 500 जुमार्ना वसूला गया. जांच के दौरान ओवरलोडिंग के अलावा वाहनों के फिटनेस परमिट, इंश्योरेंस, प्रदूषण, टैक्स आदि कागजातों की सघनता से जांच की गई.

मोटर यान निरीक्षक हेंब्रम ने 12 बजे से 5 बजे तक अभियान चला उन बसों को पकड़ा जिनके छत पर यात्री बैठे हुए थे और काफी सामान लदा हुआ था. सड़क सुरक्षा को देखते हुए जिला परिवहन विभाग की ओर से यह अभियान चलाया गया.

डीएवी-6 में डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स विजेता खिलाडियों को किया गया सम्मानित

बॉक्सिंग में आयुष कुमार साहू ने स्वर्ण जीतकर कीर्तिमान स्थापित की

बिभा संवाददाता

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर -6 बोकारो के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नई दिल्ली में आयोजित डी ए वी नेशनल स्पोर्ट्स में कई पदक जीत कर विद्यालय का नाम रौशन किया। विद्यालय के प्रार्थना सभा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। डी ए वी 6 के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक, तीन रजत पदक और पाँच कांस्य पदक सहित कुल मिलाकर 9 पदक प्राप्त किए। आयुष कुमार साहू बॉक्सिंग में बालक वर्ग से अंडर -17 स्वर्ण पदक प्राप्त कर कृतिमान स्थापित किया। पुनः मनीष कुमार अंडर -17 रजत पदक, निशांत कुमार 15 कांस्य पदक प्राप्त किया,वहीं जुडो में बालिका वर्ग से निकिता सोरेन ने अंडर -14 में कांस्य पदक जीत कर विद्यालय का मान बढ़ाया। बालक वर्ग हैंड बॉल अंडर -19 में अभय कुमार सिंह,श्रेयांश परासर ने रजत पदक प्राप्त किया , खो -खो अंडर -17 में रौशन कुमार, मोहम्मद आतिफ व रोहित यादव ने कांस्य पदक जीता। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अनुराधा सिंह ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आज विद्यालय के बच्चे पढ़ाई के साथ -साथ खेल कूद में भी उत्तम प्रदर्शन कर रहे है। प्राचार्या ने खेल -कूद के महत्त्व को बताते हुए कहा कि खेल से नेतृत्व क्षमता सहयोग और अनुशासन की भावना का विकास होता है साथ ही भविष्य में भी सुनहरा अवसर प्राप्त कर सकते है। यह हमारे लिए बड़े ही गर्व की बात है कि हमारे विद्यार्थी पढ़ाई के साथ- साथ खेल -कूद में भी अपनी प्रतिभा की चमक दिखा रहे है। इस विजयी यात्रा में खिलाड़ियों की कठिन मेहनत के साथ ही कोच व अभिभावक गण का पूर्णतः सहयोग रहा है। इसी पुनीत अवसर पर सभी कक्षाओं के विशेष चयनित 'विद्यार्थियों को 'स्टूडेंट ऑफ द वीक ' बैच भी प्रदान किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिए विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस मौके पर सभी शिक्षक -शिक्षिकाएँ उपस्थित थे।

बायोमेट्रिक के लिए धन्यवाद लेकिन मेडिकल के लिए जारी रहेगा आन्दोलन : बीके चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो : इस्पातकमीर्यों एवं ठेकाकमीर्यों के ज्वलंत समस्याओं के लिए प्लांट मे चलाए जा रहे जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज पाँचवें दिन ब्लास्ट फर्नेस कैन्टीन रेस्ट रूम मे आज मजदूरों की अहम बैठक हुई जिसमे काफी संख्या मे मजदूरों ने भाग लेते हुए एन जे सी एस नेता एवं प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया ।अध्यक्षता बिभाग के युनियन नेता रमा रवानी ने किया जबकि संचालन संयुक्त महामंत्री एन के सिंह ने किया ।मुख्य बक्ता झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री ने अपने संबोधन मे कहा कि प्लांट के उत्पादन और मुनाफा मे 90% भागीदारी आज ठेकाकमीर्यों का है बाबजूद प्रबंधन और एन जे सी एस के नेताओं के द्वारा यह लगातार प्रताड़ित हो रहा है ।जय झारखंड मजदूर समाज लगातार मजदूरों के ज्वलंत समस्याओं को लेकर 360 दिन मजदूरों के साथ मिलकर आन्दोलन करता रहा है जिसमे दस लाख का ग्रुप इनस्योरेंस और बायोमेट्रिक सिस्टम से हाजरी बनबाना प्रमुख मांगो मे से दो था जिसे प्रबंधन ने कर दिखाया जिसके लिए हमारी युनियन ने इसके लिए प्रबंधन को धन्यवाद और बधाई भी प्रेषित कर चूका है लेकिन 39 महिने का एरियर,,युनियन चूनाव, संबिदा मे 75% स्थानीय को रोजगार, मेडिकल जांच मे हो रहे अत्यधिक बिलम्व, रात्री पाली भत्ता,साईकिल भत्ता,केन्टीन भत्ता जैसा अहम मांगे पर प्रबंधन के द्वारा टाल मटोल के निति के खिलाफ आन्दोलन तब तक चलता रहेगा जब तक समाधान नही हो जाता । कार्यक्रम मे मुख्य रूप से रमा रबानी, लाल बाबू भारती,संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, एस के सिंह, अनिल कुमार, जे रजबार, सी के एस मुण्डा,आशिक अंसारी,राजेन्द्र प्रसाद, बादल कोयरी,आई अहमद, ए डब्लू ए अंसारी,दिबाकर कुमार, आर के मिश्रा, कान्ता रजवार, मुम्ताज आंसारी, सत्यनारायण, सनातन महतो, सीताराम मांझी, रमचन्दर, महेश, मनोज, प्रदीप, सरोज, ज्ञानी, अनिल, धर्मेन्द्र, कैलाश, हिरा लाल, मुन्नी लाल, ललिता, पंकज, अखिलेश, कलावती, मलिक, लालचंद इत्यादि उपस्थित थे।

तम्बाकू में पाया जाने वाला रसायनिक आने वाली पीढी को बर्बाद कर सकता है: मनोज कुमार

बच्चे ऐसी जगहों से बचें जहां लोग धुम्रपान करते हैं क्योंकि पैसिव स्मोकिंग और भी ज्यादा नुकसान कर सकता है: जिला परामर्शी

बिभा संवाददाता

बोकारो : केन्द्रीय विद्यालय-1 बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य श्री मनोज कुमार के द्वारा की गई। जिला परामर्शी मो0 असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधी परिणाम,रीूड्ढ्ल्लि ल्लि रेड्ढी व उससे होने वाले नुकसान, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोडने के उपाय, परामर्शी सेवा लेने की सुविधा, टाल फ्री नम्बर 1800-11-2356 एवं तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के मुख्य बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला परामर्शी के अनुसार झारखण्ड के अन्दर 38.9 प्रतिशत लोग तम्बाकू का उपयोग किसी न किसी रूप में करते है जिसमें 59.7 प्रतिशत पुरूष, 17 प्रतिशत महिलायें एवं ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे -2019, -4 के अनुसार 5.1 प्रतिशत बच्चे ऐसे है जो सिर्फ 13-15 आयु में तम्बाकू का उपयोग करना शुरू कर देते है।

स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों को बताया तम्बाकू का नशा एक सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है इसको हमारे देश में करोड लोग इस्तेमाल करते है इनमें कमी लाने के लिये हम सबको आगे आना होगा नही तो तम्बाकू में पाया जाने वाला निकोटीन, कार्बन मोनोआक्साईड, टार, बेंजीन आदि रसायनिक गैसें भी हमारे आने वाले पीढी को कितना नुकसान कर सकते है आप अन्दाजा नही लगा सकते। ऐसे में हम सभी से अनुरोध करना चाहते है कि यदि आप तम्बाकू का उपयोग करते है तो तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र से सम्पर्क कर तम्बाकू छोड कर तम्बाकू मुक्त समाज का निर्माण करें और बच्चों से अनुरोध है कि यदि आपके माता पिता भी इसका उपयोग करते है तो उन्हें भी तम्बाकू के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दे।

कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य श्री मनोज कुमार, जिला परामर्शी मो0 असलम तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत दो घायल, घटना के विरोध में एनएच रहा जाम

बिभा संवाददाता

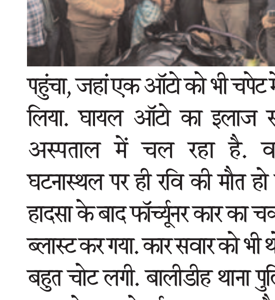

बाकारो : बालीडीह सड़क दुघर्टना में 26 वर्षीय रवि वर्णवाल की मौत हो गई. घटना सोमवार सुबह करीब 9 बजे की है, मृतक रवि वर्णवाल बालीडीह नरकरा क्षेत्र स्थित एनएच 23 किनारे निवासी अशोक वर्णवाल का बड़ा पुत्र था. मौत से नाराज मृतक के परिजनों व स्वजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर एनएच 23 जाम कर दिया. फोरलेन की दोनों सड़कों पर वाहनों की कतार लग गई. बालीडीह थाना पुलिस सड़क जाम पर बैठे परिजनों को समझने का प्रयास करते रहे.

बताया जाता है कि रवि वर्णवाल बियाडा क्षेत्र स्थित एक कंपनी में काम करता था. अपनी अपाची बाइक (जेएच 09 बीऐ 4120) से ड्यूटी जा रहा था, कि एनएच 23 पर पीछे जैनामोड़ की ओर से तेज रफ्तार से आ रही फोर्च्यून (जेएच 10 ऐएम 1000) कार ने बालीडीह पेट्रोल पंप के निकट, उसे अपनी चपेट में ले लिया. कार की रफ्तार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बाइक के साथ दुर्घटना के बाद भी कार फोरलेन के दूसरी सड़क पर जंप कर जा पहुंचा, जहां एक ऑटो को भी चपेट में ले लिया. घायल ऑटो का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है. वहीं, घटनास्थल पर ही रवि की मौत हो गई. हादसा के बाद फॉर्च्यूनर कार का चक्का ब्लास्ट कर गया. कार सवार को भी थोड़ी बहुत चोट लगी. बालीडीह थाना पुलिस कार को थाना ले गई. बताया जाता है कि आज रवि के नानी का दशकर्मा श्रद्ध है. इसी बीच रवि वर्णवाल की दर्दनाक मौत से पूरा परिवार सहम उठा.

भाई के पढ़ाई का खर्च उठाता था रवि

रवि अपने भाई शनि कुमार वर्णवाल की पढ़ाई की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी थी. शनि वर्णवाल उत्तराखंड के ऋषिकेष में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई करता है. वहीं, पिता अशोक वर्णवाल बालीडीह गोविंद मार्केट के एक साइकिल रिपेयरिंग की दूकान संचालक है.

संक्षिप्त खबरें

खूँटी के कांग्रेस नेताओं ने कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की को दी शुभकामनाएं

खूँटी ।जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने सोमवार को झारखंड के कृषि और पशुपालन विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से उनके राँची स्थित कार्यालय में जाकर मिलकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दी। साथ ही कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने कृषि मंत्री को खूँटी आने का न्योता भी दिया। बाद में कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की से भी मुलाकात की। मौके पर आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष फुलचंद टूटी, अनमोल होरो आदि उपस्थित थे।

रनिया के रक्तदान शिविर में 20 लोगों ने किया रक्तदान

रनिया । प्रखंड मुख्यालय में रेड क्रॉस सोसाइटी के सौजन्य से सोमवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रनिया के प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत डांग सहित 20 लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान डॉ नागेश्वर मांझी ने कहा कि रक्तदान कर हम जरुरतमंदों की जान बचा सकते है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी तरह की न कोई शारीरिक कमजोरी होती है और न ही कोई हानि होती है। इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान कर सकता है। वहीं डीएस डॉ अनिल उराँव ने कहा कि खूँटी जिले में सिकल सेल अनेमिया के अनेक रोगी हैं। जिन्हें निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराना पड़ता है। वहीं गर्भवती महिलाओं को भी आवश्यकता पड़ने पर बिना शर्त के रक्त देना पड़ता है। इसलिए खूँटी के लोगों का रक्तदान शिविर का योगदान काफी सराहनीय होता है। वहीं वैसे लोग जो अपना रक्त देकर दूसरों को जीवन प्रदान करते हैं। यह काफी सराहनीय है। वहीं इस शिविर को सफल बनाने में डीएस डॉ अनिल उराँव, रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष किशोर गौंझू, उपाध्यक्ष विनोद जायसवाल, कोषाध्यक्ष राजेश्वर बैठा, सदस्य मनोज कुमार, बालमुकुंद कश्यप, भाजपा के जिला महामंत्री निखिल कण्डुलना, पूर्व प्रखंड सांसद प्रतिनिधि नारायण साहू ,भाजपा रनिया मंडल अध्यक्ष सीताराम नाग, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष चंदन चौधरी, आकाश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत डांग व रक्त संग्रह केंद्र के कार्यकताओं ने योगदान दिया।

चुआं में गिरने से युवक की मौत

खूँटी । चुआं में हाथ पैर धोने गये टोड़ांकेल गाँव के 32 वर्षीय युवक महादेव पाहन की चुआँ में गिरने से मौत हो गयी। सोमवार की सुबह पुलिस ने चुआँ से महादेव का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि युवक मिरगी बीमारी से पीड़ित था। संभवतः इसी वजह से चुआं में गिर गया होगा। जहां उसकी मौत हो गयी।

नगर पंचायत ने 10 जरुरतमंदों को कम्बल प्रदान किया

खूँटी । शीत लहर को देखते हुए खूँटी नगर पंचायत द्वारा सोमवार को कार्यक्रम आयोजित करके आश्रय विहीन लोगों को कंबल प्रदान किया गया? ताकि ठंड से राहत मिल सके। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी की अगुवाई में कुल 10 लाभुकों को कंबल वितरण किया गया तथा कार्यक्रम में नगर पंचायत खूँटी से नगर मिशन प्रबंधक एवं आश्रय गिरी से केयरटेकर उपस्थित थे।

समाज और देश के विकास में आंगनवाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका:दिलीप प्रताप

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण 2.0 के तहत पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम अंतर्गत सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका के लिए आईपीईएल की विशेषज्ञ टीम के द्वारा जिला समाज कल्याण कार्यालय, लोहरदगा की ओर से आज उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा के सभाकक्ष में किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उप-विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि समाज और देश के विकास में आंगनवाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा की आधारशिला रखा जाती है। गर्भवती महिला के नियमित जांच व पोषण, पोषाहार के जरिये स्वस्थ शिशु का ध्यान रखा जाता है। जन्म के बाद बच्चों को पोषाहार, कुपोषण की जांच, पोषणयुक्त आहार के जरिये स्वस्थ्य शिशु की पौध तैयार की जाती है। इसके साथ-साथ विद्यालय जाने से पहले आंगनवाड़ी केंद्र में ही बच्चों को प्रारंभिक साक्षरता का पाठ पढ़ाया जाता जाता है। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका का कार्य देश के भविष्य को गढ़न में बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को स्थानीय भाषा में पढ़ाया जाना चाहिए। इसी प्रकार पीवीटीजी जैसे जनजातीय क्षेत्रों में भी उनकी संस्कृति व उनके तौर-तरीकों के साथ समन्व्यय बनाते हुए पढ़ाया जाना चाहिए।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि आज प्रशिक्षण के जरिये सभी मास्टर टेज्नर्स (सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और महिला पर्यवेक्षिका) लाभ उठाएं और गहनता से प्रशिक्षण प्राप्त करें। आज राष्ट्रीय स्तर पर बात की जाय तो राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में आंगनवाड़ी केंद्रों और शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बेहतर कार्य हो रहा है। हमें उस मॉडल पर काम करने की जरूरत है। जब आज प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी केंद्रों पर कार्य करें तो ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करें।

प्रखण्डों में प्रशिक्षण 11 से 18 दिसंबर तक

कार्यशाला में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा ने बताया कि आज के उन्मुखीकरण कार्यशाला के बाद मास्टर ट्रेनर्स (सीडीपीओ और महिला पर्यवेक्षिका) द्वारा प्रखण्ड स्तर पर सभी प्रखण्डों में 11 से 18 दिसंबर तक आंगनवाड़ी सेविकाओं के क्षमतावर्द्धन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। आंगनवाड़ी केंद्रों में 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की प्रारंभिक देख और शिक्षा के बेहतर क्रियान्वयन को विस्तार दिया जा रहा है। इसी अवधारना के साथ नव चेतना और आधारशिला नामक दो पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। नवचेतना जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन तथा आधारशिला 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग समावेशन और रेफरल की प्रक्रिया भी शामिल है।

जिले में हुई बारिश के बाद कोहरा छाने से बढ़ा ठंढ, जनजीवन में पड़ा प्रभाव

बिभा संवाददाता

खूँटी । बंगाल की खाड़ी में बने फेंगल तूफान का असर के कारण जिले भर में सोमवार को भारी बारिश व बादलयुक्त मौसम का असर देखा गया जिससे सुबह में तेज बारिश हुई। फिर पूरा दिन क्षेत्र में कोहरा व बादल छाया रहा। जिसके कारण तापमान में भी गिरावट आई और अधिकतम तापमान 22 डिग्री एवं न्यूनतम 11 डिग्री रिकॉर्ड की गयी। तापमान में आयी गिरावट के कारण ठंड बढ़ गयी। वहीं अब आसमान साफ होने पर ठंड व कनकनी और बढ़ने की संभावना है। बारिश ने जहां एक ओर आम लोगों को परेशान किया,वहीं दूसरी ओर खेतों में काटकर सुखने के लिए रखे धान पानी से भींग गई। इससे किसानों में मायुसी है। मंगलवार को भी बारिश होती है तो किसानों को धान खराब होने का भय सता रहा है। बारिश से सब्जी की भी खेती प्रभावित हुई है। इधर सुबह सुबह तेज बारिश होने से स्कूली बच्चों को स्कूल जाने में काफी परेशानी हुई। अभिभावक किसी तरह छाता लेकर या रेनकॉट पहनकर बच्चों को स्कूल पहुँचाया। बहरहाल दिसंबर के मध्य में बारिश होने से ठंड का प्रभाव बढ़ गया। सोमवार शाम लोग जल्दी ही घरों में दुबक गए। और अलाव के पास बैठ गए। ठंड बढ़ने के साथ ही गरम कपड़ों की बिक्री भी बढ़ गयी है।

डालसा कार्यकर्ताओं ने एक बेसहारा एवं बेघर व्यक्ति को पहुँचाया रेन बसेरा

बिभा संवाददाता

खूँटी । झालसा राँची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेस कुमार के मार्गदर्शन में डालसा के द्वारा टीम गठित किया गया था। जिसमें एल0ए0डी0सी0, अधिवक्ता, पैनल अधिवक्ता एवं पी0एल0बी0 शामिल है। डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर के द्वारा खूँटी शहर में रात्रि जाँच के दौरान फुटपाथ में रह रहे बेघर बेसहारा लोगों को चिन्हित किया गया था। उनमें से शनिवार को रात्रि में एक बेसहारा एवं बेघर व्यक्ति को (आश्रय गृह) रेन बसेरा में पहुँचाने में पैनल अधिवक्ता मदन मोहन राम एवं पीएलवी चंदन कुमार के द्वारा ठहरने का व्यवस्था कराया गया। जिसका नाम है-शंकर मुंडा, पिता- बोरा मुंडा, ग्राम- पूसा जामड़ी, पोस्ट- भंडरा, थाना- खूँटी का रहने वाला है। उपरोक्त जानकारी डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

प्रखण्ड में योजनाओं पर कर्रा में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । कर्रा प्रखंड कार्यालय में सोमवार को प्रखंड क्षेत्र में संचालित मनरेगा, अबुआ आवास योजना, 15वें वित्त आयोग, स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, श्रम, पेयजल, कल्याण, पशुपालन, वन विभाग समेत अन्य विभागों के कार्यों पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने समीक्षा की। बैठक में बीडीओ ने प्रत्येक योजना की कार्य प्रगति का आकलन की और योजनाओं को समय से गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिये ताकि ग्रामीणों को इनका लाभ शीघ्र मिल सके। समीक्षा के क्रम में उन्होंने वन विभाग के तहत ग्राम वन समिति को सक्रिय होकर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही जंगली हाथियों द्वारा क्षतिग्रस्त किए गए ग्रामीणों के आवास को लेकर मुआवजा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हाथियों से सुरक्षा के लिए ग्राम वन समिति को दी गई राशि का सदुपयोग करते हुए ग्रामीणों को टॉर्च, लाइट आदि जरूरी सामग्री बांटने का निर्देश दिया गया। आपूर्ति विभाग के तहत प्रति माह राशन कार्ड धारियों को निर्धारित मात्रा में राशन की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश बीडीओ ने दिया। कर्रा प्रखंड से बाहर कार्य करने के लिए जाने वाले मजदूरों का रजिस्ट्रेशन करने का निर्देश श्रम पदाधिकारी को दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्रा को शत प्रतिशत प्रशव पूर्व जाँच करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कम वजन वाले शिशु और कुपोषित बच्चों को मातृ-शिशु देखभाल केंद्र में दाखिल करने औए शत प्रतिशत मातृ-शिशु देखभाल केंद्र में बिछावन शैया देने के लिए महिला पर्यवेक्षिका एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान बीडीओ द्वारा अगले पाँच दिनों के अंदर शत प्रतिशत बच्चों को पोषण के लिए उपलब्ध राशि को डीबीटी के माध्यम से बच्चों के खाते में भेजना सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक के दौरान पंचायत सचिवों और रोजगार सेवकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में आ रही समस्याओं और चुनौतियों की भी जानकारी दी। बीडीओ ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने की बात कही। बीडीओ ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाएं और आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलायें।

ऑस्टियोपोरोसिस

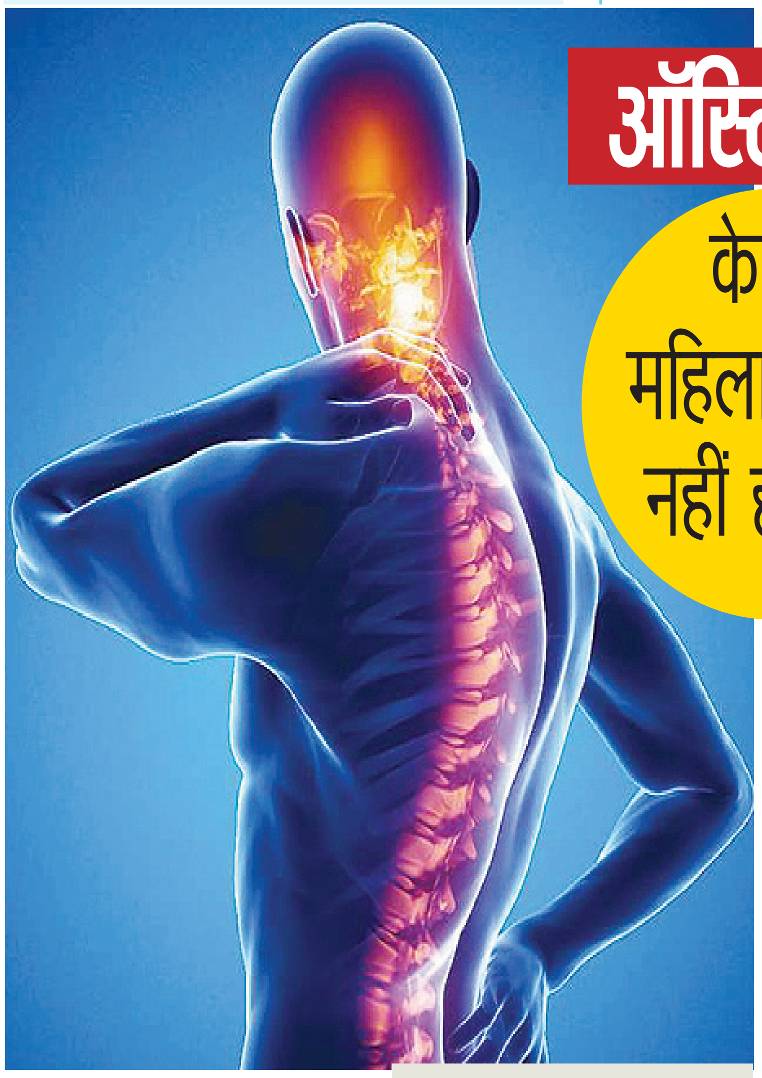

केवल महिलाओं को नहीं होता है

ऑस्टियोपोरोसिस (अस्थि–सुषिरता) में हड्डियां पतली हो जाती हैं, जिससे वे धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं, उनकी शक्ति समाप्त हो जाती है और सामान्य हड्डियों की तुलना में वे सरलता से टूट जाती हैं। यह रोग लाखों उम्र दराज महिलाओं और पुरुषों को होता है। महिलाओं के गिरने पर उनकी हड्डिया, टूटने के लिये दोगुनी प्रवण होती हैं, लेकिन ऑस्टियोपोरोसिस पुरुषों के लिए भी जोखिम भरा होता है, खासकर यदि वह 80 और 90 वर्ष की आयु में हो। ऑस्टियोपोरोसिस को अक्सर महिलाओं का रोग माना जाता है, इस कारण पुरुषों के संदर्भ में इस घातक रोग पर ध्यान नहीं दिया जाता है, लेकिन पुरूष भी इसके लिए प्रवण होते हैं। सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के अनुसार, यह सच है कि वृद्ध पुरुषों को वृद्ध महिलाओं की तुलना में आधे फेक्चर होते हैं, लेकिन पुरुष इस रोग के कारण स्थायी विकलांगता के लिए अधिक प्रवण होते हैं और महिलाओं की तुलना में इस रोग से दोगुने पुरुषों की मृत्यु हो सकती है।

- स्वास्थ्यकर आहार लें, जिसमें पर्याप्त विटामिन 'डी' अच्छी वसा (विटामिन 'डी' वसा में घुल जाता है) और कैल्शियम हो। कैल्शियम और विटामिन 'डी' पूरक आहार के रूप में भी उपलब्ध हैं, लेकिन हालिया शोध बताता है कि आहार से खनिज और विटामिन लेने से समानता बेहतर होती है।
- नियमित व्यायाम और शरीर का भार उठाना। ऐसी गतिविधियों में तेज चलना, जॉगिंग और आउटडोर स्पोर्ट्स शामिल हो सकते हैं। बॉडी वेट एक्सरसाइज, जैसे पुश-अप, पुल-अप और लंबी कूद प्रत्येक सप्ताह में दो बार करना चाहिए, ताकि बड़ी मांसपेशियों की शक्ति बढ़े।
- दिनभर सक्रिय रहें। आलस्य वाली जीवनशैली तंदुरुस्ती की शत्रु है और तंदुरुस्ती में हड्डियों की मजबूती भी शामिल है।
- धूम्रपान छोड़ें और शराब का अत्यधिक सेवन न करें।
- हड्डी के घनत्व की नियमित जांच करवाएं।

अमोल नाइकावाडी

ऑस्टियोपोरोसिस कैसे होता है?

हमारे जीवनकाल में हड्डियों में बदलाव होते रहते हैं: पुरानी हड्डी की जगह नई हड्डी आ जाती है। और युवावस्था में शरीर हटने वाली हड्डी की जगह भरने के लिए ज्यादा हड्डी देता है, फिर हमारी हडिड्या विकसित होती हैं और मोटी हो जाती हैं और कंकाल बड़ा तथा मजबूत होता जाता है। हड्डी की वृद्धि और घनत्व जीवन के तीसरे दशक में चरम पर होता है। पुरूषों और महिलाओं, दोनों में हटने वाली हड्डी की दर नई हड्डी बनने की दर से धीरे-धीरे अधिक होती जाती है। 50 वर्ष की आयु के बाद पुरूषों में हड्डी जल्दी नहीं हटती है, जबकि महिलाओं में रजोनिवृत्ति के बाद ऐसा होता है। इसका बड़ा कारण है गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान उनके शरीर में कैल्शियम की मात्रा कम होना। 65 वर्ष की आयु तक महिलाओं और पुरूषों, दोनों में समान दर से हड्डी की क्षति होती है और कैल्शियम तथा हड्डी के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी अन्य खनिजों की स्थिति एक समान हो जाती है। ऑस्टियोपोरोसिस का सीधा सम्बंध आयु से है और इसे 'शांत रोग' (साइलेंट डिजीज) कहा जाता है, क्योंकि इसका कोई लक्षण नहीं होता है, जब तक हड्डी न टूटे। यह बढ़ती आयु में होता है और बाद की अवस्थाओं में इससे कारण हड्डी की क्षति होती है। अपनी आयु के 7वें और 8वें दशक में पुरुष इसके लिए अधिक प्रवण होते हैं। यदि किसी को छोटी आयु में ऑस्टियोपोरोसिस होता है, तो इसका करण कैंसर या गुर्दे का खराब होना है। हालांकि, ऐसे कुछ कारक हैं, जिन पर नियंत्रण करने से हड्डी की भारी क्षति से बचा जा सकता है, जो प्राकृतिक रूप से होता है। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में ऑस्टियोपोरोसिस पर कम शोध हुआ है, लेकिन यदि हर कोई कुछ रोकथामपरक उपाय करे, तो हड्डी की ताकत बनी रहेगी।

सर्दी में शरीर को नहीं मिल रहा विटामिन-डी? ये जादुई रेसिपी करेंगी काम

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70 फीसदी लोगों में विडामिन-डी की कमी है। इनमें से ज्यादा आबादी महिलाओं की ही है। सहेतमंद रहने के लिए शरीर को सभी जरूरी विटामिन और मिनरल्स की जरूरत होती है। भोजन से मिलने वाले इन सभी पोषक तत्वों के बावजूद सर्दियों में शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन-डी नहीं मिल पाता। इस मौसम में लोगो के शरीर में विटामिन-डी की सबसे ज्यादा कमी होती है।

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70 फीसदी लोगों में विडामिन-डी की कमी है। इनमें से ज्यादा आबादी महिलाओं की ही है। आइए आपको बताते हैं सर्दियों में खाने की कौन सी चीजें शरीर में विटामिन डी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

- क्या आपने कभी टैंगो टुना सैंडविच के बारे में सुना है। यह सैंडविच शरीर में विटामिन-डी की कमी को आसानी से पूरा कर सकता है। इसे बनाने के लिए आटे की ब्रेड में लाल प्याज, खीरा, अंकुरित दाल और सेब का इस्तेमाल किया जाता है।
- चिकन में अगर कई तरह की चीजें मिलाकर उसका सलाद बनाया जाए तो इससे भी विटामिन-डी की कमी पूरी हो सकती है। इसके लिए आपको बॉइल चिकन में मशरूम, हरी सरसों, तिल के बीज और बॉयल्ड एग मिलाकर सलाद बनाना होगा।
- कई लोग बॉइल एग का येलो पार्ट अलग कर उसे खाते हैं। अंडे के इस हिस्से को यॉक कहा जाता है। शायद आपको पता नहीं, अंडे के इस भाग में हेल्दी फैट और कार्ब्स होता है। विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए काली और हरी बीन्स के साथ इसका सेवन कीजिए।
- शरीर में विटामिन-डी की कमी को पूरा करने के लिए एवोकैडो को अच्छा फल माना जाता है।

मूंगफली की चटनी

सामग्री

- मूंगफली - 100 ग्राम (भुनी हुई)
- हरी मिर्च- 2
- नमक- स्वादानुसार
- नींबू का रस- 1 चम्मच
- तेल- 1 चम्मच
- सूखी लाल मिर्च- एक
- राई- चौथाई चम्मच।

विधि

सबसे पहले आप मूंगफली को जार में डाल दें उसके बाद हरी मिर्च, नमक, नींबू का रस, और थोड़ा-सा पानी डालकर उसे पीस लें। इसमें आप चाहें तो थोड़ी सी चने की दाल भी भूनकर डाल सकते है। फिर थोड़ा सा पानी डालकर उसे पतला पीस लें। अब इसे किसी कटोरे में निकालें। अब गैस पर फ्राई पैन रखकर उसमें तेल डालें। इसमें लाल मिर्च को आधा-आधा तोड़कर डाले और करी पत्ते को डालकर गैस बंद कर दें। इस तड़के को मूंगफली की चटनी में डालें और चटनी को चम्मच से मिला दें। मूंगफली की चटनी तैयार है।

करेले की सब्जी

सामग्री

- 4 करेला ▪ 6 करी पत्ता
- 1 चम्मच बनारसी राई
- 1 चम्मच लहसुन पेस्ट
- 1 चम्मच अमचूर ▪ 1 चम्मच गुड़
- 2 चम्मच वेजिटेबल ऑइल
- 2 चम्मच हरी मिर्च ▪ 1 चम्मच जीरा
- 1 चम्मच धनिया पाउडर ▪ 1 चम्मच इमली पेस्ट
- 1 चम्मच कसा हुआ अदरक
- 1 कटा हुआ प्याज ▪ आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर ▪ नमक स्वादानुसार ▪ आधा चम्मच हल्दी

विधि

सबसे पहले करेले को फ्रेश पानी से धोकर अलग रख दें ताकि उसका सारा पानी सूख जाए। इसके बाद उसे गोलाई में काट लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, बनारसी राई, हरी मिर्च और करी पत्ता डालकर अच्छे से चलाएं। इसके बाद उसमें कटा हुआ प्याज डाल दें। सुनहरा होने तक भूनते हुए इसमें धनिया, लहसुन, अदरक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और अमचूर पाउडर मिला दें। अब इसमें कुछ बूंदें पानी की डालते हुए अच्छे से चलाएं। अब कटे हुए करेलों को इस तैयार पेस्ट में डालते हुए उसमें स्वादानुसार नमक भी मिलाते हुए अच्छे से चलाएं। अब इस पेस्ट में इमली का पेस्ट डालकर 5 से 7 मिनट तक करेलों को पकने के लिए छोड़ दें। अब इस तैयार करेले के सब्जी में गुड़ डालकर उसे अच्छे से मिला लें। थोड़ी देर गैस पर रखने के बाद गैस बंद करके गरमा गर्म सर्व करें।

संपादकीय

ऐतिहासिक हैं भारत के तीन नए कानून

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिटी ब्यूटीफुल चंडीगढ़ में तीन आपराधिक कानूनों को देश को समर्पित किया । इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने नए कानूनों के माध्यम से त्वरित न्याय की उम्मीद जताई, जो पूरी तरह से सार्थक भी है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम-जैसे तीन नए आपराधिक कानून हमारे समाज में गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए, संगठित अपराध, आतंकवाद और ऐसे अन्य अपराधों पर भी कड़ा प्रहार करते हैं। इन प्रयासों से हमें अपने कानूनी व्यवस्था को आजादी के अमृतकाल में अधिक प्रासंगिक और सहानुभूतिपूर्वक प्रेरित करने के लिए पुनर्भाषित करते हैं। इन कानूनों को मूर्त रूप देने में केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह की भूमिका भी उल्लेखनीय रही है।कुछ तथाकथित बुद्धिजीवी मोदी सरकार द्वारा लाए गए इन कानूनों का विरोध करते हैं और यह दलील देते हैं कि इससे देश में तानाशाह की प्रवृत्ति बढ़ेगी। लेकिन, मैं उनके इन दलीलों को पूरी तरह से हास्यास्पद मानता हूं। क्योंकि, यदि आप भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली के इतिहास को देखें, तो पाएंगे कि पुराने कानून औपनिवेशिक न्यायशास्त्र की प्रतिकृति हैं, जिन्हें पूरे देश पर शासन करने के लिए बनाया गया था, न कि हमारे देश की नागरिकों की सेवा के लिए। इसी भाव-शून्यता के कारण ये कानून आमजनों के उत्पीड़न और शोषण का उपक्रम बन गए, जिनका उद्देश्य वास्तव में निर्दोषों के अधिकारों की रक्षा और दोषियों को दंडित करना होना चाहिए था। इस प्रकार प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लाए गये नए कानून निश्चित रूप से उपनिवेशिक युग के कानूनों के अंत का प्रतीक हैं। सार्वजनिक सेवा और जनकल्याणकारी कानूनों से एक नए युग की शुरुआत हुई है। हमें याद रखना होगा कि न्याय में देरी केवल लोगों को हताश-निराश ही नहीं करती, बल्कि किसी न किसी स्तर पर देश के विकास की गति को भी बाधित करती है। इसके अतिरिक्त देश की छवि को भी खराब करने का काम करती है। जब समय पर न्याय नहीं मिलता तो कानून एवं व्यवस्था का आदर न करने और उसके उल्लंघन के आदी लोगों का दुस्साहस बढ़ता है। तीनों आपराधिक कानूनों पर अमल से एक ओर जहां 60 दिन के अंदर आरोप तय किए जाएंगे, वहीं दूसरी ओर सुनवाई पूरी होने के 45 दिन के अंदर फैसला सुनाना आवश्यक होगा।आंकड़े बताते हैं कि भारत के न्यायिक व्यवस्था में 3.5 करोड़ से भी अधिक लंबित मामले हैं और यहां विचाराधीन कैदियों की संख्या 77 फीसदी है, जो दोषियों की संख्या से तीन गुना अधिक है। वहीं, भ्रष्टाचार, अत्यधिक काम का बोझ और पुलिस की जवाबदेही तीव्र और पारदर्शी न्याय व्यवस्था को कायम करने की दिशा में एक बड़ी बाधा है।

मानवता के लिए सार्थक बने मानवाधिकार दिवस

लेखक

रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

"कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है, क्योंकि मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राजनेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।"

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 73 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर है, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर, 2024 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 76वीं वर्षगांठ है। 2024 में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना है।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है, क्योंकि मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राजनेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता। भारत में 28 सितम्बर, 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर, 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15,16,17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 4, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं। देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है। इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है। पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मो-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीड़न पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

और खनन माफिया अरावली चाट गया

लेखक

राकेश दुबे

इस खबर से देश के हर संवेदनशील और जागरूक व्यक्ति को उद्वेलित होना चाहिए कि हरियाणा के नूंह के पास 22 अरब रुपये कीमत के पहाड़ को खनन माफिया चट कर गया। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला घटनाक्रम नूंह जिले में राजस्थान सीमा पर स्थित पहाड़ से जुड़ा है, जो अरावली पर्वतमाला का हिस्सा है। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम तंत्र की काहिली व सत्ताधीशों की गैरजिम्मेदारी से पनपा है। खनन विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उपमंडल फिरोजपुर झिरका के कुछ इलाकों में खनन माफिया ने इस कृत्य को अंजाम दिया। कैसी विडंबना है कि गैर कानूनी तरीके से धन अर्जित करने की दबंगों की लिप्सा हमारे पर्यावरण व लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करती। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम यह भी है कि अवैध खनन माफिया से टक्कर लेने वाले कई अधिकारियों को तबादले के रूप में खमियाजा भी भुगतना पड़ा है। नागरिक संगठनों की उदासीनता भी उन खनन माफियाओं का हौसला बढ़ाती है, जो सत्ता के गलियारों में खासा रसूख रखते हैं। निश्चित रूप से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन में निर्णायक भूमिका निभाने वाली इन पहाड़ियों को आज पुनर्जीवित करने की जरूरत है। पर्यावरण पुनर्स्थापना हेतु भूमिक्षरण और मरुस्थलीकरण से निबटने के लिये बाकायदा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है।

इसके अंतर्गत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में ग्यारह लाख मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए, इस चौदह सौ किलोमीटर लंबे और पांच किलोमीटर चौड़े हरित गलियारे को बनाने का लक्ष्य है कि अरावली पहाड़ियों की पारिस्थितिकीय जीवन शक्ति को फिर से बहाल किया जा सके। एक समय था कि ये पहाड़ियां जंगल, वन्य जीवों, जलचरों और प्राकृतिक जल निकासी के जरिये एक समृद्ध पारिस्थतिकीय तंत्र बनाती थी। लेकिन दुर्भाग्य से अब अरावली पर्वत श्रृंखला देश की सबसे खराब स्थितियों के लिये जानी जाती है। इस दिशा में सत्ताधीशों की उदासीनता और नियामक संस्थाओं की लापरवाही से हरियाणा में यह स्थिति खासी शोचनीय है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि अरावली पर्वत श्रृंखला की तीस से अधिक पहाड़ियां पहले ही लुप्तप्राय हो चुकी हैं। खासकर हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी जिलों से लगते इलाकों में। निरंतर होते शहरों के विस्तार ने हरे-भरे परिदृश्यों को कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया है। जिसके चलते पूरे इलाके का पारिस्थितिकीय संतुलन बाधित हुआ है। सदियों में विकसित हुई वन संपदा व जीव-जंतुओं के अधिवास अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। निस्संदेह, इस कथित विकास की कीमत हमें लंबे समय तक चुकानी होगी। जिसके अंतर्गत स्वदेशी वृक्षों की अनेक महत्वपूर्ण किस्में व दुर्लभ वन्य जीवों की प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर जा पहुंची हैं। साथ ही अनेक महत्वपूर्ण भूजल पुनर्भरण क्षेत्र सूख गए हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब की हरित पहल से प्रेरित होकर ही ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट को इस विनाशकारी अतिक्रमण को रोकने के लिये लाया गया था। स्वदेशी वन संपदा को सामुदायिक जुड़ाव के जरिये संरक्षित करने की योजना थी। इसके अंतर्गत 35000 हेक्टेयर बंजर भूमि को उपजाऊ बनाना भी मकसद था। निस्संदेह, इस पर्यावरणीय संकट से निबटने के लिये पर्वत श्रृंखला के निकटवर्ती राज्यों में सहयोगात्मक प्रयास जरूरी हैं।

उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक भी वनीकरण, जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण जैसी पहलों के लिये वित्त पोषण करके अरावली परियोजना को संबल दे रहा है। लेकिन यह भी हकीकत है कि इस परियोजना की सफलता इस बात पर निर्भर कती है कि हम अवैध खनन और अतिक्रमण रोकने के लिये संरक्षण कानूनों को कितनी सख्ती से लागू करते हैं। जिसमें भूमि संरक्षण अधिनियम जैसे कानूनी सुरक्षा उपायों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण होगा। साथ ही सदियों में विकसित हुए पारिस्थितिकीय खजाने की रक्षा के लिये विभिन्न राजनीतिक दलों को तमाम मतभेदों व कृत्रिम विभाजन को दरकिनार करके आगे आना होगा। निस्संदेह, ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट दशकों से प्राकृतिक संसाधनों की लूट से हुए विनाश की क्षतिपूर्ति की दिशा में एक सार्थक कदम है। जिसमें सरकारी, निजी स्तर और सामुदायिक भागीदारी से इन प्राचीन पहाड़ियों को पुनर्जीवित करने की आशा जगती है।

राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी।

वृष संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी।

मिथुन मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

कर्क स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

सिंह सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

कन्या अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

तुला महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें।

वृश्चिक परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें।

धनु सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

मकर अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कुंभ कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी।

मीन पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

लोकतंत्र का मुखौटा और मानवाधिकारों का हनन

लेखक

डॉ. लोकेश कुमार
(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

"प्राचीन काल में किसी न किसी रूप में इस अवधारणा ने अपना स्थान बना लिया। प्राचीन यूनान में अरस्तू का ' न्याय का सिद्धांत' सामने आया, जिसके अनुसार बंटवारा अनुपातिक रूप में होना चाहिए। रोम में सिसरो ने जिस प्राकृतिक कानून सिद्धांत का उल्लेख किया, उसके अनुसार कानून प्रकृति ने स्थापित किया। सिसरो ने ' जूस ने चुराल' का सिद्धांत दिया, जिसके अनुसार कानून को प्रकृति ने स्थापित किया है और कानून सब लोगों पर हर समय लागू है। प्राचीन काल में महाभारत के शांति पर्व में शासक के आचरण और राजत्व के सिद्धांत के बारे में कहा गया है।"

मानवाधिकार दिवस 10 दिसंबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह हमें याद दिलाता है कि व्यक्ति को कुछ प्राकृतिक अधिकार जन्म से मिले हुए हैं , उन्हें प्राप्त करने के लिए उसे संघर्ष करते रहना चाहिए। विश्व के कई विकसित देश लोकतंत्र का मुखौटा लगाकर जनता के अधिकारों को हनन करने से पीछे नहीं हैं। हाल ही दिनों में बांग्लादेश में कुछ संगठनों ने पूरे देश में विरोध कर लोकतांत्रिक सरकार को बेदखल कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं, ईसाई और सिखों पर लगातार बहुसंख्यक समाज हमला करके उनकी सम्पत्तियों पर कब्जा कर रहा है। विरोध करने पर उनको मौत के घाट उतारा जा रहा है। साथ ही उनकी बेटियों के साथ बलात्कार किया जा रहा है। इस मामले को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता मार्गरेट मैक्लाउड ने कहा कि अमेरिका, बांग्लादेश में एक स्वस्थ लोकतंत्र देखना चाहता है, वहां हर व्यक्ति के मानवाधिकारों की रक्षा होनी चाहिए।' बांग्लादेश से अभी जो खबरें आ रही हैं, वे चिंताजनक हैं, हम हालात पर नजर रख रहे हैं। हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में लोग अपने धर्म का पालन करते हुए मानवता का जीवन जी सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय जगत में बांग्लादेश में हो रहे मानवाधिकारों के हनन को लेकर चिंता देखी जा सकती है। बहरहाल, सबसे पहले 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। इसकी औपचारिक शुरुआत 1950 से हुई।

इस दिन मानवाधिकार के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार और नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। मानवाधिकार शब्द का प्रयोग सबसे पहले 1940 श्रीमती इलेनोर रूजवेल्ट ने किया। उन्होंने पाया कि पूर्व में प्रयोग होने वाले शब्द ' मनुष्य का अधिकार ' में कुछ लोग महिलाओं का अधिकार शामिल नहीं मानते। हालांकि, इस अवधारणा का अस्तित्व इसमें पहले भी रहा है।

प्राचीन काल में किसी न किसी रूप में इस अवधारणा ने अपना स्थान बना लिया। प्राचीन यूनान में अरस्तू का ' न्याय का सिद्धांत' सामने आया, जिसके अनुसार बंटवारा अनुपातिक रूप में होना चाहिए। रोम में सिसरो ने जिस प्राकृतिक कानून सिद्धांत का उल्लेख किया, उसके अनुसार कानून प्रकृति ने स्थापित किया। सिसरो ने ' जूस ने चुराल' का सिद्धांत दिया, जिसके अनुसार कानून को प्रकृति ने स्थापित किया है और कानून सब लोगों पर हर समय लागू है। प्राचीन काल में महाभारत के शांति पर्व में शासक के आचरण और राजत्व के सिद्धांत के बारे में कहा गया है। अर्थशास्त्र में प्रजा के कल्याण में राजा का कल्याण बताया गया है। सम्राट अशोक ने कलिंग अभिलेख में प्रजा को संतान की तरह माना और अधिकारियों को जनता पर अत्याचार नहीं करने की चेतावनी दी थी। राजनीतिक चिंतक जेएस मिल ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर जोर दिया। 1776 में अमेरिकी क्रांति के बाद स्वाधीनता की घोषणा की गई। इसमें कहा गया कि ' हमारे लिए यह स्वयं सिद्ध सत्य है कि सभी मनुष्य जन्म से समान हैं। फ्रांस में 1789 में क्रांति हुई, जिसमें स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के नारे दिए गए। फ्रांस में संविधान बना, जिसमें मनुष्य के जन्मजात अधिकारों को मान्यता दी गई। अमेरिकन संविधान विश्व का प्रथम संविधान बना, जिसमें मानव अधिकारों को लिपिबद्ध किया गया और इनके संरक्षण की व्यवस्था की गई।

मानवाधिकारों की अनिवार्यता : मानवाधिकार सभ्य समाज की आधारशिला है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के मजबूत होने के साथ-साथ इन अधिकारों को अधिक सम्मान देना अनिवार्य हो गया है। मानवाधिकारों की रक्षा और प्रवर्तन करना बहुत जरूरी है ताकि मानव की गरिमा को कायम रखा जा सके। मानवाधिकार व्यक्ति को जन्म से ही प्राप्त होते हैं और उसके सर्वांगीण विकास के लिए यह जरूरी है कि इनकी रक्षा की जानी चाहिए। 'मानवाधिकार ' मानव के जन्मसिद्ध अधिकार हैं और इन्हें मानव से अलग कर देने से व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास नहीं होगा। व्यक्ति का स्थान अन्य संस्थाओं से ऊंचा है इसलिए उसके अधिकारों की रक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। समाज, सरकार और अन्य संगठन तभी सफल माने जा सकते हैं जब वे व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा कर सकें। मानवाधिकारों की रक्षा इसलिए भी जरूरी है कि इनकी रक्षा से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सुरक्षा जुड़ी है। नाजी (जर्मनी), फासी (इटली) और कम्युनिष्ट सरकारों ने व्यक्ति के अधिकार की अवहेलना की, फलतः उन्हें जनता के विरोध और अन्य राष्ट्रों से युद्ध का सामना करना पड़ा और अंततः सरकारें नष्ट हो गई। कल्याणकारी राज्य सिद्धांत के अनुसार राज्य का पहला कर्त्तव्य है कि जनता के कल्याण और सुख की व्यवस्था करना। इसकी प्राप्ति के लिए मानवाधिकारों की रक्षा जरूरी है। आज के अन्तरराष्ट्रीयवाद के दौर में कोई भी देश इन अधिकारों को अनदेखा करके अपना अस्तित्व नहीं बचा सकता। संयुक्त राष्ट्र संघ के दबाव और अन्य राष्ट्रों के बहिष्कार के चलते प्रत्येक देश को इन अधिकारों को मान्यता देनी पड़ी है।

भारत में मानवाधिकार की स्थितिः भारत में दलितों को मानवाधिकार मिलना दूर की कोड़ी बनी हुई है। महात्मा गांधी ने कहा था कि ' दलित सामाजिक स्तर पर वे काहिल हैं, आर्थिक स्तर पर वे गुलामों से भी बदतर हैं, धार्मिक स्तर पर उन्हें उन स्थलों में प्रवेश से रोका जाता है, जिन्हें हम 'ईश्वर का घर ' कहते हैं। देश को आजाद हुए आज 75 वसंत से अधिक गुजर गए, लेकिन आज भी दलित के साथ हर समय भेदभाव को शिकार होना पड़ रहा है। सामाजिक समरसता के अनेक लोक लुभावने नारे और दलित विमर्श के बाद भी भारतीय समाज अनेक जातियों, वर्गों और श्रेणियों के छोटे-छोटे दायरों में बंटा हुआ है। ये दायरे अक्सर एक-दूसरे के सामने आक्रामक मुद्रा में खड़े दिखाई देते हैं। इसलिए आज भी हम एक भारतीय समाज नहीं बना पाए हैं, कभी हम धर्मों में बंट जाते हैं और कभी हम वर्गों में और कभी हम जातियों में।

आज मानव जाति के सामने सबसे बड़ी चुनौती सम्मानपूर्वक जीवन यापन करने की है। पग-पग पर वह तिरस्कृत, असुरक्षित और उत्पीड़ित है। इनमें सर्वाधिक पीड़ित दलित हैं। अस्पृश्यता का बोलबाला होने से आज भी मंदिर, कुएं ,तालाब, स्कूल आदि के उपयोग करने पर इन्हें रोका और टोका जाता है। मैला ढोने जैसी घृणित प्रथा आज भी ग्रामीण अंचलों में देखी जा सकती है। दलितों को भूमि और अन्य सुविधाओं से वंचित रखा गया है। आजाद भारत में विकास के नए सोपान तय हुए, दलितों के लिए सामाजिक न्याय को प्राथमिकता दी गई लेकिन दलितों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन सामाजिक स्थिति में ज्यादा सुधार दिखाई नहीं देता है।

कीवी में
छिपा है पोषक तत्वों का भंडार

पोषक तत्वों से भरपूर फल स्वास्थ्य के लिए बेहद ज़रूरी होते हैं। हर फल की अपनी खासियत और फायदे होते हैं। स्वाद में खट्टा-मीठा लगने वाला कीवी भी अपने बेजोड़ फायदों के लिए जाना जाता है। इसका खट्टा मीठा स्वाद लोगों को बेहद पसंद आता है। कीवी में पोटेशियम, फाइबर, विटामिन सी, फोलिक एसिड, विटामिन ई और पॉलीफेनॉल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। कीवी में कैलोरी कम मात्रा में होती है इसलिए वजन कम करने वालों के लिए यह फल अमृत समान है। चलिए बताते हैं इस फल का सेवन करने से कौन सी परेशानियां दूर होंगी और इसका सेवन किस समय करना चाहिए?

आंखों की रोशनी बढाए

विटामिन ए से भरपूर कीवी आंखों की रौशनी को तेजी से बढ़ाता है। ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन से भरपूर यह फल एंटीऑक्सिडेंट का बेहतरीन सोर्स है। यह फल आंखों के स्वास्थ्य का समर्थन करते हैं।

इम्यूनिटी बनाए मजबूत

जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती उन लोगों को अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए आप कीवी का सेवन करना चाहिए। इसमें मौजूद विटामिन-सी कमजोर इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं।

बुखार में फायदेमंद

एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन सी और फाइबर जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर कीवी डेंगू जैसे बुखार में लाभकारी होता है। में प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगता है जिसमें कीवी इन प्लेटलेट्स को बढ़ाने में मदद करती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

कीवी में मौजूद विटामिन सी और ई जैसे एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाते हैं। साथ ही कोलेजन को बढ़ावा देते हैं, और युवा त्वचा को बनाए रखने में मदद करते हैं।

हृदय के लिए लाभकारी

कीवी में मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर हृदय संबंधी कार्य को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम हो जाता है।

कब्ज करे दूर

अगर आप कब्ज के मरीज हैं तो रोज़ाना 2 से 3 कीवी का सेवन करें। कब्ज की समस्या को दूर करने में कीवी लाभकारी है।

कब करें कीवी का सेवन?

कीवी का सेवन दोपहर या शाम की बजाय सुबह 10 से 12 के बीच करें। कीवी में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत की बेहतरीन देखभाल करते हैं। आप इसे खाली पेट भी खा सकते हैं। हालांकि, खाली पेट खट्टा फल खाने से आपको एसिडिटी की समस्या हो सकती है तो इसे खाली पेट खाने की बजाय कुछ नाश्ता कर खाएं।

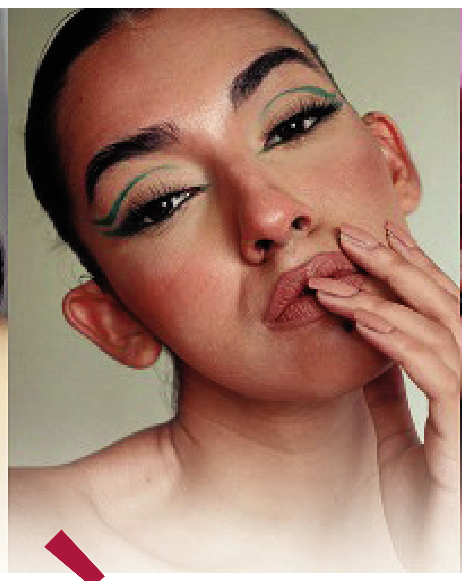

काजल के इन नए शेड्स
से बेस्ट आई मेकअप लुक पाएं, ब्लैक के अलावा ट्राई करें ये रंग

काजल एक ऐसा मेकअप प्रोडक्ट है जो हर महिला के मेकअप बैग का जरूरी हिस्सा बन चुका है। यह आंखों को आकर्षक और बड़ी दिखाने के लिए बेहद फायदेमंद है, लेकिन क्या आप सिर्फ ब्लैक काजल तक ही सीमित हैं? अगर हां, तो अब समय है अपने आई मेकअप रूटीन में कुछ नया जोड़ने का। इस लेख में हम आपको काजल के कुछ ऐसे डिज़ाइंस और शेड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप अपनी वैनिटी में जरूर शामिल करना चाहेंगी।

डबल कलर काजल

डबल कलर काजल लुक आजकल बेहद पॉपुलर है। यह काजल का डिज़ाइन ना सिर्फ आंखों को आकर्षक बनाता है, बल्कि बहुत ही कूल और स्टाइलिश भी लगता है। इस लुक को आप दोनों आंखों में अलग-अलग रंगों के काजल का इस्तेमाल करके प्राप्त कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, आप एक आंख में ग्रीन काजल और दूसरी आंख में पिंक काजल लगा सकती हैं। इस डिज़ाइन को आप वेस्टर्न ड्रेस के साथ बेहद आराम से कैरी कर सकती हैं और किसी पार्टी या फंक्शन में यह आपको खास आकर्षण का केंद्र बना सकता है। इसके अलावा, आप इसके साथ मैचिंग आई शैडो भी यूज कर सकती हैं, ताकि लुक और भी खूबसूरत बने।

ब्रॉड ब्लैक काजल

ब्रॉड ब्लैक काजल एक क्लासिक लुक है, जिसे आप किसी भी अवसर पर पहन सकती हैं। यह लुक आंखों को गहरा और एक्सप्रेसिव बनाता है। आमतौर पर ब्लैक काजल को पतला लगाया जाता है, लेकिन जब इसे ब्रॉड तरीके से लगाया जाता है, तो यह ज्यादा ड्रामेटिक और ग्लैमरस दिखता है। यह खासतौर पर पारंपरिक ड्रेस जैसे साड़ी, सलवार-कुर्ता या किसी भी प्रकार के इंडियन आउटफिट के साथ बहुत अच्छा लगता है। इस लुक को बेहतर बनाने के लिए आप सिल्वर ज्वेलरी और न्यूड बेज लिपस्टिक का इस्तेमाल कर सकती हैं, जो आपके लुक को बैलेंस और एलीगेंट बनाए रखेगी।

कैट आई काजल

कैट आई काजल लुक एक ट्रेंडी और ग्लैमरस डिज़ाइन है, जिसे कई सेलेब्स और स्टाइलिश महिलाएं अपने लुक को एलेवेट करने के लिए अपनाती हैं। इस लुक में काजल को आंखों के बाहरी कोने तक फैलाया जाता है, जिससे आंखों का आकार और ज्यादा बड़ा और सेक्सी नजर आता है। इस लुक के लिए आप ग्रीन, ब्लू या रेड काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। कैट आई काजल के साथ न्यूड लिप्स और हल्के आई शैडो का इस्तेमाल करें ताकि काजल और लुक दोनों को पूरी तरह से हाईलाइट किया जा सके। यह लुक खासकर वेस्टर्न कपड़ों के साथ बहुत अच्छा लगता है, लेकिन इसे पारंपरिक ड्रेस के साथ भी अपनाया जा सकता है।

स्मोकी काजल

स्मोकी काजल लुक एक और खूबसूरत और सेक्सी आई मेकअप स्टाइल है। इसमें काजल को आंखों के बाहरी कोने से अंदर की ओर अच्छे से स्मज किया जाता है, जिससे एक स्मोकी और ड्रामेटिक लुक मिलता है। यह लुक नाइट पार्टीज, डेट नाइट्स या किसी खास अवसर के लिए परफेक्ट होता है। इस लुक को आप ब्लैक, ब्राउन या पर्पल काजल के साथ बना सकती हैं। इसके बाद हल्के आई शैडो से स्मज करें और वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं, जिससे आपका लुक पूरे दिन सही रहे।

कलर्ड काजल

आजकल मार्केट में बहुत सारे कलर्ड काजल उपलब्ध हैं, जैसे पिंक, गोल्ड, पर्पल, ब्लू और ग्रीन। कलर्ड काजल न सिर्फ आंखों को फ्रेश और यंग लुक देता है, बल्कि यह आपके लुक को भी एक अलग ही डिमेंशन देता है। आप इस काजल को न केवल अपनी आंखों के पानी की लाइन में, बल्कि आंखों के नीचे भी लगा सकती हैं, जिससे आपको एक अलग और यूनिक लुक मिलता है। कलर्ड काजल को आप वेस्टर्न और इंडियन दोनों ही ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं, और यह किसी भी पार्टी में आपकी आंखों को आकर्षक बना सकता है।

स्मूद और नैचुरल काजल

यदि आप एक नैचुरल लुक चाहती हैं, तो स्मूद और हल्का काजल बेहतर विकल्प हो सकता है। इसे हल्के हाथों से अपनी वाटरलाइन पर लगाकर अपनी आंखों को थोड़ी सी डिफिनिशन दे सकती हैं। यह लुक खासतौर पर उन महिलाओं के लिए है जो एक डेली वियर लुक चाहती हैं, जिसमें बहुत ज्यादा मेकअप न हो। यह काजल हर दिन के लुक के लिए परफेक्ट होता है और इसे किसी भी सादा ड्रेस के साथ कैरी किया जा सकता है।

इन सभी काजल डिज़ाइनों के साथ आप अपने आई मेकअप को नया और ट्रेंडी बना सकती हैं। हर लुक को अपनी पसंद और अवसर के हिसाब से चुनें और अपनी आंखों को और भी खूबसूरत बनाएं।

कमाल का रिजल्ट देता है
मूंगफली का फेस पैक, मिनटों में त्वचा बनेगी मुलायम और चमकदार

सर्दी के दस्तक देते हैं घरों में मूंगफली आनी शुरू हो जाती है। यह सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं बल्कि आपके चेहरो के लिए भी काफी फायदेमंद है। भिगोई हुई मूंगफली का फेस पैक बनाकर आप अपनी त्वचा को पोषण दे सकते हैं। मूंगफली में मौजूद विटामिन ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड, और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को पोषण देकर नमी बनाए रखते हैं और इसे दमकाने में मदद करते हैं। इसे घर पर बनाकर उपयोग करें और महंगे केमिकल प्रोडक्ट्स से बचें। आइए जानते हैं भिगोई हुई मूंगफली से फेस पैक बनाने और उपयोग करने का तरीका।

भिगोई हुई मूंगफली से फेस पैक बनाने की विधि

- मूंगफली को 5-6 घंटे या रातभर पानी में भिगो दें।
- भीगी हुई मूंगफली को मिक्सर में डालकर बारीक पेस्ट बना लें।
- इसमें शहद और दूध (या दही) मिलाएं। यदि चाहें तो कुछ बूंदें गुलाबजल भी मिला सकते हैं।
- इस पेस्ट को अच्छी तरह से मिलाकर स्मूद फेस पैक तैयार करें।
- तैयार फेस पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लगाएं।
- 15-20 मिनट तक इसे सूखने दें, हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को मसाज करते हुए पैक हटाएं।
- अंत में चेहरे को ताजे पानी से धो लें और मॉइश्चराइज़र लगाएं।

मूंगफली फेस पैक के फायदे

- मूंगफली में मौजूद प्राकृतिक तेल त्वचा को गहराई से मॉइश्चराइज़ करता है।
- मूंगफली के छोटे कण स्क्रब की तरह काम करते हैं, जो डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा को साफ और चमकदार बनाते हैं।
- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।
- मूंगफली में मौजूद फैटी एसिड त्वचा को पोषण देकर एक्ने और दाग-धब्बे कम करने में सहायक होते हैं।
- दूध या दही त्वचा को मुलायम और लचीला बनाता है।

सावधानियां

1. मूंगफली से एलर्जी होने पर इस फेस पैक का उपयोग न करें।
2. हमेशा फेस पैक को ताजा बनाएं और तुरंत इस्तेमाल करें।
3. सप्ताह में 1-2 बार इसका उपयोग करें।
4. इस्तेमाल से पहले चेहरे पर पैच टेस्ट जरूर करें।

घर पर बनाएं आंवले खट्टी-मिठी डाइजेस्टिव गोली

आंवला एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। आंवला इम्यूनिटी बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। आंवले के सेवन से हेल्थ ठीक रहती है। आंवले का जूस पीने से शरीर हेल्दी है। आंवले को डाइट में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक होता है। आप भी अपने घर पर बेहद आसान तरीके से डाइजेस्टिव खट्टी-मीठी गोलियां बनाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े भी खूब खाना पसंद करेंगे।

आंवले की खट्टी-मीठी गोली बनाने के लिए सामग्री

- » 500 ग्राम आंवला
- » एक कप गुड़
- » सेंधा नमक स्वादानुसार
- » काला नमक एक चम्मच
- » काली मिर्च पाउडर एक चम्मच
- » भुना जीरा एक चम्मच
- » आधा कप पिसी चीनी
- » एक चौथाई चम्मच हींग
- » नींबू का रस

आंवले की खट्टी-मीठी गोली बनाने की विधि

- इसके लिए आप आंवले को अच्छे से धो लें। इसके बाद कूकर में उबाल लें।
- उबले आंवले को कूकर से निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडे हो जाएं तो आवले की गुठली को निकाल दें।
- अब आप आंवलों को मिक्सी में डालकर पीस लें और पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि आंवला बारीक पीसा हुआ। पीसने में पानी का थोड़ा इस्तेमाल करें।
- इसके बाद पैन गर्म करें और एक कप गुड़ डालें। इसके साथ ही पिसा हुआ आंवले का पेस्ट भी जरुर डालें।
- धीरे-धीरे मिक्स करते हुए आप इसे भूनें। गैस को धीमा ही रखें फिर अब इसमें सारे मसाले डाल दें। भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, हींग, काला नमक, सेंधा नमक सब डाल दें, फिर इसे अच्छे से भूनें।
- आप इसे जब तक चलाएं कि ये गाढ़ा ना हो जाए। जब गाढ़ा हो जाए तो इक्ट्ठा तो गैस को बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।
- प्लेट पर पिसी चीनी डालें और तैयार आंवले की छोटी गोली बनाएं और पिसी चीनी को इस पर लपेटें।
- तैयार है आपकी डाइजेस्टिव खट्टी-मीठी आंवले की गोली।

सेहत के लिए वरदान औषधीय गुणों से भरपूर ये फल

शरीफे को सीताफल के नाम से भी जाना जाता है। अंग्रेजी में इस फल का नाम कस्टर्ड एप्पल है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस फल में एक से बढ़कर एक औषधीय गुणों को अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस फल को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। शरीफे में विटामिन सी, पोटैशियम, विटामिन ए, कॉपर, फॉस्फोरस, फाइबर और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। आइए इस फल से मिलने वाले कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं।

फैट बर्न करने में कारगर

अगर आप अपने बढ़ते हुए वेट पर काबू पाना चाहते हैं तो इस फल का सेवन करना शुरू कर दीजिए। पेट की चर्बी को कम करने के लिए इस फल को खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा शरीफे में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपकी गट हेल्थ को भी सुधार सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए इस फल का सेवन किया जा सकता है।

कंट्रोल करे बीपी-शुगर

इस फल को खाकर आप अपने ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर सकते हैं। यही वजह है कि इस फल को हार्ट के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इतना ही नहीं इस फल में पाए जाने वाले तत्व आपके ब्लड शुगर लेवल को काबू करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। यानी शरीफे को सही तरीके से और सही मात्रा में कंज्यूम कर डायबिटीज को मैनेज करने में भी मदद मिल सकती है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए

रेगुलरली इस फल का सेवन कर आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। इसके अलावा शरीफा आपके दिमाग को तेज और मजबूत बना सकता है। इस फल का सेवन कर आप अपनी बोन हेल्थ को भी काफी हद तक स्ट्रॉन्ग बना सकते हैं। शरीफे में पाए जाने वाले तत्व आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी स्किन के लिए भी वरदान साबित हो सकते हैं।

इन दालों के ज़्यादा सेवन से बढ़ सकती है पेट में गैस की समस्या

ज़्यादातर लोगों को खाने के बाद पेट फूलने या ब्लोटिंग की समस्या होने लगती है। पेट फूलने के बाद कई बार खट्टी डकार या जलन होने लगती है। ऐसी स्थिति में लोग बेहद परेशान हो जाते हैं। बता दें ब्लोटिंग या गैस के पीछे दाल का सेवन भी हो सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन कुछ दाल का सेवन करने से पेट में गैस बनने लगती है। ऐसे में जो लोग ब्लोटिंग या गैस की समस्या से पपरेशान होते हैं उन्हें इन दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। चलिए हम आपको बताते हैं पेट को फूलने से बचाने के लिए आपको किन दाल को नहीं खाना चाहिए?

चना दाल

चने की दाल सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। लेकिनप्रोटीन और फाइबर से भरपूर यह दाल पेट में गैस बनाती है और ब्लोटिंग की समस्या को तेजी से बढ़ाती है। ऐसे में जिन लोगों को गैस की समस्या होती है उन्हें इस दाल को कम खाने की सलाह दी जाती है।

उड़द की दाल

गैस की संसय से परेशान लोगों को काली उड़द की दाल नहीं खानी चाहिए। यह दाल आसानी से पचती नहीं है। ऐसी में इस दाल का सेवन करने से कब्ज, पेट में गैस, ब्लोटिंग की परेशानी हो सकती है।

मसूर की दाल

मसूर दाल भी पेट की कई परेशानियों का कारण बनती है। इसे खाने से ब्लोटिंग और गैस की समस्या बढ़ सकती है।

गैस की समस्या से छुटकारा पाने के लिए इन चीज़ों का भी रखें ध्यान–

खाना चबाकर खाएं-खाने के छोटे-छोटे टुकड़े बड़े टुकड़ों की तुलना में पचाने में आसान होते हैं, जिससे यह संभावना कम हो जाती है कि रात का खाना आपके पेट में ज़्यादा देर तक रहेगा।

हाइड्रेटेड रहें–आपको गैस और ब्लोटिंग का सामना न करना पड़े इसलिए अपनी बॉडी को हाइड्रेटेड रखें। ज़्यादा पानी पीने से आपके जीआई ट्रैक्ट में चीज़ें ठीक से काम करती हैं।

ज़्यादा न खाएँ– बहुत ज़्यादा खाने से पाचन तंत्र ओवरलोड हो जाता है इसलिए खानपान में होने वाले बदलावों के प्रति सचेत रहें। आपका शरीर एक हद तक आपके खाने के हिसाब से खुद को ढाल लेता है। लेकिन अगर आप अचानक अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ खाने लगते हैं, तो पाचन तंत्र इस बदलाव को संभालने में संघर्ष करता है।

दाल में घी मिलाकर खाना चाहिए या फिर नहीं

घी में पाए जाने वाले तमाम पौष्टिक तत्व आपकी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक बूस्ट कर सकते हैं। अब सवाल ये उठता है कि घी को डाइट में शामिल करने का सही तरीका क्या है? कुछ लोग रोटी में घी लगाकर खाते हैं, तो कुछ लोग दाल में घी मिक्स कर खाना पसंद करते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आयुर्वेद के मुताबिक दाल में घी मिलाकर सेवन करना आपकी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। दाल में महज एक चम्मच घी मिलाकर खाएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखें।

अगर आप दाल में घी डालकर खाएंगे तो आपकी गट हेल्थ को काफी हद तक सुधारा जा सकता है। कब्ज और अपच जैसी पेट से जुड़ी बीमारियों को दूर करने के लिए इस तरह से घी का सेवन किया जा सकता है। सही मात्रा में घी कंज्यूम करने से आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं। दाल में घी मिक्स कर खाने से आपकी हड्डियों को मजबूती मिलेगी जिससे आप जोड़ों के दर्द की समस्या का शिकार बनने से बच सकते हैं।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अगर आपकी इम्यूनिटी कमजोर है तो आपको दाल में घी मिक्स करके जरूर खाना चाहिए। इस तरीके से घी को अपने डाइट प्लान में शामिल करके आप अपने इम्यून सिस्टम को काफी हद तक मजबूत बना सकते हैं। दिल की सेहत के लिए भी घी में पाए जाने वाले तत्व फायदेमंद साबित हो सकते हैं। शरीर की थकान और कमजोरी दूर करने के लिए भी घी को दाल में मिलाकर कंज्यूम किया जा सकता है।

गौर करने वाली बात

घी आपकी ब्रेन हेल्थ को भी इम्प्रूव कर सकता है। हालांकि, बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए घी को लिमिटेड मात्रा में ही कंज्यूम करना चाहिए। इसके अलावा आपको घी की शुद्धता की जांच भी कर लेनी चाहिए। मिलावटी घी कंज्यूम करने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है।

मणिपुर के नौ जिलों से हटा इंटरनेट बैन, नवंबर में भड़की हिंसा के बाद लगाई गई थी पाबंदी

इम्फाल। मणिपुर सरकार ने चुराचांदपुर और थौबल सहित नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं के अस्थायी निलंबन को वापस ले लिया। राज्य के गृह विभाग द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया। आयुक्त (गृह) एन अशोक कुमार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने राज्य में मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति और इंटरनेट सेवाओं के सामान्य संचालन के साथ इसके संभावित सह-संबंध की समीक्षा करने के बाद सभी प्रकार के अस्थायी निलंबन को हटाने का फैसला किया है। जिरी और बराक नदियों में तीन महिलाओं और तीन बच्चों के शव मिलने से भड़की हिंसक अशांति के बाद 16 नवंबर को मणिपुर के नौ जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। तब से मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निलंबन कई बार बढ़ाया जा चुका है। 19 नवंबर को सरकार ने स्वास्थ्य सुविधाओं, शैक्षणिक संस्थानों और विभिन्न कार्यालयों के सामने आने वाली चुनौतियों को पहचानते हुए ब्रॉडबैंड सेवाओं पर निलंबन हटाने का फैसला किया। हालाँकि, वाई-फाई साझा करने या हॉटस्पॉट का उपयोग करने की अनुमति नहीं थी। 9 दिसंबर के एक आदेश में सभी मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से उन गतिविधियों से दूर रहने का अनुरोध दोहराया गया जो राज्य में सामान्य कानून और व्यवस्था की स्थिति को खतरे में डाल सकती हैं, जिससे इंटरनेट सेवाओं को और अधिक अस्थायी रूप से निलंबित किया जा सकता है।

पीजी आवास में रह रहे दो कॉलेज छात्रों ने बिल्डिंग से कूदकर दी जान

दिल्ली। रोहिणी में दो छात्रों ने पीजी आवास की चौथी मंजिल से कूदकर खुदकुशी रक ली। जानकारी के मुताबिक दिल्ली के रोहिणी में सोमवार को दो छात्रों ने अपने पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास की चौथी मंजिल से कूदकर खुदुकुशी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि ये दोनों छात्र दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) से बीबीए की पढ़ाई कर रहे थे। पुलिस को सुबह सूचना मिली कि के एन काटजू इलाके में सोमवार सुबह दो छात्रों ने एक इमारत से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मामले की जांच की जा रही है। अभी तक खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चला सका है।

प्रदर्शनकारी किसानों का आरोप, पुलिस ने केमिकल वाले फूल बरसाए

हिसार । किसान आंदोलन के दौरान पुलिस ने पहले प्रदर्शनकारियों पर फूल बरसाए। लेकिन जब उन्होंने दिल्ली की ओर कूच करने कंटीले तीरों और बैरिकेड्स को हटाना शुरू किया, तब उन पर आंसू गैस के गोले और रबड़ की गोलियां भी बरसाईं। किसानों का कहना है कि पुलिस ने चाय पिलाने और फूल बरसाने का विडियो बनाया, ताकि कोर्ट में दिखा सके, लेकिन जब रबड़ की गोलियां दागीं,तब वीडियो बनाना बंद कर देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके ऊपर जो फूल बरसाए वे केमिकल वाले थे, जिससे कई किसानों की तबीयत खराब हो गई है। हरियाणा पुलिस ने शुरू में चाय पिलाकर, गुरबानी के भजन बजाकर और बैरिकेड्स के ऊपर से किसानों पर फूल बरसाकर सद्भावना का संकेत दिया। हालांकि, जब प्रदर्शनकारियों ने लोहे की ग्रिल को हटाने का प्रयास किया, तब पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए आंसू गैस, मिर्च स्प्रे और पानी की बौछारें कीं। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोनिया जंगवाल ने कहा कि उनके घाव गंभीर हैं, लेकिन जानलेवा नहीं हैं। 6 दिसंबर को किसानों के मार्च के पहले प्रयास के दौरान, कम से कम 17 घायल हो गए थे। तब से अधिकांश को छुट्टी दे दी गई है। किसान यूनियन के नेताओं ने आखिरकार संयुक्त किसान मोर्चा के समन्वयक सरवन सिंह पंधेर के हस्तक्षेप के बाद दोपहर 3.50 बजे पीछे हटने का फैसला किया।

दो फ्लाइट्स की आपात लैंडिंग, हादसा टला

नई दिल्ली । सोमवार को देश में दो फ्लाइटों की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिससे आसमान में बड़े हादसे होने से बच गया। इन दोनों विमानों में कुल 200 यात्री सवार थे, लेकिन पायलटों की सूझ-बूझ और त्वरित निर्णय के कारण दोनों विमानों की सुरक्षित लैंडिंग संभव हो सकी। सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। ये दोनों फ्लाइट्स स्पाइसजेट एयरलाइंस की थीं। पहली फ्लाइट दिल्ली से शिलॉन्ग जा रही थी, तभी उड़ान के दौरान विमान को एक बड़ा तकनीकी खतरा सामने आया। विमान के विंडशील्ड (हवा की खिड़की) में अचानक एक दरार आ गई जिससे विमान के अंदर हवा का दबाव कम हो गया और यात्रियों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ने लगा। हालांकि पायलट ने तुरंत सूझबूझ दिखाई और विमान की इमरजेंसी लैंडिंग पटना एयरपोर्ट पर कर दी। इस इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान सभी 100 से ज्यादा यात्री सुरक्षित रहे और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं दूसरी फ्लाइट कोच्चि जा रही थी, इसमें भी तकनीकी खराबी के कारण विमान को लैंड करना पड़ा। विमान के सिस्टम में तकनीकी दोष आ गया था इसकारण विमान को चेन्नई एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। पायलटों ने तत्परता दिखाकर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई और सभी 100 यात्रियों की जान बचाई। इन दोनों घटनाओं में सबसे अहम बात यह थी कि पायलटों ने बहुत जल्दी और सही निर्णय लिया। विमान की समस्या का तुरंत आकलन कर दोनों पायलटों ने सुरक्षित लैंडिंग के लिए इमरजेंसी प्रक्रिया अपनाई और किसी भी यात्री को चोट नहीं आने दी।

क्या था कारण?

-पहली फ्लाइट में विंडशील्ड टूटने के कारण विमान में दबाव का असंतुलन हो गया जिससे विमान को पटना एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा।

-दूसरी फ्लाइट में तकनीकी फॉल्ट आ गया था इसके चलते चेन्नई एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया।

एक देश-एक चुनाव पर सामने आया सरकार का प्लान, संसद में बिल पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार संभवत संसद के चालू सत्र या अगले सत्र में 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के उद्देश्य से लाए गए विधेयक को पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अगुवाई वाली समिति की सिफारिशों के आधार पर कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है, जो प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का संकेत है।

सूत्रों ने बताया कि गहन विचार-विमर्श सुनिश्चित करने और व्यापक आधार पर आम सहमति बनाने के लिए, सरकार विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की योजना बना रही है। जेपीसी इस परिवर्तनकारी प्रस्ताव पर सामूहिक सहमति की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी। सरकार का इरादा चर्चा में विभिन्न हितधारकों को शामिल करने का भी है। सूत्रों ने आगे कहा कि सभी राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों को बुद्धिजीवियों, विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

इससे पहले बताया गया था कि देश में एक साथ चुनाव कराने की अपनी योजना को अमल में लाने के लिए सरकार द्वारा तीन विधेयक लाए जाने की संभावना है, जिनमें दो संविधान संशोधन से संबंधित होंगे। प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयकों में से एक, स्थानीय निकाय चुनावों को लोकसभा और विधानसभाओं के साथ कराये जाने से संबंधित है। इसके लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्यों के अनुसमर्थन की आवश्यकता होगी। अपनी एक देश, एक चुनाव योजना के साथ आगे बढ़ते हुए, सरकार ने इस महीने की शुरुआत में देशव्यापी सहमति बनाने की कवायद के बाद चरणबद्ध तरीके से लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने की उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। प्रस्तावित पहला संविधान संशोधन विधेयक, लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रावधान करने से संबंधित होगा। सूत्रों ने उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों का हवाला देते हुए कहा कि प्रस्तावित विधेयक में नियत तिथि से संबंधित उप-खंड (1) जोड़कर अनुच्छेद 82ए में संशोधन करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को एक साथ समाप्त करने से संबंधित अनुच्छेद 82ए में उप-खंड (2) शामिल किया जाएगा। इसमें अनुच्छेद 83(2) में संशोधन करने और लोकसभा का कार्यकाल और इसे भंग किये जाने से संबंधित नए उप-खंड (3) और (4) सम्मिलित करने का भी प्रस्ताव है।

बांग्लादेश में झगड़ा सरकार से है तो फिर हिंदुओं को क्यों मारा गया

-विहिप नेता बोले-देश में ऐसी सरकार हो जो हिंदुओं को सुरिक्षत कर सके

बदायूं। बिल्सी नगर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि 300 साल पहले मुगल सल्तनत थी, तब जितनी भी मस्जिद बनी हैं, सभी मंदिर को तोड़कर बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि सीताराम गोयल नामक एक विद्वान ने भारत के डिस्ट्रिक्ट वाइज कितने मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई हैं, बताया है। ऐसी 20 हजार की सूची भी है, यह सभी पढ़ी है। तोगड़िया ने बांग्लादेश हिंसा को लेकर कहा कि फिलिस्तीन ने इजराइल के 300 लोगों को मारा तो इजराइल ने उनके 42 हजार लोगों को मारा। सीरिया, लेबनान तक घुसकर मारा, अगर झगड़ा बांग्लादेश सरकार से था तो हिंदुओं को क्यों मारा गया। देश में ऐसी सरकार होनी चाहिए, जो हिंदुओं को सुरक्षित कर सके और उचित जवाब दे सके। मेरी बात को मोदीजी, राजनाथजी और अमित शाह जरूर समझेंगे। उन्होंने महाकुंभ में आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 45 हजार लोगों को कंबल, मोबाइल चार्जिंग पावर बैंक और भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था उनके द्वारा की जा रही है। उनका कहना है कि करीब 40 लाख लोगों को महाकुंभ में उनके द्वारा बेहतर सुविधाएं देने की व्यवस्थाएं की जानी हैं।

ममता के विधायक हुमायूं की हुंकार, मुर्शिदाबाद में बनाना चाहते हैं बाबरी मस्जिद

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने कहा कि वे बंगाल की धरती पर बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे दिसंबर 2025 तक मस्जिद ट्रस्ट बनाकर अगले कुछ सालों में मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाना चाहते हैं। तृणमूल विधायक के मुताबिक, अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की घटना आज भी देश के मुस्लिम अल्पसंख्यकों की भावनाओं को आहत करती है।

तृणमूल नेता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भले ही राम मंदिर बना हैं, लेकिन अयोध्या या कहीं और मस्जिद बनाने को लेकर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसलिए वे पहल करके बंगाल की धरती पर मस्जिद का निर्माण कराना चाहते हैं। हुमायूं ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जहां बाबरी मस्जिद थी, वहां 18 से 19 फीसदी अल्पसंख्यक रहते हैं। फिलहाल बंगाल में 35 फीसदी मुस्लिम रहते हैं। और मुर्शिदाबाद में करीब 70 फीसदी मुस्लिम आबादी हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग के अलावा मुर्शिदाबाद भारत का सबसे अधिक मुस्लिम बहुल जिला है। इसकारण उनका मानना है कि बंगाल की धरती पर इसी जिले में बाबरी मस्जिद होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने रेजीनगर या बेलडांगा में से किसी एक स्थान पर एक ट्रस्ट के माध्यम से 2 एकड़ यानी 6 बीघा जमीन खरीदकर इस मस्जिद के निर्माण की पहल खुद की है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न मदरसों के संचालकों को साथ लाकर एक मस्जिद ट्रस्ट बनाया जाएगा और फिर मस्जिद का निर्माण शुरू होगा। तृणमूल विधायक ने कहा, इस ट्रस्ट के सदस्यों की संख्या 200 या उससे अधिक हो सकती है।

महाराष्ट्र में शिंदे गुट को गृहमंत्रालय नहीं देगी भाजपा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र को देवेंद्र फडणवीस के रुप में नया मुख्यमंत्री मिल चुका है, लेकिन अब तक मंत्रालयों को लेकर चर्चाएं जारी हैं। सूत्रों के हवाले से खबर है कि भारतीय जनता पार्टी ने शिवसेना को गृह मंत्रालय देने से मना कर दिया है। गुरुवार को हुए समारोह के दौरान फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं, एकनाथ शिंदे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चीफ अजित पवार उपमुख्यमंत्री बने।

रिपोर्ट में भाजपा के सूत्र के हवाले से बताया, भाजपा ने गठबंधन के साथ शिवसेना को दो कूट कह दिया है कि वह उन्हें गृहमंत्रालय नहीं दे सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा ने शिंदे को राजस्व, शहरी विकास और लोक निर्माण विभागों में से चुनने के विकल्प दिए हैं। साथ ही अजित पवार को वित्त और योजना देने की बात कही है।

फडणवीस ने कहा था कि 16 दिसंबर से नागपुर में शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र से पहले कैबिनेट विस्तार होगा। वहीं, रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने संकेत दिए थे कि कैबिनेट का विस्तार विशेष सत्र के दौरान 7 से 9 दिसंबर के बीच हो सकता है।

बताया जा रहा हैं कि महायुति में शिवसेना की तरफ से गृह मंत्रालय मिलने का दबाव मिल रहा था। इधर, 288 में से 132 सीटें अपने नाम करने वाली भाजपा गृहमंत्रालय भी अपने पास रखने पर जोर दे रही है। फडणवीस ने हाल ही में कहा, केंद्र में भाजपा की अगुवाई वाली सरकार है। दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्रालय भाजपा के पास है। इसके बाद उसी पार्टी को गृहमंत्रालय मिलने से आपसी सहयोग आसान हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के सूत्रों ने बताया है कि भाजपा के पास 18 से 20 मंत्री हो सकते है। शिवसेना के पास 12 से 14 मंत्री और एनसीपी को 9 से 11 मंत्री हो सकते है। संभावनाएं हैं कि महायुति सरकार में 30 से 35 मंत्री बन सकते है। राज्य में सीएम सहित कुल 43 मंत्री रह सकते हैं। खबर है कि भाजपा ऊर्जा, जल संसाधन, आदिवासी कल्याण, आवास, ग्रामीण विकास, ओबीसी कल्याण और उच्च और तकनीकी शिक्षा भी लेने के मूड में है।

पिछली सरकार में भाजपा के पास राजस्व और लोक निर्माण विभाग थे। अब अगर शिवसेना शहरी विकास संभालती है, तब राजस्व या लोक निर्माण भाजपा को मिलेगा। इधर, शिवसेना को उद्योग, स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, अल्पसंख्यक विकास और वक्फ बोर्ड विकास, मराठी भाषा सहित कुछ विभागों में प्राथमिकता मिल सकती है।

पीडीपी का नई सरकार को संदेश, ज्वलंत मुद्दों की भरमार हैं और साझा आधार दुर्लभ

श्रीनगर । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने कहा है कि जम्मू कश्मीर में शासन के लिए केंद्र के साथ ''संवेदनशील बातचीत'' की जरुरत है। पीडीपी ने कहा, जम्मू कश्मीर पर प्रभावी ढंग से शासन के लिए केंद्र के साथ बेहतर तालमेल होना जरुरी है, जैसा कि नई सरकार (जम्मू कश्मीर में) ने भी स्वीकार किया है। पीडीपी ने कहा कि उसके दिवंगत संरक्षक मुफ्ती मोहम्मद सईद जानते थे कि जम्मू कश्मीर के व्यापक हित के लिए गैर-पारंपरिक रास्ते तलाशान होगा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की तरह अधिक शांतिप्रिय एवं मैत्रीपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। पार्टी ने कहा, ''भाजपा का सीमित स्थानीय प्रभाव है, बावजूद इसके जम्मू कश्मीर के अपना वाजिब हक पाने के लिए रणनीतिक भागीदारी आवश्यक है। हाल में दो सरकारी कर्मचारियों की मनमाने ढंग से बर्खास्तगी सवाल खड़े करती है। यह तब समय में हुआ है, जब केंद्र शासित प्रदेश में लोकप्रिय सरकार है। फिलहाल, सभी लोगों की निगाहें नई सरकार पर टिकी हैं।' पीडीपी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में चुनाव जीतना राजनीतिक यात्रा का सबसे आसान हिस्सा हो सकता है। पार्टी ने कहा, ''वास्तविक चुनौती जनता की अपेक्षाओं और संघर्ष के जटिल जाल को संभालना है, जहां ज्वलंत मुद्दों की भरमार हैं और साझा आधार दुर्लभ है। इतना ही नहीं केंद्रशासित प्रदेश में बेरोजगारी अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई है। रोजगार सृजन महत्वपूर्ण है, लेकिन यह एकमात्र समाधान नहीं है।

स्कूली बच्चों का अपहरण करते पकड़ाए तीन साधु, ग्रामीण ने की जमकर पिटाई

-पुलिस ने हिरासत में लेकर की पूछताछ, मामला दर्ज कर मुचलके पर छोड़ा

सुल्तानपुर (एजेंसी)। यूपी के सुल्तानपुर में भगवा वस्त्र धारण किए तीन साधु मॉब लिंचिंग से बच गए। स्कूली बच्चों के अपहरण के चलते गांव वालों ने इन्हें घेरकर पीटा, जिसका वीडियो सामने आया। पुलिस ने तीनों साधुओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें अपहरण की बात की पुष्टि नहीं हुई। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज करके निजी मुचलके पर साधुओं को छोड़ दिया है।

लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय चाचपारा है। जहां सत्यम, प्रांजल, आदिति और अंश नाम के बच्चे स्कूल गए थे और प्रधान अध्यापिका को जानकारी दी कि साधु के भेस में लोग उन्हें कार में बैठाकर ले जा रहे थे। इसकी सूचना परिजनों को दी गई। इस पर गांव वालों ने साधुओं की गाड़ी को घेर लिया। फिर उन्हें कार से उतारकर उनकी जमकर पिटाई कर दी। इसका वीडियो वायरल हो गया।

इस बीच डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच गई और साधुओं को बचाकर कोतवाली लम्भुआ लेकर आई जहां साधुओं से पूछताछ की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तीन साधु ग्राम के प्राथमिक विद्यालय के पास नजर आए, जहां पर कुछ हल्ला-गुल्ला होने पर गांव और आस-पास के लोग आ गए। एक बच्चे की मां की सूचना के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि तीनों अभियुक्तों को पुलिस हिरासत में पूछताछ के लिए लाया गया। पूछताछ में पता चला कि तीनों व्यक्ति नोएडा से निकले थे। वे कुम्भ मेला प्रयागराज जाने वाले थे और उनके पास जो गाड़ी थी वह खेरकन सेरखा, हरियाणा मठ के कर्मवीर नाथ पुत्र जवाहर नाथ के नाम पंजीकृत है। तीनों साधू 6 दिसम्बर को यहां पहुंचे थे और केएनआईटी के पास स्थित हनुमान मंदिर में रात बिताई। तीनों के परिचय और प्रमाणिकताएं पुलिस द्वारा सत्यापित की गईं। प्रथम दृष्टया अपहरण के चेष्टा के घटना की पुष्टि नहीं हो पा रही है। चाचपारा निवासी अमर यादव ने बताया सुबह 7 बजे साधू बाबा का ये गिरोह फोर व्हीलर से यहां आया था। ये लोग रास्ता पूछ रहे थे, उसके बाद ये लोग गौतमपुर गए। वापसी में ये लोग जब बच्चे स्कूल जा रहे थे तो उन्हें खींच कर ये गाड़ी में बैठा रहे थे। इनके पास नशीली दवा भी थी। जब ग्रामीणों को पता चला और चीख-पुकार मची तो इन्हें पकड़ा लिया। पुलिस को सूचित किया गया। साधुओं की पहचान ओमवीर नाथ पुत्र सुंदर नाथ, परमेश्वर नाथ पुत्र सुंदर नाथ निवासी ग्राम तुशियाना ईकोटेक थाना ग्रेटर नोएडा और सुमित नाथ पुत्र कर्मवीर नाथ ग्राम समस्तपुर थाना परीक्षितगढ़ मेरठ के रूप में हुई है। इनके विरुद्ध कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

डीएमके के खिलाफ 'राजशाही' वाली टिप्पणी पड़ा महंगा, उप महासचिव को वीसीके ने किया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने अपने उप महासचिव आधव अर्जुन को उनकी सहयोगी डीएमके पर तमिलनाडु में राजशाही को बढ़ावा देने का आरोप लगाने वाली विवादास्पद टिप्पणी के बाद छह महीने के लिए निलंबित कर दिया। यह निर्णय एक पुस्तक विमोचन के दौरान आधव के भाषण के बाद आया है, जिस पर सत्ताधारी पार्टी और उसके नेतृत्व की कथित आलोचना हुई थी। कार्यक्रम में आधव ने कहा कि तमिलनाडु अब राजशाही को पनपने नहीं देगा। जन्म के आधार पर मुख्यमंत्री की नियुक्ति नहीं की जानी चाहिए।

टिप्पणियों को व्यापक रूप से मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर सीधे तौर पर कटाक्ष के रूप में समझा गया, जिन्होंने अपने पिता एम करुणानिधि के बाद राज्य का शीर्ष पद संभाला था। वीसीके नेता और चिदंबरम सांसद थोल थिरुमावलवन ने आधव की टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि वे पार्टी के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि उनकी टिप्पणियां कुछ सिद्धांतों से जुड़ी हुई लग सकती हैं, लेकिन इससे सार्वजनिक आलोचना हुई है और हमारी पार्टी की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा है। 7 दिसंबर को वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद पार्टी ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का फैसला किया।

यह पहली बार नहीं है जब आधव के बयान पर विवाद हुआ है। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने मंत्री के रूप में उदयनिधि स्टालिन की नियुक्ति पर सवाल उठाया, जिससे द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के भीतर सत्ता-साझाकरण पर बहस छिड़ गई। यह निलंबन गठबंधन के भीतर तनाव को रेखांकित करता है क्योंकि तमिलनाडु 2026 के विधानसभा चुनावों की ओर बढ़ रहा है। तिरुमावलवन ने संकेत दिया कि आधव के स्पष्टीकरण पर विचार किया जा सकता है। हालाँकि, उन्होंने कहा कि वीसीके व्यक्तिगत कार्यों पर पार्टी अनुशासन को प्राथमिकता देता है।

कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना थल्ली की साड़ी का रंग बदला, कलश और मुकुट को हटाया

-भाजपा ने इसे तेलगू अस्मिता पर हमला करार दिया

हैदराबाद (एजेंसी)। कांग्रेस की रेवंत रेड्डी सरकार से फैसले से तेलंगाना में घमासान मचा है। दरअसन कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना थल्ली यानी तेलंगाना की माता की प्रतिमा का स्वरूप बदल दिया। कांग्रेस सरकार ने देवी के स्वरूप से तेलगू संस्कृति की प्रतीक वथकम्मा के कलश और मुकुट को हटाया है। उनकी साड़ी के रंग को भी बदल दिया है। बीजेपी ने इस बदलाव को तेलगू अस्मिता पर हमला करार दिया है। वहीं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने इसके खिलाफ तेलंगाना हाई कोर्ट में अर्जी लगा दी है।

बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस सरकार राजनीतिक हितों के लिए तेलंगाना की सांस्कृति पहचान से छेड़छाड़ कर रही है। कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी पार्टी की सर्वोच्च नेता सोनिया गांधी को तेलंगाना की मां बोलते हैं। अब उन्हें खुश करने के लिए तेलंगाना की पहचान रही तेलंगाना थल्ली की छवि बदल रही है। कांग्रेस ने वथकम्मा कलश हटाकर देवी के हाथ खाली कर दिए हैं। उनके शरीर से तेलंगाना की समृद्धता की प्रतीक कमरबंद, पैरों में पहने जानी वाली विछुवा और गुलाबी साड़ी भी बदल दी है। गौरव का प्रतीक मुकुट भी हटाया गया है। बीजेपी का आरोप है कि यह संयोग नहीं, बल्कि सीएम रेड्डी ने नई मूर्ति के उद्घाटन के लिए सोनिया गांधी के जन्मदिन को चुना है। देवी के हाथ इसलिए खाली किए गए, वह कांग्रेस का चुनाव चिन्ह है।

तेलगू क्षेत्र में पहले से तेलगू थल्ली की धन्य-धान्य और समृद्धि देने वाली देवी के तौर पर पूजा होती रही है। उन्हें आंध्र माता कहा जाता है। नए राज्य तेलंगाना के आंदोलन के दौरान लोगों ने देवी का स्थानीय स्वरूप 'तेलंगाना थल्ली' दे दिया। इस प्रतीकात्मक मूर्ति को निर्मल जिले के निवासी बी वेंकटरमण ने डिजाइन किया था। यह मूर्ति तेलंगाना आंदोलन का प्रतीक भी बनी। 2003 में हैदराबाद के टीआरएस हेडक्वॉर्टर में 'तेलंगाना थल्ली' की पहली प्रतिमा लगाई गई। तेलंगाना के गठन के बाद यह प्रतिमा कई जगह लगाई गई।

तेलंगाना थल्ली की पहली प्रतिमा में देवी को गडवाल और पोचमपल्ली के प्रसिद्ध रेशमी कपड़ों की प्रतीक गुलाबी साड़ी पहनाई गई। उनके हाथ में मक्के की बाली दी गई, जो भरपूर धन्य-धान्य और कृषि से जुड़ी थी। देवी के दूसरे हाथ में रखा गया बथकम्मा की कलश तेलंगाना के सबसे बड़े त्यौहार का प्रतीक था, जो नवरात्रों के दौरान मनाया जाता है। उन्हें समृद्धि का प्रतीक मुकुट भी पहनाया गया। उन्हें करीम नगर के प्रसिद्ध आभूषणों कमरबंद पहनाया गया और महिलाओं की सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ी पैरों में पहनने वाले बिछुवा से सजाया गया था। अब नए डिजाइन में देवी का मुकुट गायब है। उनकी गुलाबी साड़ी को हरा कर दिया गया है। कमरबंद हटा दिए गए हैं। हाथ में बथकम्मा का कलश भी नहीं है। चूड़ियां भी लाल से हरी हो गई हैं।

वहीं केसीआर के बेटे और पूर्व राज्य मंत्री के टी रामा राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी तेलंगाना से केसीआर की विरासत को मिटाने की जल्दबाजी में हैं। उन्होंने कहा कि देवी की नई प्रतिमा तेलंगाना की पहचान का अपमान है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में लौटने पर राज्य सचिवालय में स्थापित राजीव गांधी की प्रतिमा को हटा देगी और उसकी जगह तेलंगाना थल्ली की मूल प्रतिमा स्थापित करेगी।

देश में दोपहिया वाहनों की अच्छी मांग, नवंबर में खुदरा बिक्री 11.21 प्रतिशत बढ़ीः फाडा

इस साल 32,08,719 इकाई बिक्री गई, जबकि पिछले साल इसी समय में 28,85,317 इकाई थी

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री ने नवंबर महीने में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की है। इस बढ़ोतरी के साथ विभिन्न श्रेणियों के वाहनों की खरीदारी में वृद्धि दर्ज की गई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस वृद्धि का मुख्य कारण अच्छे किसानी उत्पादन के आंकड़े और आर्थिक माहौल में सुधार की उम्मीद है। नवंबर महीने में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में 11.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें इस साल 32,08,719 इकाई बिक्री गई, जबकि पिछले साल इसी समय में 28,85,317 इकाई थी। इसके साथ ही यात्री वाहनों की बिक्री में कुछ गिरावट भी दर्ज की गई है, जो विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही है। फाडा के अध्यक्ष ने इस संकेत को बताया कि ग्रामीण बाजारों से थोड़ी सी सहायता मिली है, लेकिन विवाह संबंधी बिक्री में कुछ कमी दर्ज हुई है। इस बढ़ोतरी के साथ, वाणिज्यिक वाहन खंड में भी

गिरावट दर्ज की गई है, जो व्यापक आर्थिक माहौल में सुधार की उम्मीद का संकेत देती है। इस अक्टूबर में हुई त्योहारी मांग के स्थानांतरण के कारण, डीलरों के अनुसार, दिसंबर महीने का तात्कालिक परिदृश्य मिश्रित है। इसके बावजूद आने वाले महीनों में उपभोक्ता भावना में सुधार की उम्मीद है।

भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़ी, 10 साल में संपत्ति तीन गुना बढ़ी

- अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा स्थान

नई दिल्ली ।

भारत में अरबपतियों की संख्या ने एक और बड़ी ऊंचाई पर छू ली है, जैसे अमेरिका और चीन के बाद यहां अरबपतियों की सबसे अधिक संख्या है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि सालभर में इन धनवानों की दौलत में 42 फीसदी की वृद्धि भी हुई है। अमेरिका स्थित एक रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 32 नए अरबपति इस साल जुड़े हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में नए सफलता के संकेत दर्शाते हैं, दिखाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से उभार की दिशा में अग्रसर हो रही है। टेक सेक्टर में भी अरबपतियों की संपत्ति में भयानक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे जुड़ी उछाल के पीछे जनरेटिव एआई, साइबर सुरक्षा, फिनटेक और रोबोटिक्स में ग्रोथ और निवेश के माध्यम से दौलत की वृद्धि हुई है। अरबपतियों का कारोबार सेक्टर में तेजी से बढ़ रहा है। चीन के संपत्ति सुधार कॉमर्शियल रियल एस्टेट पर महामारी के प्रभाव और ब्याज दरों में वृद्धि के कारण, ये क्षेत्र उस समय मुश्किल झेल रहे हैं। इस रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि भारत में धनिक व्यक्ति क्षमतायें और उदारीकरण के माध्यम से व्यापारिक मंच पर

अपनी मौजूदगी बनाए रख रहे हैं। यह आर्थिक विकास के दिशा सूची बनाने के लिए एक अच्छा संकेत है और भविष्य में इन अरबपतियों की संख्या में और वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है।

फिनटेक फर्म ग्राहकों को दे रही 9.5 फीसदी तक ब्याज का ऑफर

- नए जमाने की फर्में इस तरह की दे रही हैं सेवाएं

मुंबई ।

फिनटेक कंपनियां अपनी वित्तीय सेवाओं के दायरे को बढ़ाते हुए सावधि जमा (एफडी) पर ध्यान दे रही हैं। स्टेबल मनी, फ्लिपकार्ट के निवेश वाली सुपरडॉट मनी और मोबिक्विक जैसी नए जमाने की फर्में इस तरह की सेवाएं दे रही हैं जिन पर अलग-अलग परिपक्वता अवधि की सावधि जमा पर 9.5 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। यह पहला मौका है जब फिनटेक फर्में एफडी जैसे निवेश साधनों में दिलचस्पी दिखा रही हैं।

फिनटेक फर्में लघु वित्त बैंकों, जमा स्वीकार करने वाली गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और वाणिज्यिक बैंकों के साथ साझेदारी कर इस तरह की सेवाएं मुहैया करा रही हैं। यह एक तरह की निजी साझेदारी है जिसके लिए नियामक से लाइसेंस की जरूरत नहीं होती है। हालांकि नियमों के मुताबिक जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम द्वारा सावधि जमा में 5 लाख रुपये तक का बीमा होता है। फिनटेक कंपनियों द्वारा वित्तीय सेवाओं में सावधि जमा को शामिल करने की रणनीति को आय का स्रोत बढ़ाने और मुनाफे में आने का रणनीतिक प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। स्टेबल मनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनियां पिछले साल भर से सावधि जमा की पेशकश कर रही हैं ताकि उनकी आय बढ़ सके और कुछ हद मुनाफा दिख सके। इस निवेश साधन में रुचि इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि शेयर बाजार में उठापटक के बीच सावधि जमा पर ब्याज दर भी अच्छा मिल रहा है।

देश के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कहीं महंगा

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 71.12 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को देशभर में पेट्रोल और डीजल के खुदरा भाव जारी कर दिए हैं। सोमवार को यूपी से बिहार तक कई जिलों में तेल की कीमतों में गिरावट दिख रही है, जबकि कुछ जिलों में तेल के दाम बढ़ गए हैं। वैसे दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वैश्विक बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतों में नरमी दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गाजियाबाद जिले में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये लीटर बिक रहा है।

डीजल भी 14 पैसे गिरा और 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। पड़ोस के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 10 पैसे महंगा हुआ और 94.70 रुपये लीटर हो गया, जबकि डीजल 14 पैसे चढ़कर 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 18 पैसे टूटकर 105.23 रुपये लीटर तो डीजल 17 पैसे गिरकर 92.09 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरावट के साथ 71.12 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बढ़कर 67.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है।

अदाणी समूह राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ का करेगा निवेश

- कंपनी पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी

जयपुर ।

अदाणी समूह ने राजस्थान में 7.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि वह पांच वर्षों के भीतर 50 प्रतिशत निवेश करेगी। यह निवेश विभिन्न क्षेत्रों में किया जाएगा जैसे ऊर्जा, हाइड्रोजन और जलविद्युत परियोजनाएं आदि। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस निवेश से राजस्थान में हरित रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि कंपनी की योजना दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत ऊर्जा परिवेश बनाने की है। यहां हुए राइजिंग राजस्थान शिखर सम्मेलन में अधिकारी ने कहा कि कंपनी ने विभिन्न क्षेत्रों में इस विशाल निवेश की योजना बनाई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि

अदाणी समूह की दृष्टि में राजस्थान में उद्यमिता और विकास के लिए अच्छी ख़बरें हैं। इस निवेश से समृद्धि की कविता और विकास की कहानी में नया अध्याय शुरू होने का इन्तजार है। आगामी समय में इस निवेश से राजस्थान को एक नया रूप मिलने के उम्मीद है।

आदित्य बिड़ला समूह राजस्थान में 50,000 करोड़ करेगा निवेश

निवेश योजना में सीमेंट, दूरसंचार, फैशन रिटेल, आभूषण कारोबार आदि शामिल

जयपुर । आदित्य बिड़ला समूह ने अपनी विभिन्न कारोबारों में राजस्थान में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने बताया कि इस निवेश में नवीकरणीय ऊर्जा में 6,000 करोड़ रुपये भी शामिल होगा। उन्होंने समूह की महत्वपूर्ण उपस्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि समूह के छह व्यवसायों में सीमेंट, दूरसंचार, फैशन रिटेल, आभूषण कारोबार आदि शामिल हैं। बिड़ला ने राज्य में सीमेंट उत्पादन की बढ़ोतरी की योजना का भी खुलासा किया और बताया कि कंपनी अब एक करोड़ टन सीमेंट उत्पादन करेगी। समूह के अगले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण निवेश की योजना बनाने के लिए बिड़ला समूह राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। इस घोषणा से राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नया जीवन मिलने की उम्मीदें हैं और समूह के निवेश से राज्य में और विकास की राह खुल सकती है।

महंगाई का असर रिलायंस जियो और एयरटेल पर

टैरिफ की दरें घटाने पर विचार

नई दिल्ली । रिलायंस जिओ, एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने इंटरनेट रिचार्ज की दरें जुलाई माह से बढ़ा दी। इसके बाद से ही उनके उपभोक्ता कम होते चले गए। रेट तो बढ़ गये, लेकिन तीनों टेलीकॉम कंपनियों की कमाई कम हो गई। कुछ उपभोक्ताओं ने तीनों कंपनियों को छोड़कर बीएसएनल का कनेक्शन ले लिया। उपरोक्त तीनों कंपनियों को तीन माह के अंदर 1.68 करोड़ से अधिक ग्राहकों को खोना पड़ा। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस जिओ को हुआ है। रिलायंस जिओ के 1.27 करोड़ उपभोक्ता घट गए। भारतीय एयरटेल के 56 लाख उपभोक्ता और वोडाफोन के 48 लाख उपभोक्ता कम हो गए। कहां रेट बढ़ा कर ज्यादा कमाई करना थी। उल्टे वह पहले की तुलना में कम हो गई। अब तीनों कंपनियां एक बार फिर से अपने टेरिफ़ पर पुनर्विचार कर रही हैं। उपरोक्त तीनों कंपनियों में इस बात पर विचार हो रहा है। इंटरनेट का प्लान इस तरीके से तैयार करें। जिससे उपभोक्ता की क्रय शक्ति भी बनी रहे। उपभोक्ता भी उसके पास बने रहें। सूत्रों के अनुसार जल्द ही तीनों कंपनियां इंटरनेट टैरिफ को कम कर सकती हैं।

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के आईपीओ पर सभी की नजरें

397-417 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा किया तय

नई दिल्ली । ब्लैकस्टोन समर्थित कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 4,225 करोड़ रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। इस आईपीओ में 1,475 करोड़ रुपये की नई शेयर्स बिक्री के लिए पेशकश की जा रही है। कंपनी ने बयान दिया है कि यह आईपीओ 13 दिसंबर को खुलकर 17 दिसंबर को बंद होगा। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि यह एक बड़ा मौका है निवेशकों के लिए। बड़े (एंकर) निवेशक 12 दिसंबर को बोली लगाने के लिए अवसर पाएंगे। यह आरंभिक भागीदारी का मौका भी है। इस आईपीओ से कंपनी की वृद्धि और विकास को गति मिलेगी। नए शेयर्स के जरिए निवेशकों को भी आवास के लिए एक मौका प्राप्त होगा। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड के इस आईपीओ पर निवेशकों की उत्सुकता बढ़ गई है और विश्वास है कि यह निवेशकों के लिए एक लाभकारी मौका प्रदान करेगी।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने की तैयारी

सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में कमी करने का लिया निर्णय

नई दिल्ली । केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना को बंद करने का तैयारी कर ली है। यह योजना निवेशकों को सोने की कीमत के बराबर भुगतान और ब्याज हासिल कराती थी, जिससे सरकार का वित्तीय बोझ बढ़ जाता था। सरकार ने अपने कर्ज और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में व्यापक कमी करने का निर्णय लिया है और इस कदम के साथ सोने के आयात को भी कम किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि 2026 के बजट में कर्ज घटाने के लिए एक विस्तृत योजना प्रस्तुत की जा सकती है। वित्त वर्ष 2025 में ऋण-जीडीपी अनुपात को 56.8 फीसदी रखने की उम्मीद है, जो 2024 में 58.2 फीसदी था। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना की शुरुआत 2015 में हुई थी और इसका उद्देश्य फिजिकल गोल्ड की जगह बॉन्ड में निवेश को बढ़ाना था। वित्त वर्ष 2025 में अब तक कोई नया गोल्ड बॉन्ड जारी नहीं किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 18,500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया था। यह कदम सरकार की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने के लक्ष्य के साथ लिया गया है। यह निर्णय सरकार के वित्तीय बोझ कम करने और स्थिरता बनाए रखने के मार्ग पर एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही इस योजना के बंद होने से सोने के आयात को भी कम किया जा सकेगा।

स्टार्टअप इंडिया पहलः भारतीय अर्थव्यवस्था को मिली 16.6 लाख नई नौकरियां

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं

नई दिल्ली । भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 55 उद्योगों में 16.6 लाख से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित की हैं। ये स्टार्टअप नई प्रौद्योगिकी पर अतिरिक्त काम करते हुए भारत के अर्थव्यवस्था में नये उद्यामियों को बढ़ावा देते हैं। इसमें हरित प्रौद्योगिकी 27,808 नौकरियां, नवीकरणीय ऊर्जा 41,523 नौकरियां और पेशेवर सेवाएं 94,060 नौकरियां जैसे क्षेत्र शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्र भी भविष्य में वृद्धि दर्शाते हैं। स्टार्टअप इंडिया पहल ने स्टार्टअप्स के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे फंड ऑफ फंड्स, स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, और क्रेडिट गारंटी स्कीम को प्रदान कर बिजनेस को बढ़ावा देता है। राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार, राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग और इनोवेशन वीक जैसी पहल पूरे देश में समान अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस योगदान से स्थापित होती स्टार्टअप इंडिया हब और भारत स्टार्टअप नॉलेज एक्सेस रजिस्ट्री ने स्टार्टअप्स के लिए संसाधनों और सहयोग को सुव्यवस्थित करने में सहायक साबित हुए हैं। भारत ने ग्लोबल स्टार्टअप सहयोग के लिए जी20 इंगेजमेंट ग्रुप जैसी महत्वपूर्ण पहल भी शुरू की है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दिन भर उतार-चढ़ाव के बाद बाजार टूटकर बंद हुआ। आज दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और उपभोक्ता उत्पादों एफएमसीजी स्टॉक्स में गिरावट से बाजार नीचे आया । दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 200.66 अंक करीब 0.25 फीसदी नीचे आकर 81,508.46 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 58. 80 तकरीब .24 फीसदी गिरावट के साथ ही 24619.00 पर बंद हुआ आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे अधिक 3 फीसदी से ज्यादा गिरकर बंद हुआ। टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्टेट बैंक के शेयर मुख्य रूप से नीचे आये।

वहीं दूसरी ओर एलएंडटीका शेयर 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर आकर बंद हुआ। टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, कोटक बैंक के शेयर गिरावट में रहे।

आज बाजार में गिरावट का कारण हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसे एफएमसीजी स्टॉक्स में हुई भारी बिकवाली है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इसके अलावा भारत और अमेरिका के सीपीआई डेटा और ईसीबी नीति जैसे प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले निवेशकों के सतर्क रुख से भी बाजार नीचे आया।

वहीं मध्य पूर्व में जारी तनाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। इससे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ इस सप्ताह भारत और अमेरिका के सीपीआई डेटा और ईसीबी नीति जैसे प्रमुख आर्थिक आंकड़ों से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे पहले आज सुबह सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार की शुरुआत गिरावट से हुई। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के कमजोर तिमाही बिक्री पूर्वानुमान के कारण एफएमसीजी शेयर फिसल गए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर 81,602.58 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मामूली गिरावट लेकर 24,633.90 अंक के स्तर पर खुला।

भारत में एफडीआई ने एक नया कीर्तिमान बनाया, 1 ट्रिलियन डॉलर के पार

- मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड और कई अन्य देशों से आया निवेश

नई दिल्ली ।

बढ़ते चीनी टेंशन के मद्देनजर भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) ने एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिखाया है। अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 के दौरान एफडीआई प्रवाह ने 1000 अरब डॉलर को पार करके 1033.40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा भारत को एक वैश्विक निवेशकों के लिए मुख्य निवेश स्थल के रूप में स्थिर रखता है। इस अवधि के दौरान एफडीआई से मायरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड, जापान, ब्रिटेन, यूएई, और कई अन्य देशों से निवेश आया। इन निवेशों का मुख्य धारा वाणिज्य, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, आयात-निर्यात, औद्योगिक विकास, ऑटोमोबाइल, रसायनिक उत्पादन, और दवा क्षेत्र में था। इस उच्च वृद्धि के साथ भारत में एफडीआई आगे बढ़ने की उम्मीद है। दुनिया भर में कई बड़ी कंपनियां अपने व्यापार की राह देख भारत को पसंद कर रही हैं। आगे बढ़ते भारत को धीरे-धीरे एफडीआई में सेक्रिय होने के संकेत हैं, जिनके पीछे चीन के राजनीतिक सीने में उठाए गए उत्पीड़न का भय का। यह वाणिज्यिक सेवाओं में सुधार, उत्पादक सेक्टर में वृद्धि, और व्यवसायिक पर राष्ट्रीय कारोबार में व्यापारिक

आकार में हो सकता है। यह उम्मीद की जा रही है कि दुनिया भर में कंपनियां चीन से हटकर, भारत को अपनी गतिशीलता का लाभ उठाएंगी, जिससे दोनों देशों के बीच एक नए एकांकी निकलेगा। इस तरह के उत्पीड़न से अनुमानित है कि भारत में एफडीआई में और भी प्रगति होगी।

श्रीमद् रामायण में लव और कुश के बीच एक नाटकीय टकराव

मुंबई : सोनी सब के श्रीमद् रामायण में हाल के एपिसोड में दर्शकों ने घटनाओं में एक नाटकीय मोड़ देखा, जिसमें राम और सीता के पुत्र लव और कुश ने अविश्वसनीय शक्ति और साहस का प्रदर्शन किया। यह तीव्र संघर्ष भविष्य के एपिसोड में अधिक भावनात्मक और शक्तिशाली टकराव के लिए मंच तैयार करता है। आगामी एपिसोड में दर्शक सुग्रीव और भरत के खिलाफ युद्ध में लव और कुश की जीत को श्री राम तक पहुंचते हुए देखेंगे। यह सुनकर श्री राम लव और कुश से युद्ध करने का फैसला करते हैं। उसी समय सीता को लगता है कि श्री राम और उनके बेटे आमने-सामने आ सकते हैं और लड़ाई कर सकते हैं। जब लव और कुश आखिरकार श्री राम से मिलते हैं, तो वे सीता को दूर भेजने के उनके फैसले पर सवाल उठाते हैं। इससे एक युद्ध होता है जिसमें श्री राम अंततः विजयी होते हैं।

इस युद्ध के बाद उनका रिश्ता कैसे आगे बढ़ेगा देखते रहिए!

भारतीय रेसिंग सनसनी कुश मैनी ने ऐतिहासिक फॉर्मूला 2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप जीती

अबू धाबी ग्रांड प्रिक्स

- कुश जूनियर फॉर्मूला के शिखर पर एफआई कंस्ट्रक्टर्स वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय बन गए।
- कुश ने कहा मेरे लिए आगे क्या होगा, इसका इंतजार कर रहा हूं और अगले साल के लिए उत्सुक हूं।"
- कुश ने अपनी पहली लैप में स्प्रिंट में 6 स्थान और पहली लैप में फीचर में 3 स्थान प्राप्त किए।

एजेंसी

अबू धाबी। कुश मैनी ने इस एफ2 सीज़न में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। उन्होंने इनविक्टा रेसिंग टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए एफ2 कंस्ट्रक्टर चैंपियनशिप जीत ली है। इसके साथ ही कुश जूनियर फॉर्मूला के शिखर पर एफआई कंस्ट्रक्टर्स वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय बन गए।

इससे पहले कुश ने एफ2 पोल पोजीशन का दावा करने वाले पहले भारतीय बने थे। सीज़न के उतार-चढ़ाव के बावजूद, कुश ने इनविक्टा की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, हंगरी में रेस जीत सहित पांच पोडियम हासिल किए। जेद्दा में उनकी पोल पोजीशन ने टीम के प्रभावी अभियान की नींव रखी, जिसका समापन कुश की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से उनकी जीत के रूप में हुआ। अंतिम दौड़ के लिए, मैनी ने अबू धाबी क्वालीफाइंग पी6 में एक ठोस क्वालीफाइंग दौर में प्रवेश किया और दोनों दौड़ में और भी बेहतर शुरुआत की। उन्होंने अपनी पहली लैप में स्प्रिंट में 6 स्थान और पहली लैप में फीचर में 3 स्थान प्राप्त किए। हालाँकि, उनके फर्श पर कुछ क्षति ने उन्हें स्प्रिंट के लिए बैकफुट पर डाल दिया, जबकि रुके हुए पिटस्टॉप ने रविवार को फीचर रेस में सीज़न को उच्च स्तर पर खत्म करने की उनकी योजना में बाधा डाली।

मैनी ने शानदार उपलब्धि के बाद कहा, "यह वह वर्ष नहीं है जब मैं चाहता था कि यह बताया जाए कि हमने कैसे शुरुआत की, लेकिन अभी भी कंस्ट्रक्टर्स चैम्पियनशिप में सहित बहुत सारी सकारात्मकताएं अपने साथ ले जाना बाकी है। अच्छी रेस के लिए इनविक्टा में सभी को धन्यवाद और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं। मेरे लिए आगे क्या होगा, इसका इंतजार कर रहा हूं और अगले साल के लिए उत्सुक हूं।" यह ऐतिहासिक जीत न केवल भारतीय मोटरस्पोर्ट इतिहास में कुश मैनी की जगह को मजबूत करती है, बल्कि एक चुनौतीपूर्ण लेकिन पुरस्कृत सीज़न के दौरान उनके लचीलेपन और दृढ़ संकल्प को भी रेखांकित करती है।

बोटाफोगो ने तीसरी बार जीता ब्राजीलियन सेरी ए खिताब

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ग्रेगोर के अंतिम क्षणों में किये गये गोल की मदद से बोटाफोगो ने रविवार को साओ पाउलो को 2-1 से हराकर तीसरी बार ब्राजीलियन सेरी ए खिताब जीतकर 29 साल का इंतजार खत्म किया।

बोटाफोगो के लिए मैच के 37वें मिनट में जेफर्सन सावारिनो ने पहला गोल किया, इसके बाद विलियम गोम्स ने 63वें मिनट में साओ पाउलो को लिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

ग्रेगोर ने 92वें मिनट में एक गलत डिफेंसिव पास का फायदा उठाते हुए गोल किया।

रियो डी जेनेरियो के ओलंपिक स्टेडियम में हुए इस परिणाम का मतलब था कि बोटाफोगो ने 79 अंकों के साथ सीजन का समापन किया, जो दूसरे स्थान पर मौजूद पाल्मेरास से छह अंक आगे था।

यह आठ दिनों में बोटाफोगो के लिए दूसरी बड़ी ट्रॉफी थी, इससे पहले रियो की टीम ने ब्यूनस आयर्स में कोपा लिबर्टाडोरेस फाइनल में एटलेटिको मिनेरो को 3-1 से हराया था।

बोटाफोगो के मैनेजर आर्टुर जॉर्ज ने कहा कि पिछले सीजन में मिली निराशा के बाद यह खिताब जीतना शानदार है। पिछली बार टीम ने पाल्मेरास से सीरी ए खिताब हारने के लिए 13 अंकों की बढ़त गंवा दी थी। पुर्तगाल के ब्रागा से अप्रैल में क्लब में शामिल हुए जॉर्ज ने स्पोर्टव से कहा, मैं बहुत खुश हूं, सिर्फ इसलिए नहीं कि हमने इस सीजन में अपने लक्ष्य हासिल किए हैं, बल्कि इसलिए भी कि खिलाड़ियों ने पिछले साल बहुत कुछ झेला। हमारा सीजन असाधारण रहा और प्रशंसक किसी से भी ज्यादा इसके हकदार हैं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें बहुत कुछ सहना पड़ा है। बोटाफोगो, जिसने पिछले शीर्ष-स्तरीय खिताब 1968 और 1995 में जीते थे, एक ही साल में ब्राजीलियन सीरी ए और कोपा लिबर्टाडोरेस खिताब हासिल करने वाला केवल तीसरा क्लब है। यह उपलब्धि पेले के सैंटोस ने 1962 और 1963 में और फ्लेमेंगो ने 2019 में भी हासिल की थी।

बोटाफोगो की टीम अब अपना ध्यान कतर में होने वाले फीफा इंटरकांटिनेंटल कप के उद्घाटन संस्करण पर लगाएगी, जहां बुधवार को क्वार्टर फाइनल में उनका सामना मैक्सिको के पचुका से होगा।

महिला एचआईएल

भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा : नेहा

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में ओडिशा वॉरियर्स की कप्तानी कर रहीं नेहा ने अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए उद्घाटन एचआईएल को एक बड़ा मंच करार दिया।

हाल ही में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के साथ जीत हासिल करने के बाद, नेहा अब भारतीय हॉकी में इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए नई ऊर्जा और फोकस के साथ कप्तानी की भूमिका में कदम रख रही हैं।

नेहा ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, "हम वर्षों से इस तरह के मंच की प्रतीक्षा कर रहे थे, और अब जब यह अंततः यहाँ है, तो यह अवास्तविक लगता है। यह युवा लड़कियों के लिए राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा अवसर है। यह लीग उन लोगों को भी प्रेरित करेगी जो इस सीज़न में आगे नहीं बढ़ पाए और उन्हें कड़ी मेहनत करने और अगले संस्करण के लिए लक्ष्य बनाने की प्रेरणा मिलेगी। मुझे विश्वास है कि एचआईएल भारतीय टीम के लिए नई प्रतिभाओं को सामने लाने में मदद करेगा।"

ओडिशा वॉरियर्स की कप्तान नियुक्त की गईं नेहा नई जिम्मेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा,"एक कप्तान के रूप में यह मेरा पहला बड़ा टूर्नामेंट है, और दबाव की भावना होने के बावजूद, मैं चुनौती को लेकर उत्साहित हूं। मैं कुछ समय तक भारतीय सेटअप का हिस्सा रही हूं, इसलिए मुझे पता है कि जरूरत पड़ने पर कैसे आगे बढ़ना है। मैंने हमेशा नेतृत्व की भूमिकाएँ स्वीकार की हैं, चाहे वह अपने साथियों का मार्गदर्शन करना हो या मैदान पर महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो। हमारी टीम अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से भरी है, इसलिए मुझे उन्हें ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेरा लक्ष्य उदाहरण के साथ नेतृत्व करना और अपनी टीम में सर्वश्रेष्ठ लाना है।"

एचआईएल नीलामी में, नेहा को 10 लाख रुपये में खरीदा गया, जो खेल में उनके बहुमूल्य योगदान का प्रमाण है।

अपनी शादी सहित हालिया व्यक्तिगत मील के पत्थर के बावजूद, नेहा अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, "मैं अपने जीवन के दोनों पहलुओं का प्रबंधन वर्षों से करती आ रही हूँ। मेरी शादी से खेल के प्रति मेरा दृष्टिकोण नहीं बदलेगा। मेरे पति अविश्वसनीय रूप से सहायक हैं और समझते हैं कि हॉकी मेरे लिए कितना मायने रखती है। इसलिए, अभी मेरा एकमात्र ध्यान एचआईएल पर है, और मैं इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं।" एचआईएल नीलामी में, नेहा को 10 लाख रुपये में खरीदा गया, जो खेल में उनके बहुमूल्य योगदान का प्रमाण है। हालाँकि उन्होंने यह तय नहीं किया है कि पैसे का उपयोग कैसे किया जाए, वह युवा एथलीटों के विकास में योगदान देने की उम्मीद करती हैं। उन्होंने कहा, मैं किसी तरह से वापसी करना चाहती हूं, शायद हॉकी अकादमियों में उन लड़कियों का समर्थन करके, जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। बिहार के राजगीर में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी जीत से ताज़ा, नेहा एचआईएल में वही आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प ला रही हैं। उन्होंने कहा, "घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा विशेष होता है। प्रशंसकों की ऊर्जा और समर्थन ने राजगीर में हमारी सफलता में एक बड़ी भूमिका निभाई और मैं एचआईएल में भी इसी तरह के माहौल की उम्मीद कर रही हूं। एक केंद्रीय मिडफील्डर के रूप में, मेरा उद्देश्य आक्रमण और रक्षा दोनों का समर्थन करना और हर पहलू में अपनी टीम की मदद करना है। जैसा कि महिला एचआईएल भारतीय महिला हॉकी में क्रांति लाने की तैयारी कर रही है, नेहा ने महत्वाकांक्षी युवा खिलाड़ियों को सलाह देते हुए कहा, "युवा खिलाड़ियों को मेरी सलाह है कि इस अवसर का लाभ उठाएं और मैदान पर खुद को अभिव्यक्त करें। हमने इस तरह की लीग के लिए लंबे समय तक इंतजार किया है और आखिरकार यह यहां है। इस मंच का उपयोग कड़ी मेहनत करने, अपने कौशल में सुधार करने और अपने करियर के शुरुआती चरण में चमकने के लिए करें।

बुमराह का अन्य गेंदबाजों को भी देना होगा साथ : रोहित शर्मा

एजेंसी

एडिलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एडीलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार के बाद टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का बचाव किया है। रोहित ने कहा कि बुमराह हमेशा अपने बल पर ही गेंदबाजी की जिम्मेदारी नहीं उठा सकते हैं। ऐसे में अन्य गेंदबाजों को भी उनका साथ देने अपना स्तर ऊपर उठाना होगा। बुमराह ने यहां मेजबान टीम की पहली पारी में चार विकेट लिए थे। रोहित ने कहा, ' बुमराह अकेले ही पूरी जिम्मेदारी नहीं उठा सकते। वह दोनों छोर से गेंदबाजी नहीं कर सकते। इसलिए अन्य गेंदबाजों को भी आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी है, बुमराह ही हमेशा विकेट लें ये संभव नहीं है। इस मैच में युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने 16 ओवर में ही 86 रन दे दिये थे पर रोहित ने उनका भी बचाव किया है।

रोहित ने कहा, ' राणा को केवल एक टेस्ट मैच के आधार पर ही आंकना सही नहीं होगा। मुझे नहीं लगता कि उसने कुछ गलत किया है और उसे बिना किसी कारण के बाहर नहीं किया जा सकता है। राणा एक जज्बे वाला खिलाड़ी है। रोहित ने मैच में हेड और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के बीच हुई बहस को ज्यादा तूल देने से इंकार कर दिया। हेड को आउट करने के बाद सिराज की उनसे बहस हुई थी। इसको लेकर रोहित ने कहा, 'खेल के दौरान आक्रामक होने और अति-आक्रामक होने के बीच बहुत कम अंतर होता है। कप्तान के रूप में यह देखना मेरा काम है कि कोई भी इस सीमा को पार न करे।

शमी पूरी तरह फिट होने के बाद ही वापसी करें : रोहित

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की हार के बाद तेज गेंदबाज मो शमी को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग उठ रही है। इसी को लेकर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि शमी जब भी चाहें टीम में शामिल हो सकते हैं पर मेरा मानना है कि उन्हें पूरी तरह से फिट होने के बाद ही टीम में शामिल होना चाहिये। टीम उनको शामिल करने को लेकर किसी तरह की जल्दबाजी नहीं चाहती है। उन्होंने कहा, 'शमी की प्रगति पर लगातार हमारी नजरें हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते हुए, उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई थी। उस कारण से टेस्ट मैच खेलने के लिए वह जो तैयारी कर रहे हैं, उसको थोड़ा झटका लगा है। हम उनको लेकर सावधानी बरत रहे हैं जिससे कि वापसी के बाद उन्हें फिर कोई समयस्या नहीं हो। इसलिए हम चाहते हैं कि वह पूरी तरह से फिट होने के बाद ही टीम में लौटें। हम यह भी बिल्कुल नहीं चाहते कि उन पर टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दबाव बनाया जाये। शमी की कमी इसलिए टीम को खल रही है क्योंकि पर्थ टेस्ट में बुमराह के कारण भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कठिन हालातों परिस्थिति में भी वापसी करने में सफल रही थी पर एडिलेड टेस्ट में दूसरे गेंदबाज बुमराह के बनाये दबाव को आगे नहीं ले जा पाये हैं।

सिराज और हेड पर जुर्माना लगा सकता है आईसीसी

एजेंसी

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड पर एडीलेट टेस्ट में बहसबाजी के लिए जुर्माना लगा सकती है। एक रिपोर्ट के अनसुार इन दोनो पर ही आचारसंसहिता उल्लंघन का आरोप है पर इस मामले में इंनके निलंबन की संभावना नहीं है। दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी द्वारा दोषी पाया गया और ऐसे में इस मामले में अब इन्हें क्या सजा मिलती है ये देखना होगा।

वहीं इस घटना को लेकर हेड ने कहा, शायद यह थोड़ा आगे बढ़ गया, इसलिए मैं अपनी प्रतिक्रिया से निराश हूं, लेकिन मैं अपने लिए भी खड़ा होने जा रहा हूं। हमारी टीम में ऐसा सोचना पसंद है, हम ऐसा नहीं करेंगे। वह तरीका नहीं है जिस तरह से मैं खेल खेलना चाहता हूं और मुझे लगता है कि मेरे साथी भी ऐसे ही हैं। अगर मैं ऐसा देखता हूं, तो शायद मैं इसकी निंदा करता हूं, जो मैंने किया। वहीं सिराज ने कहा, जब आप एक अच्छी गेंद पर छक्का खाते हैं, तो यह आपको अलग तरह से परेशान करता है। जब मैंने उसे बोल्ड किया, तो मैंने केवल जश्न मनाया और उसने मुझे अपशब्द कहे , आपने इसे टीवी पर भी देखा। मैंने सिर्फ शुरुआत में जश्न मनाया पर उससे कुछ नहीं कहा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उसने जो कहा वह सही नहीं था। हम सभी का सम्मान करते हैं, ऐसा नहीं है कि हम दूसरे खिलाड़ियों का अनादर करते हैं। मैं सभी का सम्मान करता हूं क्योंकि क्रिकेट सज्जनों का खेल है, लेकिन उसने जो किया वह सही नहीं था।

खो खो विश्वकप के लिए आज से शुरु होगा प्रशिक्षण शिविर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की मेजबानी में अगले महीने होने वाले खो खो विश्वकप के लिए भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर 10 दिसंबर मंगलवार से प्रतिष्ठित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शुरु होगा। शिविर में देश भर से चुने गए 60 लड़कियों और 60 लड़कों को टीम भावना विकसित करने, कौशल बढ़ाने, मानसिक मजबूती, अनुशासन और टीम बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।

इसके अलावा इस शिविर में अनुभवी और नए युवा प्रतिभाशाली खिलाडियों को खेल विशेषज्ञों की ओर से पोल डाइविंग, टैपिंग, ज़िग ज़ैग रनिंग, डाजिंग टैपिंग आदि खो खो खेल की बारीकियां सिखाई जाएँगी। भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने आज यहां बताया कि खो खो विश्वकप से पहले राष्ट्रीय टीम की तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है तथा इस प्रशिक्षण शिविर के प्रदर्शन के आधार पर खो खो विश्व कप में भाग लेने के लिए 15 लड़कों और 15 लड़कियों की राष्ट्रीय टीम का चयन किया जाएगा जोकि विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह शिविर 13 से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाले खो खो विश्व कप के लिए उनकी अंतिम तैयारियों की शुरुआत है। भारतीय राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच अश्विनी शर्मा की देखरेख में एक महीने तक यह फिटनेस और प्रशिक्षण शिविर चलेगा। इसमें खिलाड़ियों की चपलता और तकनिकी पर फोकस होगा। इस प्रशिक्षण शिविर में देशभर के पुरुष और महिला वर्ग दोनों के साठ साठ प्रतिभाशाली खिलाड़ी, अनुभवी और नए प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। जहाँ खिलाड़ी बिजली की तरह तेज रिफक्स, सटीक मूवमेंट और सहज समन्वय की तकनीक सीखेंगे।

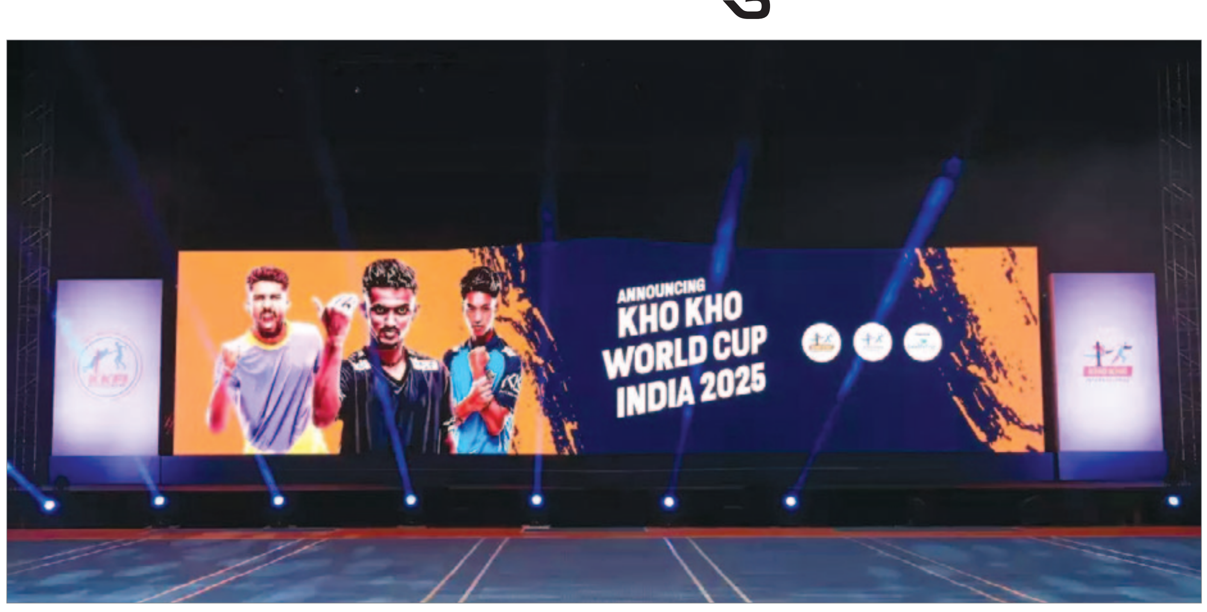

यह शिविर खिलाड़ियों को एक टीम के रूप में एक-दूसरे के साथ मिलकर कैसे मुकाबला जीता जाता है यह सीखने का अवसर प्रदान करेगा।

कोच ने बताया कि विश्व कप के लिए अंतिम टीमों का चयन प्रशिक्षण शिविर के दौरान उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। लगभग 16 कोच और सहायक कर्मचारी खिलाड़ियों को इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारी में सहायता करेंगे।

प्रशिक्षण शिविर में समन्वय, खेल अभ्यास, तकनीक, पोल डाइविंग और टैपिंग जैसे पीछा करने के कौशल, डोजिंग और जिग जैग रनिंग जैसे रनिंग कौशल आदि में विशेष प्रशिक्षण के साथ फिटनेस के स्तर को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों के लिए केकेएफआई ने खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए एक खेल मनोवैज्ञानिक को भी नियुक्त किया है। वह खिलाड़ियों को चुनौतियों का सामना करने, दबाव को रोकने और मानसिक थकान से निपटने में मदद करेंगे। सुधांशु मित्तल ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर की औपचारिक शुरुआत से पहले दो दिनों के दौरान खिलाड़ियों की शारीरिक स्थिति के लिए सभी आवश्यक चिकित्सा परीक्षण किए जाएंगे। खिलाड़ियों के रहने और खाने की व्यवस्था जवाहर लाल नेहरू साई छात्रावास में की जाएगी जो प्रशिक्षण शिविर स्थल से 100 मीटर की दूरी पर है। सभी खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास सुविधा तथा 20,000/- (बीस हजार रुपये) मूल्य की खेल किट उपलब्ध कराई जाएगी।

खिलाड़ियों के पोषण का विशेष प्रबंध किया गया है तथा प्रशिक्षण शिविर में उन्हें आहार, सूखे मेवे, जूस, शाकाहारी तथा मांसाहारी भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

सीरियाई राष्ट्रपति देश छोड़कर भागे, सेना बोली- उनकी सत्ता खत्म

विद्रोही राजधानी दमिश्क पहुंचे, पीएम सत्ता सौंपने को तैयार, टैंकों पर चढ़कर जश्न मना रहे लोग

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर भाग चुके हैं। सेना ने असद के देश छोड़ने की पुष्टि करते हुए कहा कि देश में राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो चुकी है। सीरिया में पिछले 11 दिनों से विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी। विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में घुस चुके हैं। सीरियाई पीएम ने विद्रोहियों को सत्ता सौंपने का प्रस्ताव दिया है। क्करूमोहम्मद गाजी अल जलाली ने एक रिकॉर्डिंग में कहा है कि वो देश में ही रहेंगे और जिसे भी सीरिया के लोग चुनेंगे उसके साथ मिलकर काम करेंगे।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में विद्रोहियों ने सीरिया के चार बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है। इनमें अलेप्पो, हमा, होम्स और दारा शहर शामिल है। विद्रोही लड़ाके राजधानी दमिश्क में दारा शहर की तरफ से घुसे हैं, जिस पर उन्होंने 6 दिसंबर को कब्जा किया था। दारा वही शहर है, जहां से 2011 में राष्ट्रपति बशर अल-असद के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत हुई थी और पूरे देश में जंग छिड़ गई थी। दारा से राजधानी दमिश्क की दूरी करीब 100 किमी है। यहां स्थानीय विद्रोहियों ने कब्जा किया है। वहीं, अलेप्पो, हमा और होम्स इस्लामी चरमपंथी ग्रुप हयात तहरीर अल-शाम की गिरफ्त में है। संघर्ष की वजह से अब तक 3.70 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

असद ने 11 दिन में सत्ता गवाई : सीरिया में 27 नवंबर को सेना और सीरियाई विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम (॥ञ्ञस्) के बीच 2020 की सीजफायर के बाद फिर संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद 1 दिसंबर को विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। इसे राष्ट्रपति बशर अल असद ने सीरिया की जंग के दौरान 4 साल की लड़ाई के बाद जीता था। अलेप्पो जीतने के 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बड़े शहर हमा और फिर दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा कर लिया। इसके बाद राजधानी दमिश्क को दो दिशाओं से घेर लिया है। दारा और राजधानी दमिश्क के बीच सिर्फ 90 किमी की दूरी है। इस तरह असद ने सिर्फ 11 दिन के भीतर अपनी सत्ता गवां दी और सीरिया पर असद परिवार के 50 साल का शासन खत्म हुआ।

अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन के मुताबिक विद्रोही बशर अल असद को खोजने में जुटे हैं। वे सीरियाई सेना के अधिकारियों और इंटेलिजेंस अफसरों से पूछताछ कर रहे हैं। दमिश्क पर विद्रोहियों के कब्जे के बाद से असर और उनके परिवार को लेकर कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, कुछ रिपोर्टस में दावा किया गया है कि वे रूस जा चुके हैं।

असद परिवार के 50 साल के शासन का अंत : साल 2000 में हाफिज की मौत के बाद बशर ने सीरिया की सत्ता संभाली। इसके बाद से बशर सीरिया के राष्ट्रपति थे। 2011 में जब मिडिल ईस्ट में अरब क्रांति की शुरुआत हुई तब सीरिया में भी असद के खिलाफ विद्रोह शुरू हुए, जिन्हें बेरहमी से कुचल दिया गया। इसके बाद वहां गृह युद्ध की शुरुआत हुई। अब बशर के देश छोड़ने के बाद विद्रोहियों ने वीडियो जारी कर कहा कि देश में असद परिवार के काले युग का अंत हो गया है। हम देश में नए युग की शुरुआत की घोषणा करते हैं।

ट्रम्प बोले- सीरिया की लड़ाई से हमारा लेना देना नहीं : सीरिया में विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम और सेना की बीच टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है। विद्रोही अब तक सीरिया के तीन प्रमुख शहरों पर कब्जा कर चुके हैं। इसे लेकर डोनाल्ड ट्रम्प ने बयान जारी कहा है कि अमेरिका को सीरिया की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहिए। एक्स पोस्ट में ट्रम्प ने कहा- सीरिया में तबाही मची हुई है, लेकिन वो हमारा दोस्त नहीं है। अमेरिका का इससे कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। यह हमारी लड़ाई नहीं है। इसे चलने दो। अगर रूस को सीरिया से बाहर जाने के लिए मजबूर किया गया तो ये उसके लिए फायदे की बात हो सकती है, क्योंकि वहां उसका कोई खास फायदा नहीं है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ईरान ने शुक्रवार से सीरिया से अपने सैन्य कमांडरों, रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़े लोगों, राजनयिक कर्मचारियों और उनके परिवारों को निकालना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ईरान पहले की तरह असद सरकार का साथ देने में असमर्थ है। अधिकारी ने बताया कि दमिश्क में रह रहे विशेष कर्मचारियों को विमानों से तेहरान लाया जा रहा है। जबकि बाकियों को जमीनी रास्ते से लताकिया बंदरगाह जा रहे हैं जहां से वे ईरान पहुंचेंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर मनामा डायलॉग में भाग लेने के लिए बहरीन पहुंचे

मनामा, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर मनामा डायलॉग में भाग लेने के लिए मनामा बहरीन पहुंचे. जयशंकर का स्वागत बहरीन के विदेश मंत्री ने किया. वह रविवार और सोमवार को बहरीन में रहेंगे. इस दौरान महत्वपूर्ण मुद्दों पर समकक्षों के साथ चर्चा करेंगे. जयशंकर ने एक्स पर इस संबंध में जानकारी दी. इसमें उन्होंने कहा, आज शाम मनामा पहुंचकर बहुत प्रसन्न हूं. अपने भाई विदेश मंत्री डॉ. अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी से मिलकर बहुत अच्छा लगा. मनामा वार्ता में शामिल होने को लेकर उत्साहित हूं. मुझे विश्वास है कि यह वार्ता सार्थक होगी. विदेश मंत्री अपनी यात्रा के दूसरे चरण के तहत बहरीन की यात्रा कर रहे हैं. वे 8 से 9 दिसंबर तक बहरीन में रहेंगे, जहां वे बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी के साथ चौथे भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की सह-अध्यक्षता करेंगे. इस मंत्रिस्तरीय बैठक में द्विपक्षीय संबंधों के पहलुओं की समीक्षा की जाएगी. साथ ही दोनों देशों के बीच संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में वार्ता की जाएगी. विदेश मंत्री 8 दिसंबर को बहरीन में आईआईएसएस मनामा वार्ता के 20वें संस्करण में भी भाग लेंगे. इस वर्ष की मनामा वार्ता का विषय है क्षेत्रीय समृद्धि और सुरक्षा को आकार देने में मध्य पूर्व नेतृत्व. भारत और बहरीन के बीच सौहार्दपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और लोगों के बीच संपर्कों की विशेषता वाले उत्कृष्ट द्विपक्षीय संबंध हैं. दोनों देशों के बीच कई उच्च स्तरीय बातचीत हुई है जो दोनों देशों के बीच संबंधों की निकटता को दर्शाती है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि बहरीन भारत के साथ अधिक आर्थिक जुड़ाव की तलाश में है क्योंकि बहरीन बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्व और क्षमता को पहचानता है और हाल के दिनों में इसकी पूर्व की ओर देखो नीति में भारत एक प्रमुख धुरी के रूप में है. दोनों देशों के बीच सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सहयोग है. दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंध भी बढ़ रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में तूफान का कहर, हजारों घरों में बिजली गुल, रेल सेवा बाधित, उड़ानें रद्द

लंदन, एजेंसी। तूफान दर्राघ के कारण शनिवार को ब्रिटेन में हजारों घरों में बिजली गुल हो गई, रेल-हवाई यात्रा बाधित हुई और खेल कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, नेशनल ग्रिड ने बताया कि लगभग 60,000 परिसरों में बिजली नहीं थी, जिनमें वेल्स में 35,000 से अधिक और दक्षिण-पश्चिम में 19,000 से अधिक परिसर शामिल हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्डिफ एयरपोर्ट ने शनिवार दोपहर तक अपना रनवे बंद कर दिया। लिवरपूल और मैनचेस्टर जैसे अन्य एयरपोर्ट पर उड़ानें पूरे दिन रद्द रहीं या देरी से चलीं। नेशनल रेल ने कहा कि तूफान के कारण भारी बारिश और हवा की वजह से महत्वपूर्ण व्यवधान आने की आशंका है, जिससे पूरे वीकेंड में इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड में सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है। शनिवार को होने वाले एवर्टन और लिवरपूल के बीच मर्सीसाइड डर्बी सहित खेल आयोजनों को खराब मौसम और तेज हवाओं के कारण सुरक्षा कारणों से स्थगित या रद्द कर दिया गया। मौसम विभाग ने हवा के लिए दुर्लभ रेड वार्निंग जारी की, जो शनिवार दोपहर तक दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड और वेल्स में प्रभावी रही। देश के अन्य हिस्सों में भी हवा और बारिश के लिए कई एम्बर और येलो वार्निंग जारी की गईं। इस बीच, 100 से अधिक बाढ़ चेतावनियां और अलर्ट भी जारी किए गए हैं। आयरलैंड में, लगभग 4,00,000 घरों, दुकानों और ऑफिस में बिजली नहीं रही, कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। मौसम के चौथे तूफान, दर्राघ के परिणामस्वरूप रेल सेवाएं बाधित हुईं।

पाकिस्तान : सैन्य ऑपरेशन में मारे गए 6 सुरक्षाकर्मी और 22 आतंकवादी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में विभिन्न सैन्य अभियानों में 22 आतंकवादी और 6 सुरक्षा कर्मी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विभिन्न जिलों में अभियान चलाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टैंक जिले में एक खुफिया-ऑपरेशन के दौरान नौ आतंकवादी मारे गए और छह अन्य घायल हो गए। एक अन्य ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वज़ीरिस्तान जिले में आतंकवादियों के ठिकानों पर छापा मारा, जिसमें 10 आतंकवादी मारे गए। वहीं, सुरक्षा बलों ने हंगू जिले में एक सुरक्षा चौकी पर हमला करने के आतंकवादियों के प्रयास को नाकाम कर दिया और तीन आतंकवादियों को मार गिराया। बयान में कहा गया कि हंगू जिले में ऑपरेशन के दौरान छह सैनिक मारे गए। बता दें कि 21 नवंबर को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) के लोउर कुर्रम इलाके में यात्री वाहनों के काफिले पर हुई गोलीबारी में कम से कम 38 लोग मारे गए थे। अहमदी शमा के स्टेशन हाउस ऑफिसर कलीम शाह ने यह जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि मृतकों में तीन महिलाएं भी थीं। गृह मंत्री ने कहा था, केपी हमारे प्रांतों में से एक हैं, हमारे देश का हिस्सा हैं और हम इसे पीछे नहीं छोड़ेंगे। हम हर मुमकिन मदद करेंगे। घटना का ब्यौरा देते हुए केपी सरकार के प्रवक्ता बैरिस्टर डॉ. सैफ ने बताया था कि पहले पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया और फिर दोनों तरफ से यात्रियों के काफिले को निशाना बनाया गया। काफिले में करीब 200 वाहन थे।

नेपाल-चीन के बीच बीआरआई पर भारत को नुकसान नहीं : महासेठ

ढाका, एजेंसी। नेपाल में सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री रघुबीर महासेठ ने कहा कि भारत को नेपाल और चीन द्वारा हस्ताक्षरित 'बेल्ट एंड रोड' समझौते पर आपत्ति नहीं जतानी चाहिए क्योंकि इस संपर्क परियोजना से नई दिल्ली को भी लाभ हो सकता है। नेपाल-चीन के बीच कई अरब डॉलर के बीआरआई' समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किए गए, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हो गया।

आइवरी कोस्ट में दो बसों के हादसे में 26 मौतें, 28 घायल

आइवरी कोस्ट, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीका स्थित कोत दिव्वार (आईवरी कोस्ट) में दो बसों की भीषण टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। परिवहन मंत्रालय ने कहा, देश के मध्य-पश्चिम में ब्रोकोआ गांव में दो वाहनों की टक्कर हो गई। मारे गए 26 लोगों में से दस की मौत टक्कर के बाद लगी आग में झुलसने से हुई। खस्ताहाल सड़कों और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण पश्चिमी अफ्रीकी देश में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। यहां ऐसे हादसों में प्रतिवर्ष 1,000 से अधिक लोग मारे जाते हैं।

चीन ने ताइवान के पास 14 युद्धपोत, 7 सैन्य विमान एवं चार गुब्बारे भेजे, ताइवान ने लगाया आरोप

ताइपे, एजेंसी। चीन ने ताइवान पर अपने दावों को लेकर दबाव बनाने की रणनीति के तहत द्वीप के निकट 14 युद्धपोत, सात सैन्य विमान और चार गुब्बारे भेजे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। चीन ने ऐसे समय में ये सैन्य गतिविधियां की हैं जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की अमेरिका समेत प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों की हालिया यात्रा के जवाब में बीजिंग द्वीप के आसपास सैन्य अभ्यास कर सकता है। चीन दो करोड़ 30 लाख लोगों की आबादी वाले स्वशासित ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और ताइवान के साथ अन्य देशों के औपचारिक संबंधों पर आपत्ति जताता है। अमेरिका समेत अधिकतर देश ताइवान को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देते लेकिन अमेरिका अनौपचारिक तौर पर ताइवान का प्रमुख समर्थक है और इसे हथियार बेचता है। चीन सरकार ने आवश्यकता पड़ने पर सैन्य बल के माध्यम से ताइवान पर कब्जा करने का संकल्प लिया है तथा वह लगभग हर रोज द्वीप के निकट अपने पोत और सैन्य विमान भेजता है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह छह बजे से रविवार सुबह छह बजे के बीच 24 घंटे में 14 युद्धपोत, सात सैन्य विमान और चार गुब्बारे देखे गए। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से छह विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया।

पेरिस के आर्कबिशप की दस्तकों के बाद खुला ऐतिहासिक चर्च; 2019 अग्निकांड के बाद हुआ था बंद

पेरिस , एजेंसी। नोट्रे डेम कैथेड्रल को आज फिर से जनता के लिए खोला गया। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के बहाली और पुनर्निर्माण के बाद आधिकारिक उद्घाटन से पहले, इस ऐतिहासिक स्थल की झलक पेश की गई। 900 साल पुरानी इस इमारत के पुनर्निर्माण में हजारों वास्तुकारों और कारीगरों ने काम किया। नोट्रे डेम के उद्घाटन में कई देशों के प्रमुख और प्रमुख गणमान्य लोग शामिल होंगे, जिनमें नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूके के प्रिंस विलियम आदि भी शामिल हैं। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने नोट्रे डेम कैथेड्रल को बचाने, मदद करने और पुनर्निर्माण करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेरिस के आर्कबिशप लॉरेंट उलरिच ने नोट्रे डेम के दरवाजे पर तीन बार दस्तक दी, जो आधिकारिक तौर पर कैथेड्रल के फिर से खुलने का प्रतीक है। लगभग पांच साल पहले, फ्रांस के प्रसिद्ध नोट्रे डेम कैथेड्रल में भीषण आग लगी थी। अप्रैल 2019 में लगी आग ने छत का अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया था। 12वीं शताब्दी की गॉथिक शैली की कृति का शिखर गिर गया था। इस आग के पीछे का कारण शॉर्ट सर्किट माना गया था। साथ ही आग को बुझाने में लगभग 400 फायर फाइटर्स को 15 घंटे कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। शिखर के अलावा, कैथेड्रल के अंदर कुछ अवशेष और कला भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, हालांकि, घंटाघर और अग्रभाग सुरक्षित रहे। उसी साल, 1803 के बाद पहली बार कैथेड्रल में क्रिसमस मास का आयोजन नहीं हुआ था। राष्ट्रपति मैक्रों ने पांच साल में फिर से चर्च बहाली का वादा किया था राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने एक भावनात्मक भाषण में पांच साल के भीतर कैथेड्रल को फिर से बहाल करने का वादा किया था। अब, 2,055 दिन और 800 मिलियन डॉलर के खर्च के बाद पुनर्निर्माण पूरा हो गया है, हालांकि कैथेड्रल के बाहरी हिस्से पर काम अभी भी जारी है। कैथेड्रल की बाहरी मूर्तियों, जिनमें प्रसिद्ध गार्गॉयल्स और चिमेरास भी शामिल हैं, को कंप्यूटर से स्कैन किया गया और फिर चूना पत्थर से फिर से बनाया गया। करीब 2,000 शिल्पकार, वास्तुकार और अन्य पेशेवरों ने इस नवीकरण कार्य में हिस्सा लिया। इसमें छत की मरम्मत, नए पत्थर का काम, 17वीं शताब्दी के तेल चित्रों की बहाली और क्षतिग्रस्त खिड़कियों का नवीनीकरण शामिल था। छत की पुनर्निर्माण के लिए लगभग 2,000 ओक के पेड़ों का इस्तेमाल किया गया। 40000 वर्ग मीटर पत्थर साफ किया अब, भविष्य में आग लगने की स्थिति में पानी की बूंदों को छोड़ने के लिए पाइपों की एक प्रणाली बनाई गई है। सबसे कठिन काम उस धूल और गंदगी को साफ करना था जो सदियों से इमारत पर जमा हो गई थी। करीब 40,000 वर्ग मीटर पत्थर को साफ किया गया। 2019 में आग लगने से पहले, प्रति वर्ष लगभग 12 मिलियन लोग नोट्रे डेम का दौरा करते थे।

अमेरिका में टिकटॉक पर बैन लगभग तय : फेडरल कोर्ट ने पेरेंट कंपनी बाइटडांस की हिस्सेदारी बेचने को कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। चाइनीज शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक पर अमेरिका में बैन लगना लगभग तय हो गया है। कोर्ट ने टिकटॉक को 19 जनवरी तक अपनी पेरेंट कंपनी बाइटडांस की हिस्सेदारी बेचने के लिए कहा है, नहीं तो ऐप को अमेरिका में बैन कर दिया जाएगा। यूएस की एक फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को ऐप की फ्री स्पीच वाली अपील को खारिज कर दिया है। तीन जजों की बेंच ने सुनवाई करते हुए बाइटडांस के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका का कोई भी कानून किसी भी तरह फ्री स्पीच को नहीं रोकता है।

न्यायाधीश डगलस गिन्सबर्ग ने फैसले में लिखा- अमेरिका में फ्री स्पीच की रक्षा करने के लिए पहला संविधान संशोधन मौजूद है। सरकार ने दुश्मन देश से फ्री स्पीच की रक्षा की है। अमेरिका ने विरोधी देश को अमेरिकी लोगों का डेटा इकट्ठा करने से रोका है। भारत सरकार जून-2020 में और ब्रिटेन सरकार मार्च-2023 में चाइनीज शॉर्ट वीडियो ऐप को बैन कर चुकी है। इसके अलावा पाकिस्तान, नेपाल और अफगानिस्तान सहित करीब 50 देशों ने भी टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा रखा है।

है मामला: क्या हैं विकल्प? सुप्रीम कोर्ट जा सकती हैं कंपनियां - बाइटडांस और टिकटॉक सुप्रीम कोर्ट में फैसले को चुनौती दे सकती हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि अदालत इस मामले को उठाएगी या नहीं। कंपनियों ने मामले को हायर कोर्ट में ले जाने के इरादे की पुष्टि कर चुकी हैं, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पास अमेरिकियों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने का एक स्थापित ऐतिहासिक रिकॉर्ड है।

नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोक सकते हैं बैन : अगर 19 जनवरी को टिकटॉक पर बैन लगता है तो इसे रोका जा सकता है। क्योंकि, 20 जनवरी को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेंगे और माना जा रहा है कि ट्रंप टिकटॉक के बैन का विरोध कर सकते हैं। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान टिकटॉक के बचाव की बात कही थी। हालांकि ऐसा करना कानूनी तौर पर संभव नहीं माना जा रहा है। एक विकल्प यह है कि ट्रंप इस कानून को वापस लेने के लिए कांग्रेस को भी कह सकते हैं, जिसमें रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन चाहिए होगा। टिकटॉक ने 2022 में बाइडेन प्रशासन के सामने एक समझौते का प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन प्रशासन का मानना है कि इसके पालन में तकनीकी चुनौतियां हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप का रुख नई जानकारियां मिलने के बाद बदल भी सकता है।

पाकिस्तान में राजेंद्र मेघवार ने रचा इतिहास; सीएसएस पास कर बने देश के पहले हिंदू पुलिस अधिकारी

सिंध , एजेंसी। पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की खबरें तो अक्सर आती रहती हैं, लेकिन पहली बार एक ऐसी खबर आई है जिसने हिंदू अल्पसंख्यकों का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। दरअसल, सिंध प्रांत के ग्रामीण और अविकसित बदीन इलाके के राजेंद्र मेघवार पाकिस्तान में इतिहास रच दिया है। वे पाकिस्तान के पहले हिंदू पुलिस अधिकारी बन गए हैं।

सिविल सेवा प्राधिकरण परीक्षा सीएसएस को सफलतापूर्वक पास करने के बाद मेघवार को पाकिस्तान पुलिस सेवा (पीएसपी) के फैसलाबाद में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान हिंदू मंदिर प्रबंधन समिति के कृष्ण शर्मा ने उनकी सराहना करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि राजेंद्र ने न केवल अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, बल्कि समुदाय को भी गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि समुदाय के अन्य युवाओं को उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए प्रेरित करेगी।

राजेंद्र मेघवार के पास अल्पसंख्यक समुदाय की मदद का मौका : सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में काम करते हुए राजेंद्र मेघवार के पास हिंदू अल्पसंख्यकों की मदद का भी मौका है। फैसलाबाद के पुलिस अधिकारियों भी इसे गर्वीला मौका मान रहे हैं। उनका कहना है कि फोर्स में राजेंद्र मेघवार की नियुक्ति से न केवल कानून-व्यवस्था में सुधार होगा, साथ ही साथ अल्पसंख्यक समुदायों की परेशानी भी आसानी से दूर हो सकेगी। इससे पुलिस में आम जनता का भी भरोसा बढ़ेगा।

पांच अन्य हिंदू छात्रों ने भी पास की सीएसएस परीक्षा : राजेंद्र मेघवार के अलावा, पांच अन्य हिंदू छात्रों ने भी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इनके नाम रूप मती मेघवार, पूजा ओड, सुनील मेघवार, जीवन रिबारी और भीष्म मेघवार हैं। इन्होंने प्रतिष्ठित सेंट्रल सुपीरियर सर्विसेज (सीएसएस) परीक्षा उत्तीर्ण कर पाकिस्तान में प्रशासनिक और नौकरशाही में बड़े पद हासिल किए हैं। रूपमती विदेश मंत्रालय में काम करना चाहती हैं।

पुष्पा कोहली थी सिंध की पहली महिला पुलिस अधिकारी : पहली बार पाकिस्तान के सिंध प्रांत की किसी हिंदू लड़की के रूप में पुष्पा कोहली की नियुक्ति हुई थी। प्रांतीय प्रतियोगी परीक्षा पास करने के बाद उन्हें असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर का पद मिला था। उससे पहले, पाकिस्तानी हिंदू समुदाय की सुमन पवन भोदानी को सिविल और न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किया गया था।

साउथ कोरिया में राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव फेल : विपक्ष जरूरी 200 वोट नहीं जुटा पाया

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया में राष्ट्रपति यून सुक-योल को हटाने के लिए लाया गया महाभियोग प्रस्ताव फेल हो गया। इसे पास होने के लिए 200 वोटों की जरूरत थी, लेकिन विपक्ष के पास सिर्फ 192 सांसद ही थे। इसके अलावा सत्तारूढ़ दल के तीन सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया। इसके बाद वोटों को गिने बिना ही प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया। महाभियोग पर वोटिंग से पहले सत्ताधारी पार्टी के 108 सांसदों में से 107 ने सदन से वॉकआउट कर दिया था। हालांकि बाद में इनमें से 3 सांसद वापस आ गए थे। साउथ कोरियाई संसद के स्पीकर वू वोन शिक ने इस रिजल्ट को बहुत को अफसोसजनक और लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बताया।

राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को विपक्षी पार्टी पर नॉर्थ कोरिया से सांठगांठ करने और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाकर देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। जिसके बाद विपक्ष उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया था। बुधवार को नया संसदीय सत्र शुरू होने के बाद विपक्षी दल फिर से महाभियोग प्रस्ताव पेश कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ के लिए सिर झुकाकर माफी मांगी : वहीं राष्ट्रपति यून सुक-योल ने मार्शल लॉ लगाने के लिए देश से माफी मांगी है। उन्होंने लाइव टीवी पर सिर झुकाकर जनता के सामने मार्शल लॉ लगाए जाने को गलत कहा। हालांकि उन्होंने इस्तीफे की घोषणा नहीं की। अपना पक्ष रखते हुए उन्होंने कहा- मैंने राजनीतिक या कानूनी वजहों से मार्शल लॉ लगाने का फैसला नहीं लिया बल्कि यह फैसला हताशा में लिया गया था। राष्ट्रपति की पत्नी से जुड़े मामले पर भी वोटिंग साउथ कोरिया की सदन में राष्ट्रपति पर महाभियोग के अलावा

उनकी पत्नी के भ्रष्टाचार से जुड़े मामले पर भी वोटिंग जारी है। दरअसल साउथ कोरिया की फर्स्ट लेडी पर आरोप है कि उन्होंने 13 साल पहले कोरियन शेयर मार्केट में स?टॉक की कीमतों में हेरफेर कराई थी। अब विपक्ष इस मामले में जांच के लिए अलग प्रोसिक्यूटर की नियुक्ति चाहता है जिसके लिए वोटिंग हो रही है।

राष्ट्रपति के पद छोड़ने पर 60 दिन में चुनाव कराना जरूरी अगर यून मई 2027 में अपने पांच साल का कार्यकाल खत्म होने से पहले पद छोड़ते हैं, तो संविधान के मुताबिक, 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव कराना जरूरी होगा। संसद में महाभियोग प्रस्ताव पास होने पर यून के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। जहां 9 में से 6 के जजों के वोट से प्रस्ताव साबित हो जाएगा। फिलहाल साउथ कोरिया की कोर्ट में सिर्फ 6 जज हैं, इस वजह से यह साफ नहीं है कि 7 जजों के बिना ये मुकदमा चलेगा या नहीं। राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ लगाया, विरोध के बाद 6 घंटे में हटाया साउथ कोरिया में राजनीतिक संकट तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लगाने की घोषणा की। इसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन होने लगे थे और अराजकता की स्थिति पैदा हो गई। इसी बीच देश की नेशनल असेंबली में मौजूद 190 सांसदों ने सर्वसम्मति से इस फैसले पलट दिया, जिसके बाद राष्ट्रपति मार्शल लॉ को हटाने का वादा किया था।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले रैयत का धरना आज से

बाघमारा(बिभा): अंचल कार्यालय बाघमारा में लूट और भ्रष्टाचार किसी से छिपा नहीं है विशेष कर जमीन संबंधित मामलों में जमकर पैसे का खेल होता है फरियादी रैयत अपने जमीन संबंधित मामलों को लेकर अंचल कार्यालय के चक्कर लगाते रहते हैं । ग्राम स्वराज अभियान के जगत महतो ने बताया कि अंचल कार्यालय में जमीन संबंधी शिकायत का निवारण हल्का कर्मचारी/अधिकारी द्वारा सामान्यत नहीं किया जाता । ब्रोकर के माध्यम से रिश्वत देने के बाद ही रैयत का काम होता है । कुछ माह से रैयत मुसीब अख्तर खान, सुमित्रा देवी, अरबिन्द सिन्हा, विशाल कुमार महतो, तीता कुमारी उर्फ लक्ष्मी देवी, कैलाश रजवार, कमल महतो, दिलीप कु महतो, सलिक मिस्त्री, रूपेश रवानी, राजा राम सिंह, लक्ष्मी देवी आदि कई रैयत अपने जमीन संबंधी शिकायत को लेकर परेशान है, बाध्य होकर सभी रैयत ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले 10 दिसंबर से अंचल कार्यालय बाघमारा में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठेंगे।

राज्यपाल संतोष गंगवार आईआईटी-आईएसएम धनबाद के 99वें स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

देशभर में बेहतर कार्य करने वाले पूर्ववर्ती छात्रों और फेकल्टी को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

धनबाद : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार सोमवार को धनबाद आईआईटी-आईएसएम पहुंचे. जहां उन्हें जिला पुलिस के द्वारा कैंपस परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. वे आईआईटी-आईएसएम के 99वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. बता दें कि आज ही के दिन साल 1926 में 22 छात्रों और 3 शिक्षकों के साथ भारतीय खनि विद्यापीठ की शुरूआत हुई थी.
इसके बाद राज्यपाल संतोष गंगवार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल के द्वारा देशभर में बेहतर कार्य करने वाले पूर्ववर्ती छात्रों और फेकल्टी को सम्मानित किया गया. इस मंच पर चेयरमैन कोल इंडिया पीएम प्रसाद, निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा, दुगार्पूर स्टील प्लांट के निदेशक प्रो. बीपी सिंह मंच पर मौजूद रहे.

आईआईटी-आईएसएम धनबाद के स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि आईआईटी-आईएसएम पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था से आगे बढ़कर देश के विकास के लिए तकनीकी रूप से देश को आगे बढ़ने में मदद कर रहा है. इसके लिए ये संस्थान साधुवाद का पात्र है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है. जब से पीएम मोदी आये हैं देश में तकनीकी शिक्षा पर अधिक जोर दिया जा रहा है. आप सभी विकसित भारत के दिशा में आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं. समाज में बदलाव लाने के लिए जो होना चाहिए वो आप लोग कर रहे हैं.
आईआईटी-आईएसएम की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भविष्य में इनोवेटर्स और बड़े समाज सुधारक पैदा करने के लिए आईआईटी प्रयत्नशील है. उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि आप वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से अपनी शिक्षा का उपयोग करें. विकसित भारत तभी संभव है जब सभी अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे. झारखंड के संबंध में उन्होंने कहा कि यहां के छात्रों की प्रतिभा का मुकाबला कोई नहीं कर सकता, हमारा लक्ष्य विकसित भारत है उसमें आपकी भमिका महत्वपूर्ण है.

देसी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

साहेबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र में हुए जमीन विवाद में पुलिस ने एक युवक को देसी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है. डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने जिरवाबाड़ी थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रविवार की रात 10 बजे छोटा पचगढ़ निवासी शुभम कुमार ने जिरवाबाड़ी थाना पहुंचकर बताया कि पूर्व के जमीन के सौदे में पैसों के लेनदेन को लेकर राहुल पासवान तथा अन्य युवक ने गाली-गलौज करते हुए हवा में फायरिंग की. साथ ही उसे जान से मारने की धमकी दी. सूचना मिलते ही पुलिस की छापामारी टीम पहुंची. टीम ने बड़ा पचगढ़-घोघी रोड से देसी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ बड़ा पचगढ़ के ज्योतिया मोड़ निवासी राहुल पासवान उम्र 25 एवं कर्ण कुमार उम्र 20 को दबोच लिया. इस मामले में जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 196/24 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है. इस मौके पर थाना प्रभारी पंकज कुमार दूबे, पुअनि लव कुमार, सअनि संजय कुमार, आरक्षी ब्रजेश कुमार, हवलदार सकल मुर्मू, रविन्द्र नाथ ठाकुर व अन्य मौजूद थे.

उपायुक्त ने अक्टूबर एवं नवंबर माह में हुए सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा की

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन हुआ।
बैठक के दौरान उपायुक्त ने अक्टूबर एवं नवंबर माह में हुए सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा की । उन्होंने जिले में प्रति माह बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की आंकड़ों को देख, समिति की सभी सदस्यों से जिले में सड़क दुर्घटना को रोकने हेतु विचार- विमर्श किया। तथा आवश्यक कार्य योजना बनाने की बात कहीं। उन्होंने सड़क दुर्घटना में कमी लाने को लेकर सड़कों पर स्पीड ब्रेकर लगाने, सड़क किनारे सूखे पेड़ की कटाई कराने, सड़क किनारे की झाड़ियां की कटाई करने, रिफ्लेक्ट लाइट लगाने, सड़क से सटे विद्युत पोल को हटाने सहित अन्य महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये।कार्यपालक अभियंता राष्ट्रीय उच्च पथ को एनएच 143 पर सड़क सुरक्षा से संबंधित दिशा सूचक, स्पीड ब्रेकर लगाने सहित आवश्यक निर्देश दिये। सड़क सुरक्षा को लेकर कम उम्र के बच्चों द्वारा विद्यालय में बाइक लेकर आने पर उसकी जांच कर बाइक जप्त करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने सभी कार्यालय प्रधान को पत्र भेजते हुए कर्मियों द्वारा बिना हेलमेट के ऑफिस आने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की बात कहीं।
उपायुक्त ने क्रिसमस त्योहार के मद्देनजर जिले के शहरी क्षेत्र सहित प्रखंड के चौक चौराहों एवं सभी थाना में 15 दिसंबर 2024 से 25 दिसंबर 2024 तक विशेष रूप से हेलमेट का संघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया।
उपायुक्त ने हिट एंड रन से संबंधित लंबित मामलों को समीक्षा किया, उन्होंने लंबित सभी मामलों का ससमय निष्पादन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। साथ ही सड़क दुर्घटना में मृत व्यक्ति के परिजनों को मिलने वाली मुआवजा राशि को समय पर मुहैया कराने की बात कहीं।
पुलिस अधीक्षक ने सड़क सुरक्षा को लेकर शहरी क्षेत्र के सभी चौक चौराहों में पुलिस कर्मी/ट्रैफिक पुलिस की डिपुट करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने प्रति माह सभी थानों को सड़क दुर्घटना में दर्ज चार्जशीट से संबंधित रिपोर्ट समय से भेजने का निर्देश दिया।
बैठक में अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार बखला, प्रशासक पदाधिकारी नगर परिषद् समीर बोदरा, सिमडेगा विधायक प्रतिनिधि संतोष कुमार सिंह, सभी अंचलाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी गण व परिवहन कार्यालय के कर्मी गण उपस्थित थे।

दस दिनों के अंदर शेष बचे छात्रों के बीच शत प्रतिशत साईकिल का वितरण करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री विशाल सागर की अध्यक्षता में समाज कल्याण, कल्याण व सामाजिक सुरक्षा विभाग से जुड़े विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं एवं चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग की और से संचालित विभिन्न योजनाओं की बिन्दुआर समीक्षा करते हुए सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कल्यादान योजना आदि के तहत निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप किये जा रहे कार्यों को शत प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए शत प्रतिशत सुयोग्य लाभुकों को योजनाओं से लाभान्वित करने का निदेश दिया।

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त विशाल सागर ने लक्ष्य के अनुरूप कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी प्रकट करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को सख्त निदेशित करते हुए कहा कि ज्यादा से ज्यादा सुयोग्य लाभुकों को योजना के लाभ से जोड़ें, ताकि जिले के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। आगे उपायुक्त ने समाज कल्याण व कल्याण से संचालित विभिन्न योजनाओं के शिथिलता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को बेहतर कार्यशैली के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करने का निदेश दिया, ताकि महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिल सके। इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त ने कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रीक व प्री मैट्रीक छात्रवृति योजना की वस्तुस्थिति के अलावा दस दिनों के अंदर शेष बचे बच्चों के बीच शत प्रतिशत साईकिल वितरण कराने का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया। आगे बैठक के दौरान उपायुक्त ने सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं (वृद्धा, विधवा, दिव्यांग, सर्वजन पेंशन व मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना आदि) के तहत लाभुकों को दिये जा रहे लाभ की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। साथ ही उपायुक्त ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत लाभुकों का सत्यापन करते अहर्ता रखने वाले नए सुयोग्य लाभुकों को पेंशन योजनाओं से लाभान्वित करें। इस दौरान बैठक में उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त श्री नवीन कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री दयानन्द दूबे, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती कुमारी रंजना, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी श्री राहुल कुमार भारती, प्रभारी पदाधिकारी सहायक सुरक्षा कोषांग श्रीमती सरीता भारती, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी श्री रोहित कुमार विद्यार्थी, डीएमएफटी की टीम एवं संबंधित विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं के कार्य को पूर्ण करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

दुमका : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में भू-अर्जन/पथ/एन.एच.ए.आई./रेलवे से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।
बैठक में उपायुक्त ने कहा कि एन.एच.ए.आई के सभी परियोजना के लिए भू अर्जन का कार्य पूर्ण करते हुए सभी प्रकार के मुआवजा का भुगतान करें एवं निर्धारित समयसीमा में कार्य को पूर्ण करें।कहा कि प्राथमिकता के आधार योजनाओं के कार्य को पूर्ण करने का कार्य करें।
इस दौरान जानकारी दी गयी कि एन.एच.ए. आई के 3 परियोजना हेतु विभाग से 1,56,03,09,533.00 रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है। पथ परियोजना के 34 परियोजना हेतु विभाग से कुल 2,21,23,95,369.00 रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है। कॉल ब्लॉक के 4 परियोजना हेतु 38,74,90,009.00 रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है रेलवे परियोजना के 3 परियोजना हेतु 1,21,23,55,473.00 रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है।
इस दौरान उपायुक्त ने पचवाड़ा साउथ कॉल ब्लॉक के लिए भू अर्जन के संबंध में समीक्षा की एवं आवश्यक निदेश दिया।जानकारी दी गयी कि परियोजना में मुआवजा राशि भुगतान हेतु प्राप्त कुल आवंटन 38,74,90,009.00 रुपए है एवं प्राप्त आवंटन के विरुद्ध पचवाड़ा साउथ कॉल ब्लॉक के पथ निर्माण, प्रशासनिक भवन निर्माण,कॉलोनी निर्माण, रेलवे साइडिंग निर्माण पर नियमानुसार व्यय किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर डोर टू डोर अभियान का किया शुभारंभ

जिले में कुल 2947 टीम एवं 45 मोबाईल टीम पल्स पोलियो अभियान में कार्यरत

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर द्वारा सोमवार को पल्स पोलियो अभियान के दूसरे दिन डोर टू डोर कार्यक्रम का शुभारंभ समाहरणालय परिसर में बनाये गये अस्थायी बूथ में शून्य से पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि कल 08 दिसम्बर को पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन बूथ डे के अवसर पर 81 प्रतिशत बच्चों को दवा पिलाया गया है।

इसके अलावा आज 09 व 10 दिसंबर को डोर-टू-डोर जाकर पल्स पोलियो की दवा पिलायी जायेगी। साथ ही डोर टू डोर अभियान को लेकर कुल 2947 टीम के अलावा 45 मोबाईल टीम व एक अस्थायी बूथ समाहरणालय प्रांगण में बनाया गया है, ताकि अभियान के माध्यम से शून्य से पांच वर्ष तक के शत प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा सके। आगे उपायुक्त ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने हेतु हम सभी का सामुहिक सहयोग आपेक्षित है, ताकि जिले के शत प्रतिशत बच्चों को पल्स पोलियो अभियान से जोड़ते हुए उन्हें लाभान्वित किया जा सके।
इस मौके पर उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त नवीन कुमार, सिविल सर्जन डॉ युगल किशोर चौधरी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा मुकेश कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी सहित संबंधित विभाग के चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

गांधी चौक के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया

साहेबगंज: उपायुक्त व एसपी के निर्देश पर डीटीओ मिथलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में नगर थाना क्षेत्र के गांधी चौक के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। मौके पर नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता व अन्य मौजूद थे।

15 दिसंबर से धान क्रय करना प्रारंभ किया जाय : उपायुक्त

दुमका(बिभा): समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति को लेकर बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपायुक्त में निदेश दिया कि जिले के 26 धान क्रय केंद्र में से 10 लैम्प्स में 15 दिसंबर से धान क्रय करना प्रारंभ किया जाय। लैम्प्स में आवश्यक उपकरण की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय। सभी लैम्प्स में ऑपरेटर की प्रतिनियुक्ति की जाए।कहा कि ससमय किसानों का भुगतान निश्चित रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि धान अधिप्राप्ति हेतु जिले को प्राप्त लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त करना है। इस हेतु सभी अधिकारी विभागीय दिशा निदेशों का अक्षरसः पालन करना सुनिश्चित करें।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जंक्शन के बीच थर्ड लाईन कार्य के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी बदलाव

बिभा संवाददाता

हाजीपुर : पंडित दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जंक्शन के बीच थर्ड लाईन कार्य के मद्देनजर करछना स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में निम्नानुसार अस्थायी बदलाव किया गया है।

निरस्त की गई ट्रेनें:
दिनांक 16.12.2024 तक गाड़ी संख्या 13309/13310 चोपन-प्रयागराज जंक्शन एक्सप्रेस का परिचालन रद्द रहेगा । दिनांक 14.12.2024 को गाड़ी संख्या 04193/04194 सुबेदारगंज-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन मेमू स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा। दिनांक 14.12.2024 को गाड़ी संख्या 03333/03334 सुबेदारगंज-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन मेमू स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा।

परिवर्तित मार्ग से चलायी जाने वाली ट्रेनें:
दिनांक 13.12.2024 को कोलकाता से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12496 कोलकाता-बीकानेर साप्ताहिक एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी । दिनांक 13.12.2024 को सियालदह से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12987 सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी । दिनांक 13.12.2024 को कामाख्या से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12505 कामाख्या-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन-वाराणसी-प्रयागराज रामबाग-प्रयागराज जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी । दिनांक 14.12.2024 को आनंद विहार टर्मिनल से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12506 आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया प्रयागराज जंक्शन-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी । दिनांक 14.12.2024 को आनंद विहार टर्मिनल से खुलने वाली गाड़ी संख्या 05220 आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस स्पेशल परिवर्तित मार्ग वाया प्रयागराज जंक्शन-प्रयागराज रामबाग-वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के रास्ते चलायी जाएगी ।

पुनर्निर्धारित कर चलायी जाने वाली ट्रेनें:
दिनांक 14.12.2024 को दानापुर से खुलने वाली गाड़ी संख्या 01482 दानापुर-पूणे एक्सप्रेस स्पेशल दानापुर से अपने निर्धारित समय 06.30 बजे के बदले 180 मिनट विलंब से 09.30 बजे पूणे के लिए प्रस्थान करेगी । दिनांक 13.12.2024 को हावड़ा से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12321 हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस हावड़ा से 240 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जाएगी। दिनांक 14.12.2024 को पटना से खुलने वाली गाड़ी संख्या 17609 पटना-पूर्णा जंक्शन एक्सप्रेस पटना से अपने निर्धारित समय 07.00 बजे के बदले 180 मिनट विलंब से 10.00 बजे पूर्णा जंक्शन के लिए प्रस्थान करेगी । दिनांक 14.12.2024 को पाटलिपुत्र से खुलने वाली गाड़ी संख्या 12142 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस पाटलिपुत्र से अपने निर्धारित समय 11.05 बजे के बदले 60 मिनट विलंब से 12.05 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनल के लिए प्रस्थान करेगी ।

देवघर मंदिर कर्मी हरि लाल पांडेय निलंबित

देवघर (बिभा): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर ने सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से बाबा मंदिर के गर्भगृह में किए गए कार्यो से जुड़े मामले को गंभीरता से संज्ञान लेते हुए मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी, देवघर को चौबीस घंटों के अंदर जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया था। उक्त के आलोक मंदिर प्रभारी सह अनुमंडल पदाधिकारी के समर्पित जांच प्रतिवेदन के आधार पर मंदिर कर्मी हरि लाल पांडेय को निलंबित कर दिया गया है। साथ मुख्य मंदिर प्रबंधक रमेश परिहस्त की सभी प्रकार की वित्तिय और प्रशासनिक शक्तियों को तत्काल प्रभाव से विलोपित कर दिया गया हैं।

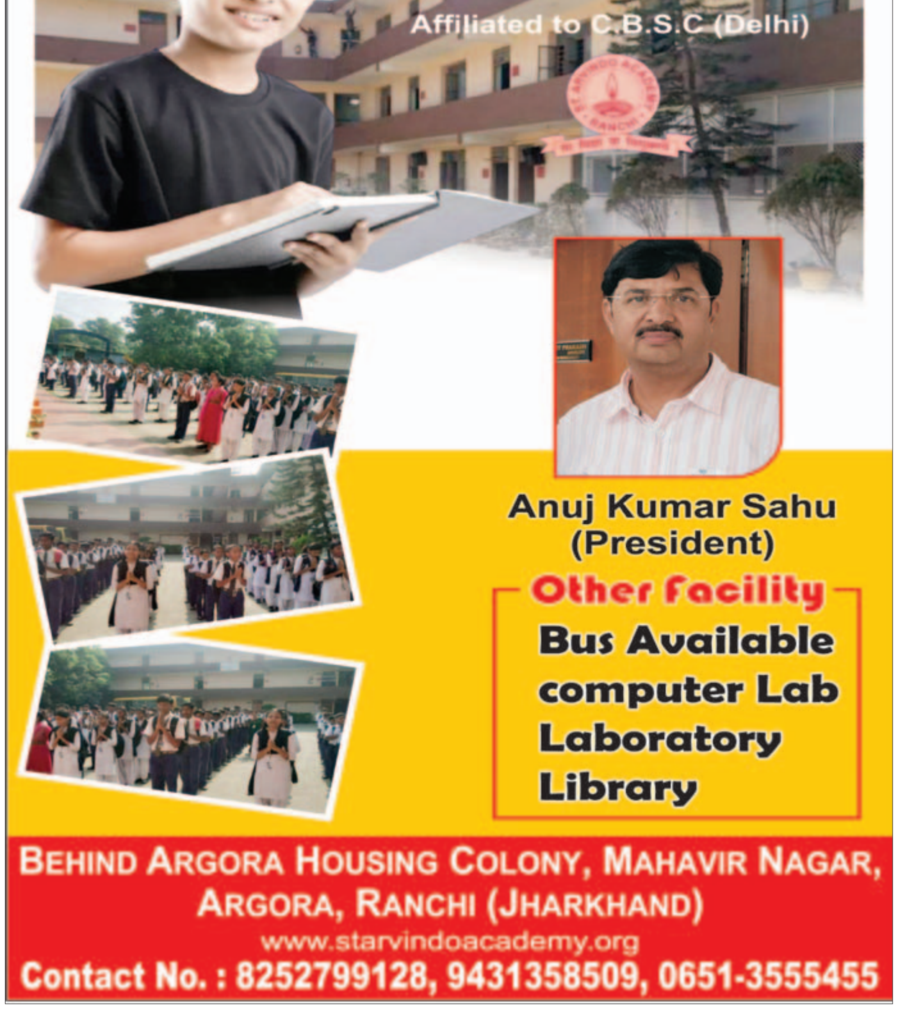

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com